Weather Report
अधिकतम तापमान: 32.0c
न्यूनतम तापमान: 21.0c
हवा गति: 11 कि./घं.
जयपुर सूर्योदय समय
सुबह: 6.06

दैनिक
संजीवनी टुडे
sanjeevnitoday.com
समय के साथ बढ़ता अखबार

वर्ष: 11 अंक: 84 जयपुर, शनिवार, 31 अगस्त 2024 पृष्ठ:8 मूल्य: ‘1.50

अब होगी खुशियों की बात संजीवनी टुडे के साथ
जन्मदिवस, वैवाहिक वर्षगांठ एवं नियुक्ति बधाई संदेश
मात्र 1100/- में
साईज 8X8 cm
संजीवनी टुडे
e-mail: sanjeevnitoday@gmail.com

शिवाजी प्रतिमा गिरने पर मोदी बोले- मैं माफी मांगता हूं

इससे पहले शिंदे-फडणवीस और अजित पवार भी माफी मांग चुके

संजीवनी टुडे

मुंबई। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी शुक्रवार को महाराष्ट्र के दौरे पर हैं। पालघर के सिडको ग्राउंड में 76 हजार करोड़ के प्रोजेक्ट्स का उद्घाटन करने के बाद उन्होंने छत्रपति शिवाजी की प्रतिमा गिरने के मामले पर माफी मांगी। सिंधुदुर्ग में लगाई गई यह प्रतिमा 26 अगस्त को गिरकर टूट गई थी। मोदी ने कहा- छत्रपति शिवाजी महाराज मेरे और मेरे दोस्तों के लिए सिर्फ एक नाम नहीं हैं। हमारे लिए छत्रपति शिवाजी महाराज सिर्फ एक महाराजा नहीं हैं। हमारे लिए वे पूजनीय हैं। आज मैं छत्रपति शिवाजी महाराज के सामने नतमस्तक हूं और उनसे क्षमा मांगता हूं। मोदी से पहले महाराष्ट्र के एख्र एकनाथ शिंदे, डिप्टी एख्र देवेंद्र फडणवीस और अजित पवार भी माफी मांग चुके हैं। घ्ख्र के कार्यक्रम से पहले मुंबई में मूर्ति गिरने को लेकर विपक्ष के नेताओं ने विरोध-प्रदर्शन किया। पुलिस ने कांग्रेस नेताओं को नजरबंद भी किया है। उधर, कांग्रेस ने सोशल मीडिया पर लिखा- ‘महाराष्ट्र की जनता और विपक्ष के घोर विरोध ने आज नरेंद्र मोदी को छत्रपति शिवाजी महाराज से माफी मांगने पर मजबूर कर दिया। लेकिन ये माफी नहीं ढोंग है। अगर मोदी वाकई में अपने इस अक्षम्य पाप के लिए माफी मांग रहे हैं, तो वे महाराष्ट्र के एख्र और डिप्टी एख्र को अपने पद से हटाएं। साथ ही इस प्रोजेक्ट में जिन लोगों की संलिप्तता थी, उनपर कड़ी कार्रवाई करें।

मोदी ने वधावन पोर्ट का उद्घाटन किया

पालघर में पीएम मोदी ने सिडको ग्राउंड में 76 हजार करोड़ के कई प्रोजेक्ट्स का उद्घाटन किया। इसमें वधावन पोर्ट प्रोजेक्ट भी शामिल है। मोदी ने उद्घाटन करने के बाद कहा- महाराष्ट्र का विकास मेरी बहुत बड़ी प्राथमिकता है। आज भारत की प्रगति में महाराष्ट्र बहुत बड़ी भूमिका निभा रहा है, लेकिन यह दुर्भाग्य है कि महाराष्ट्र विरोधी दलों ने आपके विकास पर हमेशा ब्रेक लगाने की कोशिश की। मोदी ने कहा- हमारे देश को वर्षों से दुनिया के साथ व्यापार के लिए एक बड़े और आधुनिक पोर्ट की जरूरत थी, इसके लिए महाराष्ट्र का पालघर ही सबसे उपयुक्त जगह है, लेकिन इस प्रोजेक्ट को 60 वर्षों तक लटका कर रखा गया। इतने जरूरी काम को कुछ लोग शुरू नहीं होने दे रहे थे। राजे का ये अपमान महाराष्ट्र न भूलेगा, न माफ करेगा। प्रदर्शनकारी कांग्रेस कार्यकर्ताओं की पुलिस के साथ झड़प हुई। कुछ कार्यकर्ताओं को पुलिस ने नजरबंद भी किया है।

फिशिंग प्रोजेक्ट का भी शिलान्यास

मोदी ने पालघर में लगभग 1,560 करोड़ रुपए की लागत से 218 फिशिंग प्रोजेक्ट का शिलान्यास भी किया। इसका उद्देश्य फिशिंग सेक्टर में इन्फ्रास्ट्रक्चर और प्रोडक्टिविटी को बढ़ावा देना है। अधिकारियों के मुताबिक इस प्रोजेक्ट की मदद से फिशिंग सेक्टर में 5 लाख से अधिक रोजगार पैदा होने की उम्मीद है। वहीं पीएम मोदी ने करीब 360 करोड़ रुपए की लागत से नेशनल रोल आउट ऑफ वेसल कम्युनिकेशन एंड सपोर्ट सिस्टम का शुभारंभ किया। इसके जरिए 13 तटीय राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों में मशीन और मोटर से चलने वाली मछली पकड़ने के जहाजों पर 1 लाख ट्रांसपोंडर लगाए जाएंगे। दिसंबर 2023 में पीएम मोदी ने शिवाजी की मूर्ति का अनावरण किया था। छत्रपति शिवाजी महाराज की प्रतिमा का अनावरण पिछले साल 4 दिसंबर को नौसेना दिवस समारोह के दौरान किया गया था। इस प्रतिमा को लगाने का मकसद, छत्रपति शिवाजी महाराज की विरासत और मराठा नौसेना के आधुनिक भारतीय नौसेना के साथ ऐतिहासिक संबंधों का सम्मान करना था। प्रतिमा का अनावरण घ्ख्र नरेंद्र मोदी ने किया था। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के खिलाफ विरोध प्रदर्शन कर रहे मुंबई यूथ कांग्रेस के अध्यक्ष अखिलेश यादव को हिरासत में लेते हुए पुलिस कर्मी। कांग्रेस नेताओं ने सिंधुदुर्ग में शिवाजी की प्रतिमा गिरने को लेकर मुंबई में प्रदर्शन किया।

दो से ज्यादा बच्चों वाले कर्मचारियों के प्रमोशन पर रोक

बैक डेट से पदोन्नति देने पर हाईकोर्ट का आदेश, हजारों कर्मचारी होंगे प्रभावित

संजीवनी टुडे

जयपुर। 2 से ज्यादा बच्चों वाले राज्य कर्मचारियों को प्रमोशन देने पर हाईकोर्ट ने रोक लगा दी है। हाईकोर्ट ने राज्य सरकार के उस आदेश पर अंतरिम रोक लगाई है, जिसमें सरकार इन कर्मचारियों को बैक डेट से प्रमोशन दे रही थी। जस्टिस पंकज भंडारी और जस्टिस विनोद कुमार भारवानी की खंडपीठ ने यह आदेश संतोष कुमार और अन्य की याचिकाओं पर सुनवाई करते हुए दिए। इस आदेश से हजारों कर्मचारी प्रभावित होंगे। याचिकाओं में कहा गया था कि सरकार 16 मार्च 2023 की अधिसूचना से उन कर्मचारियों को बैक डेट से पदोन्नति दे रही है, जिनके दो से ज्यादा बच्चे होने के कारण 5 साल या 3 साल के लिए प्रमोशन रोके गए थे। इन कर्मचारियों को बैक डेट से प्रमोशन देने पर हमारी वरिष्ठता सूची में बदलाव आ गया है, हम वरिष्ठता सूची में नीचे चले गए हैं, जिससे हमारी पदोन्नति प्रभावित हो रही है। हाईकोर्ट ने सुनवाई के बाद राज्य सरकार की अधिसूचना पर अंतरिम रोक लगा दी। याचिकाकर्ताओं के वकील शोभित तिवाड़ी ने बताया- साल 2001 में राज्य सरकार ने नोटिफिकेशन जारी करके 1 जून 2002 के बाद तीसरा बच्चा पैदा होने पर सरकारी कर्मचारी को 5 साल के लिए प्रमोशन से वंचित करने का

नियम लागू किया था। साल 2017 में सरकार ने 5 साल की अवधि को घटाकर 3 साल कर दिया था, लेकिन पिछले साल कार्मिक विभाग ने 16 मार्च 2023 को अधिसूचना जारी करके कहा कि ऐसे सभी कर्मचारी जिनकी पदोन्नति दंड स्वरूप रोकी गई थी। उन्हें उनके पदोन्नति वर्ष से ही प्रमोशन का लाभ दिया जाए। ऐसे में राज्य सरकार के करीब 125 विभागों में रिव्यू डीपीसी के माध्यम से ऐसे सभी कर्मचारियों को उनकी प्रारंभिक पदोन्नति की तिथि से प्रमोशन का लाभ दिया जा रहा था। इसे बारां और झालावाड़ के पुलिसकर्मियों ने हाईकोर्ट में चुनौती दी थी। याचिकाओं में कहा गया था कि सरकार ने पहले अधिसूचना जारी करके उन कर्मचारियों को अयोग्य घोषित करके प्रमोशन से वंचित किया था, जिनके दो से ज्यादा बच्चे हैं।

हरियाणा सीएम और भाजपा अध्यक्ष आमने-सामने: बड़ौली ने कहा

मुख्यमंत्री लाडवा से लड़ेंगे, सैनी बोले- मैं करनाल से ही लड़ूंगा, उसको ज्यादा जानकारी

संजीवनी टुडे

करनाल। हरियाणा में भाजपा उम्मीदवारों की पहली लिस्ट जारी होने से पहले घमासान मचा है। शुक्रवार को करनाल में रोड शो के दौरान मुख्यमंत्री नायब सैनी ने कहा कि मैं करनाल से चुनाव लड़ूंगा। जबकि सुबह भाजपा प्रदेश अध्यक्ष मोहन लाल बड़ौली ने कहा था कि मुख्यमंत्री नायब सैनी लाडवा से चुनाव लड़ेंगे। नायब सैनी ने कहा, ‘मोहन लाल बड़ौली प्रदेश अध्यक्ष हैं, उसको मेरे से ज्यादा जानकारी है। पार्लियामेंट बोर्ड के सामने जिन दावेदारों ने अप्लाई किया था, उसे लिस्टिंग करके केंद्रीय नेतृत्व के सामने रख दिया है। अगला निर्णय पार्लियामेंट्री बोर्ड का है। करनाल से मैं ही चुनाव लड़ूंगा। करनाल सीट पर पंजाबी समुदाय के सबसे ज्यादा 64 हजार वोट हैं। सैनी समुदाय के यहां सिर्फ 5800 वोट हैं। इसके अलावा अगर कुल ग्उए वोटरों की बात करें तो करीब 35 हजार वोट है। चूंकि पिछली बार करनाल से मनोहर लाल खट्टर लड़े, वह पंजाबी समुदाय से थे। इसलिए उन्हें पंजाबी वोटरों का समर्थन मिला। सैनी ग्उए वर्ग से आते हैं। उनके समुदाय और ग्उए वर्ग की भी बहुत कम वोट हैं। ऐसे में उनको इसका नुकसान हो सकता है। वहीं अब पंजाबी वर्ग भी मुखर रूप से लगातार प्रतिनिधित्व की मांग कर रहा है। इसे भांपते हुए कुछ दिन पहले कांग्रेस भी करनाल में

पंजाबी महासम्मेलन कर चुकी है। हुड्डा ने यहां तक वादा किया कि कांग्रेस सरकार बनी तो वह पंजाबी विस्थापित कल्याण बोर्ड बनाएंगे। इससे भी भाजपा को पंजाबी वोट खिसकने का डर है। करनाल 10 साल से सीएम सिटी है। सीएम का गृह क्षेत्र होने से भाजपा को फायदे की उम्मीद जरूर हो, लेकिन इसको लेकर यहां एंटी इनकंबेंसी का खतरा भी ज्यादा है। सीएम सिटी की वजह से धरने-प्रदर्शन के अलावा लोगों की आम विधायक के तौर पर सीएम के साथ सीधी कनेक्टिविटी नहीं हो पाती। चूंकि खट्टर ने पहले ही सबको साध लिया था लेकिन सैनी के लिए अंत के कुछ महीनों में यह संभव नहीं हो रहा। इसकी वजह 3 महीने पहले लोकसभा चुनाव और अब विधानसभा चुनाव की वजह से पर्याप्त समय न मिल पाना है।

भीतरघात का खतरा, लोकल दावेदारों की बगावत

करनाल सीट पर सैनी को भीतरघात का भी खतरा बना हुआ है। सीएम के करीबी सूत्र बताते हैं कि यहां मनोहर लाल खट्टर के करीबी रही उनकी टीम अभी सीएम सैनी के साथ खुले दिल से नहीं चल रही। इतना अवश्य है कि खट्टर उन्हें मना लेंगे लेकिन चुनाव में वह कितने मन से मदद करेंगे, इसको लेकर सैनी के लिए रिस्क रहेगा। वहीं खट्टर के जाने के बाद लोकल नेताओं को उम्मीद थी कि अब उन्हें मौका मिलेगा लेकिन इस चुनाव में सैनी यहां से जीत गए तो फिर अगले 5 साल के लिए उनका रास्ता बंद हो जाएगा।

ममता की मोदी को 8 दिन में दूसरी चिट्ठी: कहा

संवेदनशील मुद्दे पर आपने जवाब नहीं दिया, रेप अपराधियों को कड़ी सजा के लिए कानून बने

संजीवनी टुडे

कोलकाता। कोलकाता रेप-मर्डर केस को लेकर ममता बनर्जी ने प्रधानमंत्री मोदी को 8 दिन में दूसरी चिट्ठी लिखी है। इसमें ममता ने कहा- मैंने 22 अगस्त को रेपिस्ट को कड़ी सजा देने के लिए कानून की मांग को लेकर पत्र लिखा था, लेकिन इतने संवेदनशील मुद्दे पर आपकी ओर से कोई जवाब नहीं मिला। हालांकि, भारत सरकार की ओर से एक जवाब जरूर मिला, लेकिन उसमें मुद्दे की गंभीरता पर ध्यान नहीं दिया गया। मैं फिर से अनुरोध करती हूं कि रेप-हत्या जैसे जघन्य अपराधों पर केंद्र सरकार कड़ा कानून बनाए। इस कानून में तय वक्त में केस खत्म होने का प्रावधान भी होना चाहिए। दरअसल, ममता ने 22 अगस्त को घ्ख्र को लिखी चिट्ठी में कहा था कि देश में रोज 90 रेप हो रहे हैं। फास्टट्रैक कोर्ट बनाना चाहिए। इसके जवाब में 26 अगस्त को महिला विकास मंत्री अन्नपूर्णा देवी ने ममता को चिट्ठी लिखी थी, जिसमें उन्होंने आरोप लगाया था कि बंगाल में 123 फास्टट्रैक कोर्ट में से ज्यादातर बंद हैं। ममता ने दूसरी चिट्ठी में इसका भी जवाब दिया। यह समाज और देश के आत्मविश्वास और विवेक को झकझोर देता है।

ममता ने दूसरी चिट्ठी में कहा- राज्य में 88 फास्ट ट्रैक कोर्ट चालू

महिला विकास मंत्री अन्नपूर्णा देवी की चिट्ठी में दावा किया गया था कि राज्य में सिर्फ 11 पीएमएलए कोर्ट ही हैं, जो चल रहे हैं, बाकी बंद पड़े हैं। इसके जवाब में ममता ने आज कहा- राज्य में 88 फास्टट्रैक कोर्ट चल रहे हैं। 62 घ्एट्ट्र कोर्ट में भी लगातार सुनवाई हो रही है। इसके अलावा 10 नए पीएमएलए कोर्ट का भी अप्रूवल दिया गया है। यह सब फैक्ट केंद्र से मिली चिट्ठी में ध्यान में नहीं रखे गए। ये अदालतें स्टेट गवर्नमेंट के फंड पर चलती हैं। केस की सुनवाई और निपटारा कोर्ट के हाथ में ही रहता है। इसमें सरकारें कुछ नहीं कर सकतीं। सेंट्रल गवर्नमेंट की गाइडलाइन के मुताबिक, रिटायर्ट ज्यूडिशियल ऑफिसर्स ही फास्टट्रैक कोर्ट के प्रिसाइडिंग ऑफिसर के रूप में नियुक्त हो सकते हैं। ममता ने मोदी को लिखी चिट्ठी में कहा- हाल ही में हाईकोर्ट ने कहा था कि जघन्य अपराधों के मामले में परमानेंट ज्यूडिशियल ऑफिसर को नियुक्त करना चाहिए। इस नियुक्ति के लिए आपका हस्तक्षेप जरूरी है। इसके अलावा राज्य में 112 और 1098 हेल्पलाइन भी सही तरीके से चल रही है। सीएम ममता बनर्जी ने मोदी को लिखा था- मौजूदा डेटा बताता है कि देश में रोज 90 रेप केस हो रहे हैं। ज्यादातर मामलों में रेप पीड़ित की हत्या हो जाती है। यह ट्रेंड भयावह है।

कर्नाटक हाईकोर्ट ने कहा- येदियुरप्पा 5 सितंबर तक पेश हों

संजीवनी टुडे

पूर्व सीएम पर नाबालिग से यौन शोषण का आरोप, लड़की रेप केस में मदद मांगने गई थी

नई दिल्ली। कर्नाटक के पूर्व मुख्यमंत्री बीएस येदियुरप्पा के खिलाफ यौन उत्पीड़न केस में शुक्रवार (30 अगस्त) को कर्नाटक हाईकोर्ट में सुनवाई हुई। कोर्ट ने येदियुरप्पा को व्यक्तिगत रूप से पेश होने के अंतरिम आदेश को 5 सितंबर तक बढ़ा दिया। दरअसल सीआईडी के स्पेशल काउंसिल ने कोर्ट में एडिशनल चार्जशीट दाखिल की और येदियुरप्पा को कोर्ट में पेश करने के लिए समय मांगा। इस पर जस्टिस एम नागप्रसन्ना ने अंतरिम आदेश में छूट दी है। फरवरी 2024 में एक रेप पीड़ित लड़की पूर्व सीएम से मदद मांगने गई थी। उसने आरोप लगाया कि, येदियुरप्पा ने उसका यौन शोषण किया। 14 मार्च को येदियुरप्पा के खिलाफ केस दर्ज हुआ। 13 जून को गिरफ्तारी के लिए गैर जमानती वारंट बेंगलुरु की फास्ट ट्रैक कोर्ट ने जारी किया। हालांकि, कर्नाटक हाईकोर्ट ने 14 जून को गिरफ्तारी पर रोक लगा दी थी। कोर्ट ने कहा था कि येदियुरप्पा को एत्र्क्रके सामने पेश होना होगा। कर्नाटक हाईकोर्ट ने अरेस्ट वारंट जारी करने को लेकर भी आपत्ति जताई थी। कोर्ट ने कहा था कि येदियुरप्पा पूर्व सीएम हैं। वे केस में सहयोग कर रहे हैं। उनकी उम्र और मामले की जांच में उनके व्यवहार को ध्यान में रखते हुए कार्रवाई की जानी थी। येदियुरप्पा के खिलाफ पॉक्सो मामले में कर्नाटक सीआईडी ने 27 जून को 750 पन्नों की चार्जशीट दायर की थी। मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक, चार्जशीट में सीआईडी ने दावा किया है कि येदियुरप्पा ने नाबालिग और उसकी मां को रुपए दिए थे। रिपोर्ट्स के मुताबिक, महिला अपनी 17 साल की बेटी के साथ 2 फरवरी 2024 को येदियुरप्पा से मिलने पहुंची। उसकी बेटी जब साढ़े 6 साल की थी, तब उसका यौन शोषण हुआ था। इस मामले में ही वो येदियुरप्पा से मदद मांगने पहुंची थी। येदियुरप्पा नाबालिग को हाथ पकड़कर अपने साथ मीटिंग रूम में ले गए। यहां उन्होंने नाबालिग से पूछा कि क्या उसे उस व्यक्ति का चेहरा याद है, जिसने उसके साथ गलत काम किया था।

पतंजलि के टूथपेस्ट में नॉनवेज मटेरियल होने का दावा

दिल्ली हाईकोर्ट में याचिका लगाई, कोर्ट ने जवाब मांगा

संजीवनी टुडे

नई दिल्ली। दिल्ली हाईकोर्ट में पतंजलि के प्रोडेक्ट दिव्य दंत मंजन को लेकर एक याचिका दायर की गई है। इसमें प्रोडेक्ट में नॉनवेज मटेरियल होने का दावा किया गया है। याचिककर्ता एडवोकेट यतिन शर्मा आरोप लगाया गया है कि कंपनी अपने ‘दिव्य दंत मंजन‘ में ‘समुद्र फ़ेन‘ (कटलफिश) नाम का मांसाहारी पदार्थ यूज करती है। एडवोकेट यतीन शर्मा में यह भी बताया गया है कि नॉन वेजिटेरियन पदार्थ के इस्तेमाल के बावजूद उस प्रोडक्ट पर ग्रीन यानी वेजिटेरियन लेबल दिया गया है। कोर्ट ने पतंजलि आयुर्वेद और बाबा रामदेव को नोटिस जारी कर जवाब मांगा है। जस्टिस संजीव नरूला ने केंद्र सरकार और पतंजलि की दिव्य फार्मेसी को भी नोटिस जारी किया, जो यह प्रोडक्ट बनाती है। जस्टिस संजीव नरूला ने प्रोडेक्ट बनाने वाली पतंजलि की दिव्य फार्मेसी और बाबा रामदेव को नोटिस जारी कर जवाब मांगा है। मामले की अगली सुनवाई 28 नवंबर को होगी। पतंजलि आयुर्वेद और योग गुरु स्वामी रामदेव और आचार्य बालकृष्ण को राहत देते हुए सुप्रीम कोर्ट ने उनके खिलाफ अदालत की अवमानना का केस बंद कर दिया है। कोर्ट ने 13 अगस्त को दोनों को कड़ी चेतावनी देते हुए कहा कि यदि वे कोर्ट के आदेशों का उल्लंघन करते हुए कुछ भी करते हैं।

याचिकाकर्ता का दावा- उनकी भावनाएं आहत हुईं

याचिकाकर्ता यतिन ने दावा किया है कि योगगुरु रामदेव ने खुद ही एक वीडियो में स्वीकार किया कि उनके इस प्रोडक्ट में कटलफिश का इस्तेमाल किया जाता है। इसकी बावजूद कंपनी गलत ब्रांडिंग कर रही है और टूथपेस्ट को वेजिटेरियन बता रही है। कोर्ट को बताया गया कि याचिकाकर्ता और उसका परिवार दुखी है, क्योंकि वे केवल वेजिटेरियन प्रोडक्ट का ही इस्तेमाल करते हैं। लेकिन जब से उन्हें पता चला कि दिव्य दंत मंजन में

समुद्रफ़ेन का इस्तेमाल किया गया है। उनकी भावनाएं काफी आहत हुई हैं। समुद्र फ़ेन कटल फिश से प्राप्त एक एनिमल प्रोडक्ट है। मछली के मरने के बाद उसकी हड्डी समुद्र के पानी पर तैरने लगती है। जब समुद्र के पानी की सतह पर बड़ी संख्या में हड्डियां एक साथ तैरती हैं, तो दूर से यह समुद्र के पानी के झाग जैसा दिखता है। इसमें 80% कैल्शियम कार्बोनेट होता है। इसके अलावा इसमें फास्फ़ेट, सिलिका और सल्फ़ेट जैसे अन्य तत्व भी होते हैं। पतंजलि कि वेबसाइट के अनुसार दिव्य दंत मंजन मसूड़ों के साथ-साथ दांतों के लिए भी सबसे शक्तिशाली औषधीय उत्पाद है। इस टूथ पाउडर के इस्तेमाल से मसूड़े मजबूत होते हैं। इस कारण पायरिया (मसूड़ों से रक्त और मवाद का बहना) जैसी दंत समस्याएं दूर हो जाती है। जैसा कि पहले हुआ था, तो कोर्ट कड़ी सजा देगा। सुप्रीम कोर्ट इंडियन मेडिकल एसोसिएशन की याचिका पर सुनवाई की थी, जिसमें कोविड वैक्सीनेशन और एलोपैथी की बदनामी का आरोप लगाया गया था।

जयपुर में हवा के साथ तेज बारिश

दो दिन बाद 15 जिलों में बरसात का अलर्ट, अब तक 51 फीसदी ज्यादा पानी बरसा

संजीवनी टुडे

जयपुर। जयपुर में शुक्रवार रात को तेज हवा के साथ बारिश हुई। रात करीब साढ़े 9 बजे अचानक मौसम में बदलाव आया। इससे पहले मौसम विभाग ने राजस्थान में आज और कल बारिश होने की संभावना काफी कम है। अब सितंबर में अच्छी बारिश होने की संभावना है। मौसम केन्द्र जयपुर ने 1 सितंबर को 15 जिलों में मध्यम से तेज बारिश की संभावना जताई है। वहीं, 2 सितंबर को 2 जिलों में भारी बारिश का ऑरेंज अलर्ट जारी किया है। राजस्थान में मानसून के इस सीजन में अब तक (1 जून से 29 अगस्त तक) 552.2 एमएम बरसात हो चुकी है, जबकि औसत बारिश इस समय तक 364.5 एमएम होती है। इस बार सबसे ज्यादा बारिश दौसा जिले में 1148.8 एमएम हुई है। दौसा के बाद दूसरा नंबर सवाई माधोपुर जिले का है, जहां 1043.9 एमएम बरसात हुई है। सिरोही, झालावाड़ और डूंगरपुर जिले ऐसे हैं जहां अब तक सामान्य से कम बारिश हुई है। वहीं, शेष सभी जिलों में सामान्य से ज्यादा बरसात हो चुकी है।

नंदसमंद बांध पर चल रही 2 इंच की चादर

राजसमंद में नंदसमंद बांध ओवरफ्लो हो गया है। बांध पर करीब 2 इंच की चादर चल रही है। 32 फीट भराव क्षमता के साथ जिले के सबसे बड़े नंदसमंद बांध में कुल 750 एमसीएफटी (मिलियन क्यूबिक फीट) पानी आता है, जो क्षेत्रवासियों के लिए पेयजल के साथ ही किसानों की फसलों की सिंचाई में भी काम आता है। जयपुर मौसम केन्द्र ने आज और 31 अगस्त तक मौसम साफ रहने की संभावना जताई है। हालांकि कुछ स्थानों पर छुटपुट बारिश हो सकती है। अब 2 दिन बाद मानूसन फिर से एक्टिव होगा।

कांग्रेस नेता जगदीश टाइटलर के खिलाफ हत्या का केस चलेगा

सिख दंगा मामले में कोर्ट ने आरोप तय किए, 3 लोगों के मर्डर का आरोप

संजीवनी टुडे

नई दिल्ली। 1984 सिख दंगा मामले में कांग्रेस नेता जगदीश टाइटलर के खिलाफ हत्या का केस चलेगा। दिल्ली के कोर्ट ने शुक्रवार (30 अगस्त) को टाइटलर के खिलाफ हत्या समेत अन्य धाराओं में आरोप तय कर दिए। मामले की अगली सुनवाई 13 सितंबर को होगी। टाइटलर को कोर्ट में मौजूद रहने का निर्देश दिया गया है। सीबीआई ने मामले में टाइटलर के खिलाफ 20 मई 2023 को चार्जशीट दाखिल की थी। एक गवाह ने आरोप लगाया था कि जगदीश टाइटलर ने 1 नवंबर 1984 को गुरुद्वारा पुल बंगश के सामने एक एंबेसडर कार से बाहर निकले और भीड़ को सिखों की हत्या करने के लिए उकसाया था। सीबीआई ने भी अपने आरोप पत्र में कहा कि टाइटलर ने भीड़ को उकसाया था। इसके बाद गुरुद्वारे में आग लगा दी गई। इस हिंसा में ठाकुर सिंह, बादल सिंह और गुरु चरण सिंह मारे गए थे। एउत्र्क ने टाइटलर पर भारतीय दंड संहिता की धारा 147 (दंगा), 109 (भड़काना) और 302 (हत्या) का आरोप लगाया था।

टाइटलर को क्लीन चिट मिली चुकी थी

सिख दंगा केस में सीबीआई टाइटलर को पहले तीन बार क्लीन चिट दे चुकी थी। पहली क्लीन चिट 2007 में मिली थी, लेकिन अदालत ने इसे सिरे से खारिज कर दोबारा जांच के आदेश दिए। इसके बाद 2013 में एउत्र्कने फिर से सबूतों का अभाव बताकर

टाइटलर को क्लीन चिट दी थी। याचिकाकर्ता फिर कोर्ट पहुंचे, जांच हुई और टाइटलर फिर बच गए। आखिर में अदालत ने दिसंबर 2015 में एउत्र्कको मामले की और जांच करने का निर्देश देते हुए कहा था कि वह हर 2 महीने में जांच की निगरानी करेगी, ताकि यह सुनिश्चित किया जा सके कि हर एक पहलू की जांच की जाए। अदालत ने अपने फैसले में कहा था कि एउत्र्कउन सभी गवाहों के बयान दर्ज करे, जिन्होंने खुद को चश्मदीद बताया और टाइटलर को दंगा भड़काते देखा। जिन गवाहों ने अपनी गवाही दर्ज कराने के लिए एउत्र्कसे संपर्क किया, उनके भी बयान लिए जाएं। इसके बाद एउत्र्कने एक और जांच की और टाइटलर का नाम चार्जशीट में शामिल किया था। सिख विरोधी दंगे 1984 में तत्कालीन प्रधानमंत्री इंदिरा गांधी की हत्या के बाद भड़के थे। इंदिरा गांधी ने पंजाब में सिख आतंकवाद को दबाने के लिए सिखों के पवित्र धार्मिक स्थल स्वर्ण मंदिर परिसर में ऑपरेशन ब्लूस्टार चलाया था, जिसमें आतंकी भिंडरावाले सहित कई लोगों की मौत हो गई थी।

खबरें फटाफट

ट्रेन के चपेट में आने से महिला की मौत, हादसे में 12 वर्षीय बालक बाल - बाल बचा

■ संजीवनी टुडे

चाकसू । यहां शुक्रवार को शिवदासपुरा थाना इलाके में ट्रेन की चपेट में आने से एक महिला की मौत हो गई? और वही पुलिस ने बताया कि महिला संतोष जाट झुंझुनूं निवासी थी दोपहर को ट्रेन की चपेट में आने से महिला की मौत हो गई? वहीं हालांकि बताया जा रहा है । कि महिला के साथ 12 वर्ष का बालक भी था उसे दौरान बालक सर्वेश बाल -बाल बचा गया और बालक के मामूली चोटे आई है जिसे महात्मा गांधी अस्पताल में भर्ती करवाया गया और मृतक महिला महात्मा गांधी अस्पताल में नर्सिंग का कार्य करती थी और हालांकि अभी तक मौत के कारणों का पता नहीं लगा पाया है। वहीं पुलिस ने महिला के शव को महात्मा गांधी अस्पताल में रखवाकर उनके परिजनों को सूचित किया और वही मौक़ेपर रेलवे पुलिस अधिकारी भी साथ में मौजूद रहे थे ।

दो आरोपियों को गिरफ्तार कर, चोरी का ट्रेक्टर व ट्रोली बरामद

■ संजीवनी टुडे

चित्तौड़गढ़। गंगरार थाना पुलिस द्वारा ट्रेक्टर ट्रॉली चोरी की घटना का पर्दाफाश करते हुए दो आरोपियों को गिरफ्तार कर थाना क्षेत्र से चुराया गया ट्रेक्टर व ट्रोली बरामद किया हैं। दोनों आरोपियों से पूर्व में भी थाना क्षेत्र के बोलों का सावंता से चुराया हुआ ट्रैक्टर टोली बरामद किया गया था जिला पुलिस अधीक्षक श्री सुधीर जोशी ने बताया कि 30 अप्रेल की रात्री को थाना गंगरार क्षेत्र के बोरदा निवासी नारायण लाल माली के घर के बाहर खडा ट्रेक्टर मय ट्रोली को अज्ञात बदमाशो द्वारा चोरी कर ले जाने के मामले मे गंगरार थाने पर प्रकरण दर्ज कर जांच प्रारम्भ की जाकर चोरियों की घटनाओ की रोकथाम एवं खुलासे के लिये अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक मुख्यालय चितौडगढ परबत सिंह जैतावत एवं वृताधिकारी गंगरार रामेश्वरलाल के निर्देशन में थानाधिकारी गंगरार फूलचन्द पुनि के नेतृत्व मे हैडकानि. विक्रम सिंह , प्रमोद कुमार, कानि. दिनेश कुमार, मदनलाल, रामस्वरूप, हुकम सिंह, भभूराम द्वारा सीसीटीवी फुटेज का बारिकी से विश्लेषण कर तकनीकी साक्ष्य एवं आसूचना संकलित करते हुए ट्रेक्टर चोरी की घटना कारित करने वाले आरोपी भीलवाड़ा जिले के चाखेड थाना बागोर हाल जवासिया थाना हमीरगढ निवासी तेजमल उर्फ सत्तु पुत्र रामचन्द्र कुम्हार और लूकडी नेवरिया थाना राशमी निवासी मिठूलाल पुत्र ठाकरलाल कालबेलिया को जरिए प्रोडेक्शन वारट जेल से गिरफ्तार कर आरोपियों की निशादेही से चोरी का ट्रेक्टर मय ट्रोली बरामद किया गया।आरोपियों से अन्य ट्रेक्टर चोरी के प्रकरणों के बारे में गहनता से पूछताछ की जा रही है ।

उदयपुर में 5 सीआई और 2 एसआई का ट्रांसफरः डबोक सीआई को पुलिस लाइन भेजा

■ संजीवनी टुडे

उदयपुर। जिला पुलिस अधीक्षक योगेश गोयल ने 9 दिन में दूसरी तबादला सूची जारी की। अब 5 पुलिस निरीक्षकों और 2 उपनिरीक्षकों के तबादले किए हैं। दो सीआई को शहर से शहर में, एक को ग्रामीण से शहर में और एक को शहर से ग्रामीण में तैनात किया है। डबोक थानाधिकारी सुबोध जागिड़ को पुलिस लाइन में भेजा गया है। इसके पीछे की वजह डबोक एयरपोर्ट पर चार दिन पहले हुए घटनाक्रम से जोड़कर देखा जा रहा है। मंगलवार को डबोक एयरपोर्ट पर भाजपा के प्रदेश प्रभारी राधा मोहनदास अग्रवाल की कार पर यूथ कांग्रेस नेताओं द्वारा काली स्याही फेंकी गई थी। साथ ही उन्हें काले झंडे दिखाए थे। इसके बाद करीब 10 यूथ कांग्रेस नेताओं को सुखेर थाना पुलिस ने गिरफ्तार करते हुए डबोक थाना पुलिस को सौंपा था। जिन्हें एक दिन पहले जमानत पर रिहा कर दिया। थानाधिकारी रतनसिंह को झाड़ोल थाने से शहर के सूरजपोल थाने में लगाया है। वहीं, सूरजपोल थानाधिकारी सुनील चारण को यातायात में भेजा है। इसी तरह मानव तस्करी विरोध यूनिट में तैनात रामनिवास को झाड़ोल भेजा है। सीआई चंद्रशेखर को यातायात से झाड़ोल थाने का जिम्मा सौंपा है। सुबोध जांगिड़ को डबोक से हटाकर पुलिस लाइन लगाया है। वहीं, मांडवा थानाधिकारी प्रवीण सिंह को अपराध शाखा और राजीव शर्मा को अंबामाता थाने से मांडवा थाने में लगाया गया है।

स्कूली छात्रों में विवाद, हाथ में मारा चाकूः पुलिस ने 3 को किया डिटेन, स्कूलों में निगरानी बढ़ाने की मांग

■ संजीवनी टुडे

उदयपुर। प्रतापनगर क्षेत्र के एक निजी स्कूल के बाहर एक छात्र ने दूसरे छात्र को चाकू मार दिया। मामूली विवाद में धक्का-मुक्की हुई। इसके बाद एक छात्र चाकू लेकर आया और दूसरे के हाथ में मार दिया। मामले में 3 को डिटेन किया गया है। घटना आज दोपहर करीब दो से ढाई बजे की है। मामला उदयपुर शहर के मोहनलाल सुखाड़िया विश्वविद्यालय के मुख्य गेट से कुछ ही दूरी पर स्थित एक निजी स्कूल का है। वहां पर पढ़ने वाले दो छात्रों के बीच गुरुवार को किसी बात को लेकर विवाद हो गया। बात धक्का-मुक्की में बदल गई। दोनों के बीच विवाद को लेकर एक छात्र चाकू लेकर गया और दोपहर में मौका देखकर दूसरे छात्र को चाकू मार दिया, जिससे छात्र घायल हो गया। घायल छात्र को तत्काल हॉस्पिटल ले जाया गया। सूचना पर प्रतापनगर थानाधिकारी भरत योगी स्कूल पहुंचे।

अलवर को मिली सौगातें: कौशल विकास को बढावा मिलने से सृजित होंगे रोजगार के अवसर

■ संजीवनी टुडे

अलवर। मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा द्वारा युवाओं को सरकारी नौकरियों की घोषणाओं के आलावा युवाओं का कौशल विकास कर के उन्हें रोजगार के अवसर उपलब्ध कराने के साथ रोजगार गुणवत्तायुक्त शिक्षा प्रदान करने के साथ-साथ कौशल विकास को बढावा देने के उद्देश्य से बजट अनेक सौगाते दी है, इसी कड़ी में अलवर जिले को दी गई सौगातों से कौशल विकास को बढावा मिलेगा। मुख्यमंत्री के इन सकारात्मक कदमों से युवाओं में खासा उत्साह नजर आ रहा है। मुख्यमंत्री द्वारा बजट में की गई घोषणाओं से युवाओं में उत्साह का माहौल है। बजट घोषणा के अन्तर्गत अलवर पॉलिटेक्निक महाविद्यालय में सीट क्षमता की वृद्धि होने एवं आईटीआई अलवर में थ्री डी प्रिंटिंग, इन्टरनल ऑफ थिग्स, फाइबर टू होम टेक्निशियन, मल्टीमीडिया, एनीमेशन ट्रेड प्रारम्भ होने से बडी संख्या में युवाओं को स्कील डवलपमेंट के कोर्स करने में सहूलियत होगी जिससे वे रोजगार प्राप्त कर अपने सपनों को साकार कर सकेंगे। जिला स्तर पर फोरन लेंग्वेज कम्युनिकेशन स्कील स्कीम के तहत फ्रेंच, जर्मन, स्पेनिश, जापनीज, इटेलियन, रशियन आदि भाषाओं में कोर्स कराए जाएंगे जिससे युवाओं के लिए नए रोजगार के अवसर सृजित होंगे। इसी प्रकार युवाओं में स्कील डवलपमेंट को बढाने के हेतु विद्यालयों एवं महाविद्यालयों में बिजनेस इनोवेशन प्रोग्राम चलाया जाएगा। इसी प्रकार बजट घोषणा के अन्तर्गत अलवर शहर में महिला पॉलिटेक्निक महाविद्यालय शुरू होगा जिससे बालिकाओं को तकनीकी शिक्षा प्राप्त करने के अवसर मिलेंगे। शिक्षा को गुणवत्तापूर्ण बनाने के उद्देश्य से जिला स्तर पर व अन्य चयनित शहरी निकायों में वाईफाई एनाबिल्ड लाइब्रेरी एण्ड कॉ-वर्किंग स्टेशन स्थापित होने से प्रतियोगी परिक्षाओं की तैयारी करने वाले विद्यार्थियों को अध्ययन में सहूलियत होगी। राजकीय विद्यालयों में 8वीं, 10वीं व 12वीं में मैरिट में आने वाले विद्यार्थियों को टेबलेट वितरित किए जाएंगे। राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 के अनुरूप जिला मुख्यालय पर स्थित महाविद्यालय में बीबीए कोर्स व कम्प्यूटर साइंस विषय शुरू होने से विद्यार्थी इन कोर्स के माध्यम से रोजगार अर्जित कर सकेंगे।

राजस्थान पंचायती राज एवं माध्यमिक शिक्षक संघ ने जिला कलेक्टर को दिया ज्ञापन

■ संजीवनी टुडे

रैणी(अलवर)। राजस्थान पंचायती राज एवं माध्यमिक शिक्षक संघ के बैनर तले संघ की जिला शाखा अलवर द्वारा अध्यक्ष मुकेश ईटोली के नेतृत्व में शिक्षकों की काफी समय से लंबित मांगों के लिए मुख्यमंत्री एवं मुख्य सचिव राजस्थान सरकार के नाम जिला कलेक्टर को ज्ञापन दिया गया रैणी ब्लॉक के सभाध्यक्ष हरिमोहन मीना ने बताया कि मांग पत्र में तृतीय श्रेणी शिक्षक के तबादले, चार सत्रों से लंबित पदोन्नति का मामला, अधिशेष शिक्षकों के समायोजन, गैर शैक्षणिक कार्य व ओटीएस (ओल्ड पेंशन स्कीम) को यथावत रखने आदि से संबंधित समस्या को सरकार के सामने रखा गया। इस मौके पर जिला सभा अध्यक्ष भरत सिंह गुर्जर, सुरेंद्र यादव, नरेंद्र जैन, महिपाल, केसरी सिंह (ब्लॉक अध्यक्ष रामगढ़), जगदीश जाडेला(ब्लॉक अध्यक्ष लक्ष्मणगढ़), विश्वेंद्र (ब्लॉक अध्यक्ष मालाखेड़ा), हरि मोहन(सभाध्यक्ष रैणी), धनेश, एस एस दाताराम (मीडिया प्रभारी), बबलूराम, सरिता भारती, कलावती, शीला, पूनम, सूबे सिंह(उमरैण), राजेश चौधरी, मोहनलाल, मौसम, प्रेम चंद मीना आदि ने भाग लिया। यह जानकारी जिला महामंत्री मनीष चौधरी के द्वारा दी गई।

दो दिवसीय खेल प्रतियोगिता का आयोजन

■ संजीवनी टुडे

चाकसू । यहां शुक्रवार को हॉकी के जादूगर मेजर ध्यानचंद की याद में मनाया जाने वाला राष्ट्रीय खेल दिवस पर मानव पब्लिक स्कूल द्वारा दो दिवसीय खेलकूद प्रतियोगिता का आयोजन किया गया इस प्रतियोगिता में विद्यालय की बालक - बालिकाओं ने बढ़-चढ़कर भाग लिया जिसमें क्रिकेट, कबड्डी, खो-खो, बास्केटबॉल, बैडमिंटन एवं इंडोर गेम्स में कैरम-बोर्ड, शतरंज आदि खेलों में विद्यार्थियों ने भाग लिया वही इस अवसर पर संस्थान निदेशक विकेश खोलिया पूर्व राज्य मंत्री राजस्थान सरकार ने प्रतियोगिता के समापन में सभी प्रतिभागियों को हौसले बुलंद होकर खेलने को कहा कि आगामी अंतर जिला क्रीडा प्रतियोगिता में विद्यालय के छात्र-छात्राएं अधिक से अधिक संख्या में भाग लें जिसके के सहयोग के लिए संस्था हमेशा शैक्षणिक गतिविधियों के अलावा खेलकूद गतिविधियों के लिए जो भी संसाधन की आवश्यकता होगी उसके लिए संस्था कभी पीछे नहीं हटेगी बशर्ते आप अपनी लगन और ईमानदारी के साथ खड़े होकर प्रतियोगिता में भाग लें और इसी घड़ी में खोलिया ने बताया कि राष्ट्रीय खेल दिवस पर हमारी संस्था कई वर्षों से चाकसू विधानसभा क्षेत्र में कबड्डी प्रतियोगिता का आयोजन करती आ रही है इस बार बारिश का मौसम को देखते हुए यह प्रतियोगिता केवल विद्यालय स्तर पर ही आयोजन की गई है जैसे ही मौसम खुलेगा और हर वर्ष की भांति फिर क्षेत्र के प्रतिभागियों का खेलकूद प्रतियोगिता में भाग लेने का अवसर दिया जायेगा और मानव पब्लिक स्कूल की प्राचार्य निर्मला खोलिया ने इस खेल प्रतियोगिता में भाग लेने वाली विशेष कर बालिकाओं को प्रोत्साहन किया तथा उन्होंने हर बालिकाओं को शैक्षणिक गतिविधियों के साथ-साथ अन्य गतिविधियों में सांस्कृतिक कार्यक्रम हो चाहे खेलकूद प्रतियोगिता हो या कोई भी किसी प्रकार की अन्य गतिविधि हो उसमें आगे बढ़कर भाग लेने को कहा ताकि विद्यालय की हर बालिक हर क्षेत्र में अग्रसर हो तथा प्रतियोगिता में सहयोग करने वाले सभी अध्यापक अध्यापिकाओं को धन्यवाद दिया गया है ।

सेमिनार में स्काउट गाइडों को दी विद्यार्थी जीवन में सेवा का महत्व की जानकारी

■ संजीवनी टुडे

राजगढ़(अलवर)। शुक्रवार को राजकीय महाविद्यालय राजगढ़ में रोवर रेंजर स्काउट गाइड हेतु विद्यार्थी जीवन में सेवा का महत्व विषय पर प्राचार्य डॉ. के एल मीणा की अध्यक्षता में एक दिवसीय सेमिनार का आयोजन किया गया। रोवर लीडर प्रो. गजेंद्र कुमार महावर ने कार्यक्रम की रूपरेखा प्रस्तुत करते हुए प्रतिवेदन प्रस्तुत किया। कार्यक्रम के मुख्य वक्ता राम प्रताप शर्मा स्थानीय संघ स्काउट सचिव ने कहा कि विद्यार्थी स्काउटिंग से जुड़कर सेवा कार्य कर समाज में अपना योगदान देकर अपना दायित्व निभा सकते हैं। शर्मा ने स्काउट गाइड के कॉलेज स्तरीय रोवर रेंजर के कार्यक्षेत्र, कोर्सेज, प्रमाण पत्र, बैज आदि के महत्व को विस्तार से बतलाया। रोवर रेंजरिंग को कैरियर हेतु उपयोगी बताते हुए उन्होंने खेल, पुलिस, रेलवे, सैन्य बल तथा अन्य सिविल सर्विसेज में कोटे से रोजगार के अवसरों पर चर्चा की। इस दौरान उत्कृष्ट सेवा करने वाले रोवर रेंजर को प्राचार्य तथा अतिथियों द्वारा प्रमाण पत्र देकर सम्मानित किया गया। महाविद्यालय के रोवर रेंजर द्वारा खाटू श्याम मेले, जगन्नाथ जी के मेले, गणेश पोल मेले सहित विभिन्न सार्वजनिक आयोजनों में सेवा कार्यों की सराहना की। प्राचार्य डॉक्टर के एल मीणा ने सभी छात्रों से स्काउटिंग में अधिकाधिक भाग लेकर सेवा कार्य करने की अपील की। इस अवसर पर रेंजर लीडर प्रो.चित्रा मीना, प्रो. पी.सी. मीना, प्रो. देशराज वर्मा, प्रो. आंचल मीना, प्रो. सुमेर सिंह बैरवा, प्रो. शिव शर्मा, प्रो. योगेंद्र सेहारा, प्रो. कपिल देव कुंण्डरा सहित विद्यार्थी उपस्थित रहे। कार्यक्रम का संचालन प्रो. गजेंद्र कुमार महावर ने किया।

निजी बस और थार गाड़ी में टक्कर, कार सवार व्यक्ति की मौत

■ संजीवनी टुडे

चाकसू । यहां शिवदासपुरा थाना इलाके के हाईवे 52 स्थित पेट्रोल पंप के पास 2 सड़क हादसे हुए है । वहीं पहले सड़क हादसे में एक जने की मौत हो गई और जबकि दूसरे हादसे में आधा दर्जन सवारियों को चोट आई है। वहीं सूचना पर पहुंची पुलिस ने घटना की जानकारी ली गई और शव को मोर्चरी में रखवाया और जानकारी के मुताबिक यहां निजी बस और थार जीप में टक्कर हो गई टक्कर इतनी तेज हुई थी कि टक्कर के बाद जीप सड़क पर पलट गई हादसे में जीप चालक उसमे फंस गया इस दौरान मौके पर ग्रामीणों की भीड़ लग गई। वहीं थाना प्रभारी रणजीत सिंह ने बताया कि थार जीप सवार व्यक्ति बाबूलाल सैनी चाकसू के गांव चांवड़िया का रहने वाला हैं । और जिसकी इस हादसे में मौत हो गई वहीं इस दौरान भीड़ के चलते एक अन्य रोडवेज बस चालक ने ब्रेक लगाए तो पीछे से आ रहा ट्रक बस से जा टकराया हादसे में बस में सवार आधा दर्जन यात्रियों को हल्की फुलकी चोट आई हैं।

वहीं दुर्घटना के बाद कुछ देर यहां यातायात भी बाधित रहा सूचना पर पुलिस मौके पर पहुंची और जीप में फंसे घायल को अस्पताल को पहुंचाया जहां चिकित्सकों ने उसे मृत घोषित कर दिया गया है । और पुलिस ने क्षतिग्रस्त वाहनों को टोल क्रेन से हटवा कर साइड में करवाकर यातायात सुचारू रूप से चालू करवाया? और वही फिलहाल पुलिस मामले की जांच कर रही है। वहीं पुलिस में पोस्टमार्टम की कार्रवाई करवाकर शव को उनके परिजनों को सुपुर्द किया गया है । दोनों वाहनों को पुलिस ने जप्त कर लिया गया है ।

उज्जैन हरसिद्धी मन्दिर के पिछे बुजुर्ग की हत्या तथा लुट के मामले में 1 आरोपी गिरफ्तार, 1 नाबालिग डिटेन

■ संजीवनी टुडे

चित्तौड़गढ़। सदर निंबाहेड़ा थाना पुलिस ने नाकाबंदी के दौरान उज्जैन हरसिद्धी मन्दिर के पिछे बुजुर्ग की हत्या तथा लुट के मामले मे 1 आरोपी को गिरफ्तार करते हुए 1 नाबालिग को डिटेन किया गया। जिला पुलिस अधीक्षक श्री सुधीर जोशी ने बताया कि अपराधियों की धर पकड़ हेतु चलाये जा रहे अभियान के तहत अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक श्री पर्बत सिंह, वृताधिकारी बद्रीलाल राव वृत निम्बाहेड़ा के सुपरवीजन में दिनांक 30.08.2024 को थानाधिकारी संजय शर्मा के निर्देशन में श्री सुन्दरपाल सउनि मय जाप्ता द्वारा वण्डर चौराया पर नाकाबन्दी की जा रही थी दौराने नाकाबन्दी नीमच की तरफ से एक एम. पी. पासिंग स्वीफट डिजायर कार आती हुई दिखाई दी जिसे चैक करने हेतु सउनि सुन्दरपाल मय जाब्ता द्वारा बावर्दी हाथ का ईशारा किया तो स्वीफट डिजायर कार के चालक द्वारा कार को रोका कार के अन्दर चालक सहित तीन व्यक्ति सवार थे चालक के अलावा बैठे दोनो व्यक्तियों की गतिविधी सदिग्ध प्रतीत हुई जिस पर उन दोनो को कार से निचे उतार कर नाम पता पुछा तो एक ने अपना नाम दिलखुश पिता रामेश्वर जाति प्रजापत निवासी कंकोलिया थाना बनेडा जिला भीलवाडा होना बताया जिनको मन सउनि द्वारा तसल्ली देकर पुछा तो बताया कि हरसिद्धी मन्दिर के पिछे बडा रामद्वारा में दादी के घर से रूपये व सोने चांदी के जेवरात चोरी करके लाये है जिसकी दादी को पता नही है उक्त पर दोनो व्यक्तियों पर शंका और गहरा गई तत्पश्चात हर दोनो को डिटेन कर थाने लाकर गहनता से पुछताछ की तो ज्ञात आया कि उज्जैन में हरसिद्धी मन्दिर के पिछे इन व्यक्तियों की दादी के परिचित व्यक्ति मोहनलाल शर्मा रिटार्यड नगर निगम उज्जैन कर्मचारी की रात को घर में घुसकर सोते हुवे का गला दबाकर सर में इमाम दस्ते से गंभीर चोट पहुंचा मौके पर ही हत्या कारित कर दी है।

टीएडी मंत्री खराड़ी ने उदयपुर संभाग मुख्यालय पर की जनसुनवाई, त्वरित समाधान के दिए निर्देश

■ संजीवनी टुडे

उदयपुर। जनजाति अंचल की जनसमस्याओं के प्रभावी व त्वरित निस्तारण की दिशा में पहल करते हुए प्रदेश के जनजाति क्षेत्रीय विकास मंत्री श्री बाबूलाल खराड़ी ने शुक्रवार को उदयपुर संभाग मुख्यालय पर जनसुनवाई की। इस अवसर पर विभिन्न समस्याएं लेकर आए परिवादियों को पास बैठाकर उनकी बात को सुना और मौके पर उपस्थित संबंधित विभागीय अधिकारियों को इन परिवादियों की समस्याओं के त्वरित समाधान के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि मुख्यमंत्री श्री भजनलाल शर्मा के नेतृत्व वाली इस सरकार में हर वर्ग को ध्यान में रखते हुए विकास की विभिन्न योजनाओं व कार्यक्रमों का संचालन किया जा रहा है। हमारे सुशासन में संचालित इन योजनाओं का हर व्यक्ति को सुलभ हो इसके लिए सभी को मिलकर प्रयास करने होंगे।

यूआईटी के पूर्व अध्यक्ष रवीन्द्र श्रीमाली और समाजसेवी डॉ. चंद्रगुप्तसिंह चौहान की मौजूदगी में आयोजित जनसुनवाई में उन्होंने बिजली, पानी और सड़कों जैसी मूलभूत सुविधाओं से जुड़ी समस्याओं के प्राथमिकता से निस्तारण करते हुए परिवादियों को राहत प्रदान करने के निर्देश दिए। मंत्री खराड़ी ने कहा कि हमारे संभाग का अधिकांश क्षेत्र ग्रामीण अंचल में है और शहर से लेकर गांवों तक हरसंभव सुविधाएं लोगों को मिले इसके लिए सरकारी तंत्र को प्रभावी प्रयास करने होंगे। उन्होंने अतिक्रमण से जुड़ी समस्याओं में संबंधित विभाग को उचित कार्यवाही करते हुए लोगों को राहत प्रदान करने की बात कही। मंत्री खराड़ी ने विभिन्न विद्यालयों, छात्रावासों एवं अन्य संस्थाओं में बारिश के दौरान उत्पन्न समस्याओं के संबंध में संबंधित विभाग के चर्चा करते हुए इसके उचित समाधान के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि दूरस्थ ग्रामीण अंचल में अध्ययन करने पहुंच रहे विद्यार्थियों को किसी प्रकार की परेशानी न हो और उन्हें सरकार की समस्त योजनाओं का पूरा-पूरा लाभ मिले, इस दिशा में इनका विशेष ध्यान रखें। उन्होंने जनसुनवाई में मौजूद अधिकारियों को ग्रामीण क्षेत्रों में राजकीय योजनाओं के प्रभावी क्रियान्वयन के लिए योजना बनाकर कार्य करने की बात कही ।

राजगढ़ तालुका विधिक सेवा समिति अध्यक्ष ने किया पौधारोपण

■ संजीवनी टुडे

राजगढ़(अलवर) । तालुका विधिक सेवा समिति की ओर से नगर पालिका मैदान पर एक पेड़ मां के नाम अभियान के तहत अपर जिला एवं सत्र न्यायाधीश पंकज बंसल और अन्य अधिकारियों ने वृक्षारोपण किया। राजस्थान राज्य विधिक सेवा प्राधिकरण, जयपुर एवं जिला विधिक सेवा प्राधिकरण, अलवर के निर्देशन में इस कार्यक्रम का आयोजन किया गया। तालुका विधिक सेवा समिति के अध्यक्ष पंकज बंसल ने इस दौरान वृक्षारोपण के महत्व पर प्रकाश डाला। एक पेड़ मां के नाम अभियान के तहत आयोजित पौधारोपण कार्यक्रम में अधिकारियों और कर्मचारियों ने वृक्षारोपण किया। कार्यक्रम के दौरान न्यायिक अधिकारी नवीन कुमार झरवाल, रचना मीना, शांतनु सिंह, हर्षित शर्मा और समस्त न्यायिक कर्मचारी रामकिशन सैनी, दिनेश सैनी, नारायण लाल, रतन लाल, अभिनंदन, सुरेंद्र गुर्जर और अन्य कर्मचारी उपस्थित रहे। उन्होंने पौधे लगाए और 'एक पेड़ मां के नाम' अभियान का सफल आयोजन कर पर्यावरण संरक्षण के बारे में आम जनता को जागरूक किया। इस अवसर पर पैरा लीगल वॉलंटियर शिवकांत शर्मा ने नालसा की जन कल्याणकारी योजनाओं के बारे में जानकारी दी।

रिलायंस की ऑनलाइन एजीएम से कनेक्ट हुए रिकॉर्ड 5.52 लाख लोग

■ संजीवनी टुडे

नई दिल्ली। अरबपति मुकेश अंबानी की कंपनी रिलायंस इंडस्ट्रीज की ऑनलाइन वार्षिक आम बैठक में 5.52 लाख से अधिक शेयरधारकों व अन्य लोगों ने हिस्सा लिया। बड़ी संख्या में एजीएम में शामिल होकर शेयरधारकों ने पिछले सभी रिकॉर्ड ध्वस्त कर दिए। पिछला रिकॉर्ड 2023 में हुई एजीएम का था, जिसमें करीब 4.30 लाख लोगों ने हिस्सा लिया था। 2022 में यह संख्या 3.90 लाख रही थी। कोविड महामारी के समय से ही कंपनी वर्चुअल एजीएम करती आ रही है। लाखों की तादाद में शेयरधारक घर बैठे कंपनी की आमसभा में भाग ले सकें, इसके लिए कंपनी ने कई बड़े तकनीकी इंतजाम किए थे। वीडियो कॉलिंग ऐप 'जियोमीट' पर हुई कंपनी की एजीएम में मूक बधिरों के लिए भी विशेष व्यवस्था की गई थी। रिलायंस इंडस्ट्रीज के प्रवक्ता ने कहा कि अधिक से अधिक शेयरधारकों का एजीएम में शामिल होना, कंपनी में शेयरधारकों के विश्वास को दिखाता है। 5.52 लाख से अधिक लोगों का जियोमीट पर जुड़ना एक बड़ी उपलब्धि है।

दुनिया के अच्छे शहरों में शामिल उदयपुर में सड़कें बेहाल, बारिश में सड़कों पर गड्ढे

■ संजीवनी टुडे

उदयपुर।बारिश के मौसम में लेकसिटी की सड़कें उधड़ चुकी हैं। लगातार बारिश से शहर की सड़कों पर गहरे खड्डे हो चुके हैं। खड्डों में पानी भरने से वाहन चालक हादसे का शिकार हो रहे हैं। कई बार उछलकर गिर जाते हैं। खड्डे हर साल सड़क रिपेयर करने वाले नगर निगम इंजीनियर की पोल खोल रहे हैं। ये हालात तब है, जब ट्रैवल प्लस लीजर मैग्जीन की ओर से उदयपुर को लगातार दूसरी बार दुनिया के सर्वश्रेष्ठ शहरों में दूसरा शहर चुना गया है। ऐसे में लोग सवाल उठा रहे हैं कि दुनिया के सर्वश्रेष्ठ शहर में सड़कों की ऐसी दुर्दशा क्यों हो रही है। ट्रेवल प्लस लीजर मैग्जीन ने साल 2024 के रीडर्स च्वॉइस अवॉर्ड के तहत उदयपुर को इसकी खूबसूरती और हेरिटेज की वजह से दुनिया के सर्वश्रेष्ठ शहरों में दूसरा स्थान दिया है। उदयपुर एशिया में नंबर वन और देश में इकलौता शहर रहा। टॉप 10 शहरों में मैक्सिको का सैन मिगुएल डी आलेंडे पहला और जापान का क्योटो शहर तीसरे नंबर पर रहा। इससे पहले भी साल 2023 में उदयपुर को दुनिया का दूसरा सबसे फ़ेवरेट शहर चुना गया था। शहर के कुम्हारों का भट्टा चौराहा से दुर्गा नर्सरी रोड पर टर्न लेते वक्त सड़क पर गहरे खड्डे हो गए हैं। इसी तरह पटेल सर्कल से सिटी रेलवे स्टेशन के बीच रोड पर और सरस डेयरी के सामने बीच रोड पर गहरे खड्डे हो गए हैं। यही हाल गोवर्धन विलास पुलिस थाने के सामने वाले रोड और यूनिवर्सिटी रोड का है जहां भी बीच सड़क पर खड़े बने हैं।

लूट की 6 वारदात करने वाले तीन बदमाश गिरफ्तारः 4 मोबाइल, अवैध चाकू, बाइक और ऑटो बरामद

■ संजीवनी टुडे

उदयपुर। गोवर्धन विलास थाना पुलिस ने शहर में लूट करने वाली शातिर गैंग के तीन आरोपियों को गिरफ्तार किया है। आरोपियों से विभिन्न थाना क्षेत्रों में हुई लूट की 6 वारदातों का खुलासा हुआ है। इनके कब्जे से लूटे हुए 4 मोबाइल, अवैध चाकू और घटना में उपयोग ली गई बाइक और ऑटो बरामद किया है। थानाधिकारी भवानी सिंह राजावत ने बताया- आरोपी सोयेल खान उर्फ पोया दक्षिण विस्तार योजना पंडित दीनदयाल नगर के एक फ्लैट में छिपकर रह रहा था। सूचना पर पुलिस मौके पर पहुंची और एक-एक फ्लैट चेक किए तो आरोपी को डिटेन किया। पूछताछ के दौरान आरोपी ने पुलिस को गुमराह करने का प्रयास किया। सख्ती से पूछताछ करने पर आरोपी ने साथी पीयूष पमनानी उर्फ फियुज उर्फ बाबू और अल्ताफ उर्फ अल्तू के साथ मिलकर बीते दिनों शहर में कुल 6 लूट की वारदातें करना स्वीकार किया। थानाधिकारी ने बताया थाना क्षेत्र के जोगी तालाब में 17 अगस्त 2024 को राहगीर के साथ चाकू की नोक पर लूट की वारदात को अंजाम दिया था। इसी तरह 20 अगस्त 2024 को बलीचा स्थित बीजेपी ऑफिस के पास राहगीर के साथ चाकू दिखाकर लूट की थी। इसके अलावा सवीना स्थित सीए सर्कल के पास भी राहगीर के साथ मारपीट कर लूट की थी। इसी तरह गिरीजा व्यास पेट्रोल पंप पर ट्रक चालक के साथ मारपीट कर लूट और ट्रांसपोर्ट नगर पावर हाउस से एक व्यक्ति को चाकू दिखाकर फोन छीनने की घटना को अंजाम दिया था। तीनों आरोपी बदमाश प्रवृत्ति के हैं और सभी ने एक गैंग के रूप में रात के समय वाहन अकेले वाहन चालकों और राहगीरों के साथ चाकू दिखाकर मारपीट करते। फिर लूट की घटना को अंजाम देते। लूट के पैसे मौज-शौक और नशे करने में उड़ाते थे।

खबरें फटाफट

केन्द्रीय सामाजिक न्याय एवं अधिकारिता मंत्री का उदयपुर होकर माउंट आबू प्रस्थान

संजीवनी टुडे

उदयपुर। भारत सरकार के सामाजिक न्याय एवं अधिकारिता मंत्री डॉ वीरेंद्र कुमार शुक्रवार की दोपहर में वायुयान से उदयपुर पहुंचे और यहां से सड़क मार्ग से सिरोही माउंट आबू के लिए प्रस्थान किया। केंद्रीय मंत्री वीरेन्द्र कुमार शनिवार 31 अगस्त को दोपहर 2 बजे पुनः सड़क मार्ग से उदयपुर पहुंचकर अपराह्न 3 बजे वायुयान से नई दिल्ली के लिए प्रस्थान कर जाएंगे।

राष्ट्रीय खेल दिवसः मेजर ध्यानचंद स्टेडियम दिल्ली में कुलदीप सिंह राव का सम्मान

संजीवनी टुडे

उदयपुर। हॉकी के जादूगर ख्यातनाम खिलाड़ी मेजर ध्यानचंद की जयंती के उपलक्ष्य में राष्ट्रीय खेल दिवस के अवसर पर दिल्ली के मेजर ध्यानचंद स्टेडियम में आयोजित कार्यक्रम में उदयपुर के अंतर्राष्ट्रीय टेनिस बॉल क्रिकेट खिलाड़ी कुलदीप सिंह राव को सम्मानित किया गया। इस कार्यक्रम में कई प्रतिष्ठित हस्तियों की उपस्थिति देखी गई, जिनमें सांसद और पूर्व क्रिकेटर मनोज तिवारी, भारतीय क्रिकेट टीम के पूर्व विकेटकीपर सुरिंदर खन्ना, और पद्म श्री हरविंदर सिंह चिमनी शामिल थे। मेजर ध्यानचंद के पोते गौरव ध्यानचंद भी इस कार्यक्रम में उपस्थित थे और अपने दादा की विरासत को सम्मानित किया। कुलदीप सिंह राव को खेलों में उनकी असाधारण उपलब्धियों और विभिन्न स्तरों पर खेलों को बढ़ावा देने में उनके महत्वपूर्ण योगदान के लिए सम्मानित किया गया। राव ने इस सम्मान के लिए आभार व्यक्त करते हुए अपनी सफलता को अपने गुरुओं और खेल समुदाय को समर्पित किया। इस कार्यक्रम ने भारतीय खेलों में उनकी प्रेरणादायक भूमिका को उजागर किया, विशेषकर उस महत्वपूर्ण दिन पर जब पूरे देश में खेल भावना का जश्न मनाया जाता है।

कलाल को आरएसएमएम एमडी का चार्ज

संजीवनी टुडे

उदयपुर। संभागीय आयुक्त श्री राजेंद्र भट्ट के सेवानिवृत्त होने पर कार्मिक विभाग ने एक आदेश जारी कर टीएडी आयुक्त सुश्री प्रज्ञा केवलरमानी को उदयपुर संभागीय आयुक्त का अतिरिक्त कार्यभार सौंपा है। साथ ही खान एवं भूविज्ञान विभाग के निदेशक भगवतीप्रसाद कलाल को राजस्थान स्टेट माईंस एण्ड मिनरल लिमिटेड के प्रबंध निदेशक की भी जिम्मेदारी सौंपी है।

बछड़े वाली गौ माता की पूजा कर, पुत्र को दिया श्रीफल भेंट

संजीवनी टुडे

कानोड़। भींडर उपखंड मुख्यालय सहित आस-पास के गांवों में बछ बारस का पर्व पर महिलाओं ने प्रातः सज धज कर बछड़े वाली गाय की पूजा करते हुए पुत्र की लंबी उम्र की कामना को लेकर उसे श्रीफल भेंट किया । इस दिन महिलाओं ने चाकू से कटे किसी भी व्यंजन का उपयोग नहीं किया । वही गौ माता की पूजा के बाद बड़े बुजुर्गों के चरण छूकर आशीर्वाद लिया । बताते हैं कि वत्स द्वादशी वंश वृद्धि एवं संतान की सुरक्षा की कामना हेतु मनाया जाने वाला महान अहिंसा पर्व है, माघ माह कृष्णपक्ष की द्वादशी के दिन कटा हुआ जीव जंतु तो दूर चाकू, छूरी से कटे हुए फल, हरी सब्जियां प्याज, लहसुन एवं घर्षण युक्त दालें भी नहीं खाते हैं। वही संतान की सुरक्षा एवं संरक्षा हेतु गाय का घी दूध, दही, छाछ खाना भी भी वर्जित होता है । मां यह तप संतान के सुखद भविष्य, आरोग्य जीवन, विपत्ति मुक्त दीर्घायु, सुखी एवं संपत्तिवान बनने हेतु करती है ।

दिव्यांजन परीक्षण शिविर 2 सितंबर से

संजीवनी टुडे

सलूंबर। सामाजिक न्याय एवं अधिकारिता विभाग द्वारा दिव्यांगजनों को एडिप योजना के तहत परीक्षण शिविर आयोजित किया जाएगा। सामाजिक न्याय एवं अधिकारिता विभाग द्वारा दिव्यांगजन एडिप योजना का लाभ लेने के लिये दिव्यांजन जिनको शारीरिक अक्षमता की पूर्ति के लिये उपकरण की आवश्यकता है तथा जिन्हे पिछले तीन साल तक किसी भी प्रकार के उपकरण का लाभ विभाग द्वारा नही मिला है, वे सभी दिव्यांजन 2 सितंबर से 7 सितंबर तक जिले के विभिन्न ब्लॉक में लगने वाले शिविर में अपना परीक्षण करा कर पंजीयन करा सकेंगे। 2 सितंबर सलूंबर,3 सितंबर झल्लारा, 4 सितंबर लसाडिया, 5 सितंबर सराडा,6 सितंबर सेमारी,7 सितंबर जयसमंद में शिविर आयोजित किए जाएंगे और समस्त पंचायत समिति के विकास अधिकारीयो को शिविर प्रभारी बनाया गया है।

हमारी प्राथमिकता-गरीब के घर तक पहुंचे शुद्ध पेयजल, बिजली और सड़कः खराड़ी

जनजाति क्षेत्रीय विकास मंत्री बाबूलालजी खराड़ी ने की प्रेसवार्ता, हमारा उद्देश्य -देश सबसे पहले, हमने राष्ट्रहित में कई बड़े काम किये

संजीवनी टुडे

उदयपुर। प्रदेश के जनजाति क्षेत्रीय विकास मंत्री श्री बाबूलाल खराड़ी ने कहा कि हमारा उद्देश्य -देश सबसे पहले है, प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में केन्द्र सरकार ने राष्ट्रहित में कई बड़े काम किये है इनमें राममंदिर निर्माण, धारा 370 हटाने जैसे कई काम शामिल है। मंत्री खराड़ी ने कहा कि मुख्यमंत्री श्री भजनलाल शर्मा के नेतृत्व में राज्य सरकार पूरी संवेदनशीलता के साथ कार्य कर रही है। गरीब के घर तक शुद्ध पेयजल, बिजली और सड़क समय पर पहुंचे, यहीं हमारी प्राथमिकता है। जनजाति क्षेत्रीय विकास विभाग भी इस दिशा में पूरी लगन से जुटा हुआ है। केबिनेट मंत्री श्री खराड़ी शुक्रवार को शहर के पारसमहल में प्रेसवार्ता को संबोधित कर रहे थे। उन्होंने कहा कि मीडिया पर आम जनता का भी भरोसा है और सरकार का भी, वे समग्र लोकहित से जुड़ी हर छोटी-बड़ी चीजों को बड़ी बारीकी के साथ सामने लाते हैं। उन्होंने विभिन्न समसामयिक विषयों पर चर्चा करते हुए कहा कि डिलिस्टिंग जरूरी है क्योंकि इससे दोहरा लाभ न मिल पाएगा।

इसी प्रकार उन्होंने ग्रामीण क्षेत्रों के स्कूलों, आंगनवाड़ी केन्द्रों की क्षतिग्रस्त हालात को सुधारने की दिशा में सीएसआर, डीएमएफटी आदि मदों का उपयोग करने की भी प्रतिबद्धता जताई और कहा कि सरकार की मंशा है कि जनजाति अंचल में समस्त साधन सुविधाओं और विकास योजनाओं का पूरा-पूरा लाभ मिले। मंत्री खराड़ी ने कहा कि अंत्योदय ही सरकार का सपना है और इसके लिए सरकार प्रभावी कार्य कर रही है। उन्होंने कहा कि हमने जो कहा-वो किया है, हर वर्ग को साधते हुए विकास के कई आयाम स्थापित किये है और जनहित को ध्यान में रखते कई बड़े फैसले लिए है। पहली केबिनेट बैठक में

गैस सिलेंडर को सस्ता कर महिलाओं को राहत प्रदान की। धरती पुत्र के सम्मान को ध्यान में रखते हुए किसान सम्मान निधि को क्रमवार दुगुना करने के प्रयास किये जा रहे है। लोकतंत्र की प्रमाणिकता के लिए मीडिया की आवश्यकता महत्ती है। हमारा स्वप्न अंतिम किनारे पर बैठे व्यक्ति का उदय करना है। हम जो कहते हैं वह करते हैं बल्कि उससे ज्यादा करते हैं। खराड़ी ने कहा कि मुख्यमंत्री श्री भजनलाल सरकार के नेतृत्व में राज्य सरकार के बजट की विपक्षी दलों ने भी तारीफ की है। मेवाड़ क्षेत्र की विशेष आस्था के केंद्र कमलनाथ महादेव को विकसित करने का बीड़ा हमारी सरकार ने उठाया है। महाराणा प्रताप सर्किट बनाकर कई स्थानों का विकास कर रहे है। उन्होंने कहा कि बांसवाड़ा-डूंगरपुर के जनजाति महानायकों से संबंधित स्थानों का भी विकास किया जाएगा। उन्होंने गोविंद गुरु, संत मावजी, डूंगर बरंडा, बांसिया चरपोटा, नानाभाई, कालीबाई आदि का स्मरण भी किया। उन्होंने कहा कि देश में पेयजल की बड़ी समस्या को देखते हुए केंद्र की हमारी सरकार ने जल जीवन मिशन की शुरुआत की। प्रधानमंत्री जी का सपना है कि वर्ष 2047 तक भारत विकसित राष्ट्र बनें और दुनिया की सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था बनें। आरंभ में समाजसेवी रवीन्द्र श्रीमाली तथा डॉ. चंद्रगुप्तसिंह चौहान ने टीएडी मंत्री खराड़ी की कार्यशैली की सराहना की वहीं सांसद डॉ. मन्नालाल रावत ने सकारात्मक भाव के साथ कार्य करते हुए देश को परम वैभव तक पहुंचाने के लिए समन्वित प्रयास करने का आह्वान किया। पूर्व विधानसभा अध्यक्ष शांतिलाल चपलोत ने छोटे-छोटे उद्योगों के माध्यम से जनजाति अंचल के युवाओं को रोजगार से जोड़ने का आह्वान किया। जिला प्रमुख ममता कुंवर ने मोदी के विकसित भारत के सपने को साकार करने के लिए प्रयास करने की प्रतिबद्धता जताई। इस अवसर पर सांसद डॉ. मन्नालाल रावत, राज्यसभा सांसद चुन्नीलाल गरासिया, पूर्व विधानसभा अध्यक्ष शांतिलाल चपलोत, समाजसेवी रविंद्र श्रीमाली, डॉ. चंद्रगुप्त सिंह चौहान व प्रमोद सामर, जिला प्रमुख ममता कुंवर, उप जिला प्रमुख पुष्कर तेली, उप महापौर पारस सिंघवी, पूर्व विधायक धर्मनारायण जोशी, नानालाल अहारी, वंदना मीणा व दलीचंद डांगी, समाजसेवी ललित सिंह सिसोदिया, चंचल अग्रवाल, दर्शन शर्मा, भंवरसिंह पंवार, विजय विप्लवी, पूर्व उप जिला प्रमुख सुंदरलाल भाणावत, दीपक बोलिया सहित बडत्री संख्या में प्रबुद्धजन मौजूद रहे।

उदयपुर में मौसमी बीमारियों की रोकथाम को लेकर प्रशासन अलर्ट, कलक्टर के निर्देश पर गिर्वा एसडीएम ने किया एंटी लार्वा गतिविधियों का निरीक्षण

संजीवनी टुडे

चिकित्सा विभाग की टीमों को दिए निर्देश

उदयपुर। वर्षा ऋतु में मौसमी बीमारियों के संभावित प्रकोप के मद्देनजर जिला प्रशासन अलर्ट मोड पर है। जिला कलक्टर अरविन्द पोसवाल ने शुक्रवार को चिकित्सा विभाग के अधिकारियों को एंटी लार्वा एक्टिविटी को तेजी देने तथा आमजन को जागरूक करने के निर्देश दिए। वहीं सभी उपखण्ड अधिकारियों को भी मोनिटरिंग के लिए निर्देशित किया। इसी क्रम में गिर्वा एसडीएम रिया डाबी ने शहर के मौसमी बीमारियों की दृष्टि से संवेदनशील क्षेत्रों का दौरा कर एंटी लार्वा गतिविधियों का निरीक्षण किया। सीएमएचओ डॉ शंकर एच बामणिया ने बताया कि एसडीएम ने डिप्टी सीएमएचओ डॉ अंकित जैन, यूपीएम वैभव सरोहा और आईडीएसपी की टीम के साथ जगदीश चौक क्षेत्र में घर-घर जाकर निरीक्षण किया। डेंगू रोगियों से मुलाकात की। क्षेत्र में लोगों को बचाव के लिए जागरूक किया। सोर्स रिडक्शन, एंटी लार्वा और एंटी एडल्ट एक्टिविटी का भौतिक सत्यापन किया। लोगों को जागरूक करने हेतु आईईसी के

माध्यम से प्रचार प्रसार करने के निर्देश दिए।

घरों और आसपास पानी जमा नहीं होने दें

निरीक्षण के दौरान एसडीएम डाबी सहित चिकित्सा टीम ने आमजन को जागरूक करते हुए घरों और आसपास पानी जमा नहीं होने देने का आग्रह किया। लोगों ने घरों में पानी की टंकी, कुलर और परिंडो को नियमित अंतराल में खाली कर सुखाकर दोबारा उपयोग करने, मटके, गमले आदि में रखने की ट्रै, फ्रिज की ट्रे को खाली रखने, पुराने टायर, घरों में रखे ऐसे सामान जिसमें पानी इकट्ठा हो रहा है उन्हें तुरंत हटाने तथा घरों के बाहर पशुओं को पानी के लिए रखी टंकियां साफ कर उनका पानी रोज बदलते रहने का आग्रह किया। चिकित्सा टीमों को नालियों में और जहां पानी इकट्ठा होता है वहां जले हुए तेल का छिड़काव करने के निर्देश दिए। डॉ अंकित जैन ने स्वास्थ्य कर्मियों को प्रतिदिन की गयी गतिविधियों को ओडीके एप पर आन लाइन कर उच्च अधिकारियों को रिपोर्ट देने के लिए पाबंद किया। वहीं आमजन से कहीं कोई कमी पाई जाने पर मरुधरा एप पर सूचित कर सकने की जानकारी दी।

डीएसबी तथा बेंगू थाना पुलिस की अवैध डोडा चूरा के विरूद्ध बड़ी कार्यवाही, 2 क्विंटल से अधिक डोडाचूरा जब्त

संजीवनी टुडे

चित्तौडगढ। जिला विशेष शाखा टीम व थाना बेंगू पुलिस जाब्ता द्वारा दिनांक 29.08.2024 को अवैध डोडा परिवहन के विरूद्ध कार्यवाही करते हुवे बेंगू थाना क्षेत्र में 12 प्लास्टिक कट्टों में कुल 202.720 किलोग्राम मय वारदान परिवहन करते हुए जब्त किया गया । जिला पुलिस अधीक्षक श्री सुधीर जोशी ने बताया कि जिले में लोकल स्पेशल एक्ट की कार्यवाही हेतु विशेष अभियान चलाया जा रहा हैं। उक्त अभियान के तहतजिला विशेष शाखा टीम के प्रभारी श्री जोधाराम पु.नि. मय टीम को जरिये मुखबीर सूचना मिली कि थाना बेंगू क्षेत्र में अवैध डोडा चुरा का परिवहन किया जा रहा हैं। उक्त मुखबीर की सूचना विश्वसनीय होने पर जिला विशेष शाखा प्रभारी ने तत्काल उच्चाधिकारियों को अवगत कराते हुवे आवश्यक दिशा निर्देश प्राप्त कर उक्त सूचना थाना बेंगू पर दी गई, जिस पर थानाधिकारी बेंगू मय पुलिस जाब्ता कानि हैडकानि भगवानलाल, कानि. मनोहर, प्रकाश,

राधेश्याम, राजेन्द्र, राधेश्याम मय जीप सरकारी मय चालक के बेंगू से रवाना हो गस्त करता हुआ पाछुदा पहुंचा जहां जरिये मुखबीर सूचना मिली कि एक व्यक्ति ट्रेक्टर के टीलर पर डोडाचूरा के कट्टे रखकर गणेशपुरा से मड़ावदा की तरफ जा रहा हैं। उक्त सूचना विश्वसनीय होने से गणेशपुरा गांव से मडावदा की रोड़ पर पहुंचा जहां एक ट्रेक्टर चालक ट्रेक्टर को कच्चे रास्ते में खड़ा करके लाईट बंद कर अंधेरा का फायदा उठाकर खेतों की तरफ भाग गया। ट्रेक्टर के टीलर पर रखे कट्टो की तलाशी ली तो कट्टों के अन्दर अधकुचला अवैध डोडा चुरा भरा होना पाया गया। ट्रेक्टर के टीलर पर रखे सभी कुल 12 प्लास्टिक क?ट्टों में अवैध अधकुचला डोडा चुरा भरा हुआ पाया, जिनका कुल वजन कुल 202.720 किलोग्राम मय वारदान होना पाया गया। ट्रेक्टर की तलाशी के दौरान उक्त अवैध अधकुचला डोडा चुरा परिवहन हेतु कोई अनुज्ञापत्र या लाईसेंस नहीं होना पाया। ट्रेक्टर के टीलर पर कुल 12 प्लास्टिक क?ट्टों में कुल 202.720 किलोग्राम अवैध अधकुचला डोडा चुरा के संबंध में थाना बेंगू पर प्रकरण दर्ज कर अनुसंधान जारी हैं।

हिंदी साहित्य सांसद चूरु की ओर से दो प्रतिष्ठित पुरस्कारों की घोषणा

संजीवनी टुडे

उदयपुर की आशा व जयपुर के लोकेश को मिलेगा पुरस्कार

उदयपुर। हिंदी साहित्य सांसद चूरु ने साहित्य सृजन के क्षेत्र में उल्लेखनीय योगदान के लिए अपने दो प्रतिष्ठित पुरस्कारों की घोषणा की। हिंदी साहित्य सांसद के अध्यक्ष और जाने-माने साहित्यकार बनवारी शर्मा ख़ामोश चुरुवी ने बताया वर्ष 2024 का जन कवि प्रदीप शर्मा साहित्य सम्मान एम पुरस्कार उदयपुर की लब्ध, प्रतिष्ठित साहित्यकार आशा पाण्डेय ओझा 'आशा' को और रामदेवी भागीरथ प्रसाद मरदा स्मृति कोष सम्मान एवं पुरस्कार जयपुर निवासी श्री लोकेश कुमार सिंह साहिल को प्रदान किया जाएगा। दोनों सम्मान संस्था द्वारा इस वर्ष 14 सितंबर हिंदी दिवस पर चूरू में आयोजित समारोह में प्रदान किए जाएंगे। पुरस्कारों में प्रत्येक में 11000 नगद राशि, श्रीफल, पदक सम्मान-पत्र, स्मृति-चिन्ह तथा साल आदि अर्पित किए जाते हैं।

दोनों साहित्यकार नमचीन लेखक, कवि और सामाजिक, साहित्यिक चिंतक के रूप में ख्यात हैं। कई नामी-गिरामी पुरस्कारों

से सम्मानित आशा पाण्डेय ओझा की अब तक 10 पुस्तकें प्रकाशित हो चुकी हैं और पाँच प्रकाशाधिन हैं सैकड़ो आलेख, गीत, ग़ज़ल, दोहे और कविताएं आदि अनेक विधाएँ विभिन्न पत्र-पत्रिकाओं में प्रकाशित हो चुके हैं और लेखन का क्रम अनवरत जारी है। इसी भांति लोकेश कुमार सिंह साहिल 2000 से अधिक कवि सम्मेलन और मुशायरों में शिरकत कर चुके हैं,अनेक प्रतिष्ठित पुरस्कारों से सम्मानित हैं और आपकी गीतों और ग़ज़लों की कई पुस्तकें प्रकाशित हो चुकी हैं।

जिला कलक्टर ने ली राजस्व अधिकारियों की बैठक: भूमि अधिग्रहण मुआवजा प्रकरण निस्तारण में न्यून प्रगति पर जताई नाराजगी

संजीवनी टुडे

उदयपुर। राजस्व अधिकारियों की मासिक बैठक शक्रवार को जिला कलक्टर अरविन्द पोसवाल की अध्यक्षता में कलक्ट्रेट मिनी सभागार में हुई। इसमें भूमि अधिग्रहण मुआवजा प्रकरणों के निस्तारण में अपेक्षित प्रगति नहीं होने पर नाराजगी जताई। जिला कलक्टर श्री पोसवाल ने नाथद्वारा के उपली ओडन से उदयपुर जिले के भटेवर तक बनने वाले बायपास को लेकर चल रही भूमि अधिग्रहण प्रक्रिया की जानकारी ली। मावली, वल्लभनगर और बड़गांव उपखण्ड क्षेत्रों में मुआवजा प्रकरणों की समीक्षा करते हुए अपेक्षित प्रगति नहीं पाए जाने पर नाराजगी जताई। उन्होंने कहा कि स्वयं मुख्यमंत्री कार्यालय से इसकी मोनिटरिंग की जा रही है, ऐसे में अधिकारी इसे गंभीरता से लेते हुए त्वरित गति से प्रकरणों का निस्तारण करावें। इसके लिए उन्होंने अतिरिक्त मैन पॉवर लगाकर काम करने तथा एसडीएम को खुद व्यक्तिगत रूप से इसकी मोनिटरिंग करते हुए प्रतिदिन की प्रगति से अवगत कराने के लिए पाबंद किया। एडीएम प्रशासन दीपेंद्रिंसह राठौड़ ने उपखण्ड एवं तहसील वार लंबित राजस्व प्रकरणों की समीक्षा की। 5 एवं 10 वर्ष से अधिक समय लंबित प्रकरणों पर बिन्दु वार चर्चा करते हुए उन्हें जल्द से जल्द

निस्तारित करने के निर्देश दिए। बैठक में खातेदारी हस्तांतरण, नामांतरण, सीएम प्रकोष्ठ, लोकायुक्त व मानवाधिकार आयोग आदि से जुड़े प्रकरणों की भी समीक्षा करते हुए आवश्यक दिशा-निर्देश दिए। बैठक में एडीएम सिटी राजीव द्विवेदी, गिर्वा एसडीएम रिया डाबी, वल्लभनगर एसडीएम हुकुम कुंवर, एसडीएम बडगांव सीमा तिवारी, एसडीएम खेरवाड़ा जवाहरराम, एसडीएम गोगुन्दा नरेश सोनी, एसडीएम झाडोल मणिलाल तिरगर, एसडीएम मावली मनसुख डामोर सहित सभी तहसीलदार, नायब तहसीलदार आदि उपस्थित रहे। भूमि अधिग्रहण प्रकरणों के निस्तारण में न्यून प्रगति पर पोर्टल संबंधी व्यावहारिक समस्याएं सामने आना बताया गया। इस पर जिला कलक्टर ने बैठक हॉल में लगे प्रोजेक्टर पर भूमि राशि पोर्टल चलवाया। एसडीएम के यूजर आईडी व पासवर्ड से लॉगिन कराकर पूरी प्रक्रिया कराई। साथ ही एनआईसी से तकनीकी कार्मिकों को बुलवाकर व्यावहारिक समस्याओं और शंका का भी हाथों-हाथ समाधान कराया। जिला कलक्टर ने सभी उपखण्ड अधिकारियों से घूमन्तू परिवारों को जारी किए जाने वाले पट्टों की प्रगति संबंधी जानकारी ली। उन्होंने स्पष्ट शब्दों में कहा कि घूमन्तू परिवार जहां बैठे हैं, यदि वह नियमानुसार उपयुक्त और बिलानाम भूमि है उन्हें पट्टे जारी किए जाने हैं। जहां चारागाह, आरक्षित अथवा सड़क, स्कूल मैदान जैसी भूमियों पर घूमन्तू परिवारों का डेरा हैं तो उन्हें संबंधित पंचायत में बिलानाम भूमि चिन्हित कर आबादी विस्तार के प्रस्ताव तत्काल तैयार कर भिजवाए जाएं। बैठक में कलक्टर पोसवाल ने मौसमी बीमारियों के बढ़ते खतरे के मद्देनजर सभी उपखण्ड अधिकारियों को प्रभावी मोनिटरिंग के लिए निर्देशित किया। उन्होंने कहा कि बारिश के मौसम में मच्छरों के लार्वा पनपने से डेंगू, मलेरिया सहित अन्य मौसमी बीमारियों का खतरा बढ़ जाता है। उन्होंने सभी एसडीएम को अपने-अपने क्षेत्र में चिकित्सा विभाग की कलस्टर स्तरीय बैठकें लेकर एंटी लार्वा एक्टिविटी की निगरानी करने तथा आमजन को जागरूक करने के लिए ग्राउण्ड स्तर पर प्रयास करने के निर्देश दिए। बैठक में कलक्टर ने जल जीवन मिशन के तहत प्रस्तावित पेयजल टंकियों के प्रस्ताव अविलम्ब भिजवाने, नियमित निरीक्षण व गांवों में रात्रि विश्राम कर जन समस्याओं का ग्राउण्ड लेवल पर निस्तारण करने, निर्वाचन आयोग के निर्देशानुसार ऐप के माध्यम से चल रहे हाउस टू हाउस सर्वे को समयबद्ध ढंग से पूर्ण कराने सहित अन्य निर्देश भी दिए।

टीम वर्क से चुनौतियां भी हो जाती हैं आसानः भट्ट

संभागीय आयुक्त राजेंद्र भट्ट सेवानिवृत्त, जिला कलक्टर सहित सभी अधिकारियों-कर्मचारियों ने किया अभिनंदन

संजीवनी टुडे

उदयपुर। संभागीय आयुक्त श्री राजेंद्र भट्ट ने कहा कि प्रशासनिक अधिकारी के तौर पर आपके सामने नित नई चुनौतियां आती हैं, लेकिन टीम अच्छी हो और आपस में समन्वय हो तो हर चुनौती आसान हो जाती है। टीम उदयपुर के साथ कार्य करते हुए अभूतपूर्व अनुभव मिले जिन्होंने सेवानिवृत्ति तक के कार्यकाल को यादगार बना दिया। भारतीय प्रशासनिक सेवा के अधिकारी श्री भट्ट शुक्रवार को राजकीय सेवा से सेवानिवृत्त हुए। इस उपलक्ष्य में संभागीय आयुक्त सभागार में आयोजित अभिनंदन समारोह को संबोधित करते हुए भट्ट ने कहा कि संभागीय आयुक्त, जिला कलक्टर जैसे महत्वपूर्ण पदों पर रहते हुए कई बार मुश्किल और चुनौतीपूर्ण हालात प्रस्तुत हुए, लेकिन कार्यालय के छोटे से छोटे कर्मचारी से लेकर जिले में पदस्थ बडे अधिकारियों ने पूर्ण समर्पण के साथ सहयोग किया। इससे सभी कार्य आसानी से होते चले गए। उन्होंने अपने सेवा काल के कई संस्मरण भी साझा किए। इस मौके

पर जिला कलक्टर अरविन्द पोसवाल ने कहा कि किसी भी कार्य के सुचारू रूप से होने में टीम लीडर की कुशलता और नेतृत्व महत्वपूर्ण होता है। श्री भट्ट ने न केवल अधिकारी के तौर पर अपितु अभिभावक के रूप में सभी का मार्गदर्शन किया। उदयपुर के प्रति उनके लगाव के चलते ही कई ऐतिहासिक और भविष्योन्मुखी कार्य हो पाए।

कार्यक्रम में टीएडी आयुक्त प्रज्ञा केवलरमानी, अतिरिक्त संभागीय आयुक्त छोगाराम देवासी, एडीएम प्रशासन दीपेंद्रसिंह राठौड़, एडीएम सिटी राजीव द्विवेदी, जिला रसद अधिकारी गीतेश श्री मालवीय, डीओआईटी की संयुक्त निदेशक शीतल अग्रवाल सहित संभागीय आयुक्त कार्यालय के सभी अधिकारी-कर्मचारियों ने श्री भट्ट का अभिनंदन किया और उनके कार्यकाल की सराहना की। भट्ट के सेवानिवृत्ति समारोह में बांसवाड़ा से समाजसेवी विकेश मेहता सहित डूंगरपुर, भीलवाड़ा आदि जिलों से भी बड़ी संख्या में प्रबुद्धजन सम्मिलित हुए।

कई महत्वपूर्ण पदों पर दी सेवाएं

वर्ष 2016 में भारतीय प्रशासनिक सेवा में पदोन्नत होने के बाद श्री राजेंद्र भट्ट कई महत्वपूर्ण पदों पर रहे। इनमें सहकारी समितियां उदयपुर के अतिरिक्त रजिस्ट्रार, डूंगरपुर और भीलवाड़ा के जिला कलक्टर तथा उदयपुर संभागीय आयुक्त के पद शामिल हैं। कोरोना काल में भट्ट ने भीलवाड़ा जिले में 'कोरोना प्रबंधन' की बेहतरिन नजीर पेश की और भट्ट के प्रयासों से ही भीलवाड़ा मॉडल ने अन्तर्राष्ट्रीय ख्याति प्राप्त की। इसके अलावा श्री भट्ट ने टीएडी आयुक्त, देवस्थान आयुक्त तथा राजस्थान स्टेट माइंस एण्ड मिनरल्स निगम लिमिटेड उदयपुर के प्रबंध निदेशक के दायित्वों का भी निर्वहन किया।

इंडिया ओपन शूटिंग चैम्पियनशिप में उदयपुर के निशानेबाज़ों का शानदार प्रदर्शन

संजीवनी टुडे

सुरेंद्र के स्वर्ण पदक के साथ 6 निशानेबाज़ों का नेशनल में चयन

उदयपुर। गोवा के यश हब शूटिंग रेज में आयोजित 0832 इंडिया ओपन शूटिंग चैम्पियनशिप में उदयपुर जिले के निशानेबाज़ों का शानदार प्रदर्शन रहा है। इस प्रतियोगिता में बीएन शूटिंग क्लब के 22 निशानेबाज़ों ने भाग लिया जिसमें से 6 निशानेबाज़ों ने 10 मीटर एयर राइफल एवं पिस्टल के नेशनल प्रतियोगिता लिए सीधा क्वालीफाई कर लिया है। क्लब के कोच एवं राजस्थान शूटिंग टीम के मैनेजर डॉ. जितेंद्र सिंह चुण्डावत ने बताया कि प्रतियोगिता का आयोजन 18 से 27 अगस्त तक हुआ था, जिसमें 10 मीटर एयर पिस्टल डैफ कैटेगरी में स्वर्ण पदक जीतने वाले सुरेंद्र सिंह देवड़ा, 10 मीटर एयर पिस्टल महिला वर्ग में ज्योति चौहान, 10 मीटर एयर राइफ़ल पुरुष वर्ग में आदित्य राज सिंह चौहान , धीरज गुर्जर, दक्ष राज सिंह शक्तावत, 10 मीटर एयर राइफ़ल महिला वर्ग में पलक मेनारिया ने नेशनल के

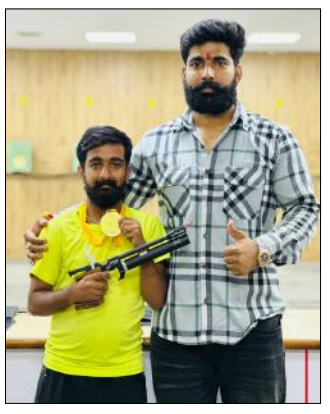

लिए सीधे क्वालिफाई कर ज़िले का मान बढ़ाया है। सुरेंद्र सिंह देवड़ा बोल और सुन नहीं सकते हैं। पिस्टल शूटिंग पुरुष डेफ सीनियर केटेगरी में 353/400 का स्कोर कर नेशनल के लिए क्वालीफ़ाई करने के साथ ही व्यक्तिगत स्वर्ण पदक जीता। सुरेंद्र पिछले 2 वर्षों में सच्ची लगन व मेहनत अपनी ट्रेनिंग कर रहे हैं। सुरेंद्र ने पिछले वर्ष भी प्री नेशनल प्रतियोगिता में सिल्वर मैडल जीता था। सुरेंद्र उदयपुर की बीएन स्पोर्ट्स शूटिंग एकेडमी पर अभ्यास करते हैं।

सम्पादक की कलम से....

सम्पादकीय

मुस्लिम कट्टरपंथियों के कारण खुलकर भाजपा से जुड़ने में डरता है आम मुसलमान

हालिया उत्तर प्रदेश विधानसभा चुनाव में इस बात की एक बार फिर पुष्टि हो गई कि बीजेपी को हराने के लिए मुसलमानों का एक बड़ा धड़ा किसी भी हद से आगे जाने से गुरेज नहीं करता है। यह स्वाभाविक नहीं है, इसके लिए दशकों से सियासी साजिश रची जा रही है। पहले कांग्रेस ने मुसलमानों के मन में भाजपा के खिलाफ जहर भरा और बाद में यही काम यूपी में सपा-बसपा जैसे दलों ने किया। मुसलमान इन दलों के पीछे भागते हुए भाजपा को हराने का सपना देखते रहे। उनका यह सपना कई बार पूरा भी हुआ, लेकिन पिछले चार चुनावों (दो विधानसभा और दो लोकसभा चुनावों) से बीजेपी के खिलाफ मुसलमानों की 'दाल' नहीं गल पा रही है। इसकी सबसे प्रमुख वजह यह है कि हिंदू अब जातियों में और बंटने को तैयार नहीं हैं। उनकी समझ में आ गया है कि आपस में लड़ के कहीं ना कहीं अपना ही नुकसान कर रहे थे। इसीलिए उन्होंने हिन्दुओं को अगड़े-पिछड़े, ठाकुर-बनिया आदि के नाम पर लड़ाने वालों से तौबा कर ली है। इसी वजह से बीजेपी का ग्राफ लगातार बढ़ता और अन्य दलों का गिरता जा रहा है। बीजेपी के सत्ता में आने के बाद उसको (बीजेपी) लेकर विपक्षी दलों और मुल्ला-मौलवियों द्वारा फैलाया गया एक भ्रम और दूर हो गया है कि बीजेपी सत्ता में आएगी तो मुसलमान दोयम दर्जे का नागरिक बन जाएगा। उसके सारे अधिकार छिन जाएंगे आदि-आदि। बीजेपी के खिलाफ यह भ्रम इसलिए फैलाया गया था क्योंकि कुछ राजनैतिक दल मुसलमानों को वोट बैंक की तरह इस्तेमाल करते रहे थे, लेकिन अब हालात बदल रहे हैं। योगी राज में किसी भी नागरिक के साथ भेदभाव नहीं हो रहा है। यदि प्रधानमंत्री आवास हिन्दुओं को मिल रहा है तो मुसलमानों को भी इसका फायदा पहुंच रहा है। फ्री राशन हिन्दुओं को दिया जा रहा है तो मुसलमान परिवार भी इससे वंचित नहीं हैं। स्वास्थ्य कार्ड यदि हिन्दुओं के बन रहे हैं तो मुस्लिमों के भी बिना भेदभाव के बनाए जा रहे हैं। श्रमिक कार्ड में भी सबके खाते में बिना भेदभाव के पैसा आ रहा है। इसी वजह से मुसलमानों के मन में भाजपा के खिलाफ जो खौफ पैदा किया गया था, वह दूर होता जा रहा है। धीरे-धीरे ही सही मुसलमान बीजेपी से जुड़ने लगे हैं। यह और बात है कि यह बदलाव कुछ राजनैतिक दलों और कट्टरपंथियों को रास नहीं आ रहा है, जो अभी भी बीजेपी के खिलाफ जहर उगल रहे हैं और घृणा की राजनीति में लगे हैं। हाल यह है कि यदि बीजेपी के पक्ष में कोई मुसलमान आगे आता है तो उसको न केवल परेशान किया जाता है बल्कि कई बार तो बीजेपी समर्थक मुसलमानों को मौत के घाट उतार दिया जाता है। जैसा हाल ही में बीजेपी समर्थक बाबर के साथ हुआ। बाबर का कसूर इतना था कि वह बीजेपी की जीत की खुशी में मिठाई बांट रहा था। कट्टरपंथियों ने उसे मौत के घाट उतार दिया। बात उत्तर प्रदेश के जिला कुशीनगर की है, जहां चुनाव नतीजे आने के बाद बीजेपी कार्यकर्ता बाबर की उसके पटीदारों द्वारा बेरहमी से पीट कर हत्या कर दी गई थी। परिजनों की मानें तो बाबर को कई बार धमकी मिल चुकी थी, जिसकी वजह से उसने थाने में शिकायत पत्र भी दिया था। इसको पुलिस ने नजरअंदाज कर दिया, जिसके बाद बाबर की हत्या कर दी गई। मामला जब मीडिया में आया तो पुलिस महकमे में हड़कंप मच गया। इसके बाद एसपी सचिंद्र पटेल ने थाना प्रभारी सहित दो अन्य उप निरीक्षकों को भी लाइन हाजिर कर दिया है। पुलिस ने बाबर की हत्या के मामले में नामजद चार आरोपियों को भी गिरफ्तार कर लिया है। हैरानी की बात यह है कि बाबर की जान लेने वाले लोग अनजान नहीं थे, वे उसके अपने रिश्तेदार और पड़ोसी थे, जो उसे बचपन से जानते थे। जब बाबर अली ने सुरक्षा की गुहार लगाई तो कुशीनगर जिले के रामकोला थाने की पुलिस ने कोई ऐक्शन नहीं लिया। इसी तरह से कानपुर में भी एक मुस्लिम युवक द्वारा बीजेपी का झंडा फहराना उसके लिए मुसीबत का सबब बन गया है। उसके पड़ोसी और रिश्तेदार ही उसकी जान के दुश्मन बन गए हैं। शकील नामक यह शख्स जिसे जान से मारने की धमकियां मिल रही हैं, लम्बे समय से बीजेपी के साथ जुड़ा हुआ है। मामला कानपुर शहर में किदवई नगर थाना क्षेत्र अंतर्गत जूही लाल कालोनी का है। यहां रहने वाले शकील अहमद ने अपने पड़ोसियों पर मारपीट करने का आरोप लगाते हुए जान को खतरा बताया है। अब बदायूं में भी एक मुस्लिम शख्स को जान से मारने की धमकी दी जा रही है। पीड़ित की शिकायत के बाद पुलिस ने एफआईआर दर्ज कर ली है। बदायूं में शाहरुख सैफी नाम के शख्स को कथित तौर पर उसकी बिरादरी के ही कुछ लोग जान से मारने की धमकी दे रहे हैं। चुनाव में भाजपा को समर्थन देने की वजह से उसे मौत के घाट उतारने की धमकी दी जा रही है। लक्ष्मीपुर गांव के निवासी शाहरुख ने अपनी सुरक्षा के लिए पुलिस के पास गुहार लगाई है।

आज का राशिफल

यह राशिफल जन्म राशि पर आधारित है। व्यक्ति के जन्म के समय चंद्रमा जिस राशि पर थे, वही उसकी जन्म राशि होती है। यदि राशि की जानकारी आपको नहीं है तो अपने नामाक्षर से राशिफल देखें।

मेष (चू, चे, चो, ला, ली, लू, ले, लो, अ) : आज भाग्य से कोई नया प्रस्ताव मिल सकता है। सरकारी काम आसानी से बन जाएंगे। अधिकारी सहयोग करेंगे। किसी चैरिटी आदि में धन खर्च करेंगे। मित्रों के साथ पार्टी में जा सकते हैं।

वृषभ (ई,उ,ए,ओ,वा,वी,वू,वे,वो) : सुख-सुविधाओं पर खर्च होगा। व्यक्तिगत मामलों में गलतफहमी को जन्म देने वाली कोई बात हो सकती है। परिवार के साथ पार्टी में जा सकते हैं। कोई नया प्रस्ताव यदि आज मिलता है।

मिथुन (क,की,कू,घ,ङ, छ, के,को, ह) : कार्यों को मन लगाकर पूरा करेंगे। आपकी बढ़ते प्रभाव से कुछ लोगों को परेशानी हो सकती है। आज की गई मेहनत का पूरा फल नहीं मिलेगा। व्यक्तिगत मामलों को सावधानी से हल करें।

कर्क (ही, हू, हे, हो, डा, डी, डू, डे, डो) : किसी योजना का क्रियान्वयन हो जाएगा। अधूरे काम भी किसी न किसी सहयोग से आज पूरे हो जाएंगे। धैर्यपूर्वक निर्णय लेने पड़ेंगे। भाग-दौड़ बनी रहेगी, परंतु यात्रा करना आज ठीक नहीं रहेगा।

सिंह (मा, मी, मू, मे, मो, टा, टी, टू, टे) : परिवार के बड़े सदस्यों की आज्ञा मान कर चलेंगे तो फायदे में रहेंगे। लाभ के एक से अधिक अवसर सामने होंगे। चाहा गया सहयोग नहीं मिलने से काम खुद ही पूरे करने पड़ेंगे। बड़े भाई से लाभ होगा।

कन्या (टो, पा, पी, पू, ष, ण, ठ, पे, पो) : आज घर और बाहर दोनों जगह आपके काम की सराहना होगी। काम के घंटे बढ़ जाएंगे अतः पिछले छूटे कामों को पहले पूरा कर लें। अधिकारी वर्ग प्रसन्न रहेगा। विद्यार्थी वर्ग लाभ में रहेगा।

तुला (रा, री, रू, रे, रो, ता, ती, तू, ते) : आज काम बनने में थोड़ी असुविधा हो सकती है। विरोधियों से सावधान रहना होगा। प्रोपर्टी के खरीदने या बेचने से संबंधी बात हो सकती है। पुराने मित्रों से मुलाकात होने की संभावना है।

वृश्चिक (तो, ना, नी, नू, ने, नो, या, यी, यू) : व्यावसायिक कार्यों का विस्तार करने के लिए अतिरिक्त परिश्रम करना पड़ेगा। सहयोग मिल जाने से थोड़ी आसानी हो जाएगी। व्यक्तिगत संबंधों में सौहार्द्र की भावना बढ़ने से मन प्रसन्न होगा।

धनु (ये, यो, भ, भी, भू, धा, फा, ढा, भे) : आज का दिन महत्वपूर्ण काम करने के लिए नहीं है। निजी समस्याओं को अपने ऊपर हावी न होने दें। परिवार के साथ समय बिताना आवश्यक है, चाहें तो कहीं आउटिंग के लिए जा सकते हैं।

मकर (भो, जा, जी, खी, खू, खे, खो, ग, गी) : आज स्वास्थ्य का ध्यान रखना होगा, परंतु काम फिर भी आसानी से बन जाएंगे। लाभ की कोई नई योजना बनाकर उस पर अमल करेंगे। मित्र विशेष सहयोगी बनकर सामने आएंगे।

कुंभ (गू, गे, गो, सा, सी, सू, से, सो, दा) : आज घर की बुजुर्ग स्त्री की सलाह काम आएगी, महत्वपूर्ण निर्णय लेते समय उसको नजरअंदाज ना करें। यात्रा करना हित में नहीं रहेगा, बहुत जरूरी हो तो पहले मंदिर जाएं फिर यात्रा करें।

मीन (दी, दू, थ, झ, ञ, दे, दो, चा, ची) : आज योग्यता दिखाने का उचित अवसर मिलेगा। लाभ देने वाली छोटी यात्रा की संभावना है। बडी प्रतिस्पर्धा में भी विजयी होंगे। वाहन धीमी गति में चलाएं, अन्य कामों में भी जल्दबाजी ना करें।

मुफ्तखोरी की राजनीति गंभीर आर्थिक संकट को न्यौता

विचार बिन्दु

लोकतंत्र में लोगों को नकारा, आलसी, लोभी, अकर्मण्य, लुंज बनाना ही क्या राजनीतिक कर्त्ता-धर्त्ताओं की मिसाल है? अपना हित एवं स्वार्थ-साधना ही सर्वव्यापी हो चला है?इन स्थितियों के कारण श्रीलंका जैसे हालात विभिन्न राज्यों में बनने की आहट सुनाई देने लगी है। बेरोजगारी, व्यापार-व्यवसाय की टूटती सांसें एवं किसानों की समस्याओं को भी हल करने में ईमानदारी बरतने की बजाय सरकारें इसी तरह के लोक-लुभावन कदमों के जरिए उन्हें बहलाती रही हैं। ऐसी नीतियों पर अब गंभीरता से गौर करने की जरूरत है।

ललित गर्ग

भारत की राजनीति में खैरात बांटने एवं मुफ्त की सुविधाओं की घोषणाएं करके मतदाताओं को ठगने एवं लुभाने की कुचेष्टाओं में सभी राजनीतिक दल लगे हैं। महज राजनीतिक लाभ एवं वोट बैंक को प्रभावित करने के उद्देश्य से मुफ्तखोरी को बढ़ावा देना सरकारों के आर्थिक असंतुलन के साथ ही आत्मघाती उपक्रम है। केंद्र सरकार को उन राज्यों को चेताना चाहिए जो कर्ज चुकाने की क्षमता खोते चले जाने के बाद भी मुफ्त की योजनाओं को बढ़ावा दे रहे हैं। इससे उत्पन्न गंभीर आर्थिक संकट को नजरअंदाज करना राजनीतिक अपरिवक्वता का द्योतक है, वही अवसरवादी एवं स्वार्थ की राजनीति को पनपाने का जरिया है। इस तरह की मुफ्त की संस्कृति एवं जनधन को खैरात में बांटने से किस तरह किसी देश में राजनीतिक संकट खड़ा करने के साथ कानून एवं व्यवस्था के लिए भी चुनौती बन सकता है, इसका ताजा उदाहरण है श्रीलंका। वहां की स्थितियां जिस तेजी से बिगड़ रही हैं, वे भारत के लिए भी चिंता का विषय बन गई हैं।

भारत में यह कैसा लोकतांत्रिक ढ़ांचा बन रहा है जिसमें पार्टियां अपनी सीमा से कहीं आगे बढ़कर लोक-लुभावन वादे करने लगी हैं, उसे किसी भी तरह से जनहित में नहीं कहा जा सकता। बेहिसाब लोक-लुभावन घोषणाएं, अपने आर्थिक संसाधनों से परे जाकर और पूरे न हो सकने वाले आश्वासन पार्टियों को तात्कालिक लाभ तो जरूर पहुंचा सकते हैं, पर इससे देश के दीर्घकालिक सामाजिक और आर्थिक हालात पर प्रतिकूल असर पड़ने की भी आशंका है। प्रश्न है कि राजनीतिक पार्टियां एवं राजनेता सत्ता के नशे में डूबकर इतने आक्रामक कैसे हो सकते है? यह स्थिति चिन्ताजनक है। इसी तरह की स्थितियों से श्रीलंका में आर्थिक हालात बिगडऩे और महंगाई के बेलगाम हो जाने के कारण एक ओर जहां जनता का असंतोष बढ़ता जा रहा है, वहीं दूसरी ओर राजनीतिक अस्थिरता भी गहराती जा रही है। करीब-करीब हर जरूरी वस्तु के आसमान छूते दामों से नाराज श्रीलंका की जनता सड़कों पर उतर रही है और वहां के राष्ट्रपति को यह समझ नहीं आ रहा है कि वे करें तो क्या करें? श्रीलंका के बेकाबू होते हालात भारत के लिये एक सबक है, क्योंकि पिछले कुछ दौर से भारत में हर दल में मुफ्त बांटने की संस्कृति का प्रचलन बढ़ता ही जा रहा है। लोकतंत्र में इस तरह की बेतूकी एवं अतिश्योक्तिपूर्ण घोषणाएं एवं आश्वासन राजनीति को दूषित करते हैं, जो न केवल घातक है बल्कि एक बड़ी विसंगति का द्योतक हैं। किसी भी सत्तारूढ पार्टी को जनता की मेहनत की कमाई को लुटाने के लिये नहीं, बल्कि उसका जनहित में उपयोग करने के लिये जिम्मेदारी दी जाती है। इस जिम्मेदारी का सम्यक निर्वहन करके ही कोई भी सत्तारूढ पार्टी या उसके नेता सत्ता के काबिल बने रह सकते हैं। श्रीलंका की आर्थिक स्थिति जिन कारणों से बिगड़ी, उनमें चीन से कठोर शर्तों पर लिया गया कर्ज तो जिम्मेदार है ही, इसके अलावा वे लोकलुभावन नीतियां भी उत्तरदायी हैं, जो आर्थिक नियमों को धता बताती थीं। कर्ज के बढऩे और विदेशी मुद्रा भंडार खाली होते जाने के बाद भी इन नीतियों को आगे बढ़ाकर श्रीलंका ने अपने पैरों पर कुल्हाड़ी मारने का ही काम किया। यह ठीक है कि भारत श्रीलंका के हालात पर नजर रखे हुए है, लेकिन केवल इतना ही पर्याप्त नहीं। इसी के साथ ही उन कारणों पर भी ध्यान देने की आवश्यकता है, जिनके चलते श्रीलंका गहरे संकट में धंस गया। इसकी अनदेखी नहीं की जा सकती कि हाल में प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने जब शीर्ष अधिकारियों के साथ एक बैठक की तो कई अफसरों ने यह कहा कि कुछ राज्यों की ओर से मुफ्त वस्तुएं और सुविधाएं देने का जो काम किया जा रहा है, वह उन्हें श्रीलंका जैसी स्थिति में ले जा सकता है। इन अफसरों की मानें तो कर्ज में डूबे राज्य मुफ्तखोरी वाली योजनाएं चलाकर अर्थव्यवस्था का बेड़ा गर्क कर रहे हैं। प्रश्न है कि क्या सार्वजनिक संसाधन किसी को बिल्कुल मुफ्त में उपलब्ध कराए जाने चाहिए? क्या जनधन को चाहे जैसे खर्च करने का सरकारों को अधिकार है? तब, जब सरकारें आर्थिक रूप से आरामदेह स्थिति में न हों। यह प्रवृत्ति राजनीतिक लाभ से प्रेरित तो है ही, सांस्थानिक विफलता को भी ढकती है, और इसे किसी एक पार्टी या सरकार तक सीमित नहीं रखा जा सकता। केजरीवाल सरकार कैंपेन चलाकर आम आदमी की गाढ़ी कमाई के करोड़ों रुपये सरकार की तथाकथित योजनाओं को बताने में खर्च कर दिये हैं कि किस तरह उन्होंने दिल्ली को चमका दिया है। किस तरह मुक्त पानी-बिजली देने के नाम पर सरकारी खजाना खाली कर रहे हैं। जबकि दिल्ली के हालात किसी से छिपे हुए नहीं है। इस तरह का बड़बोलेपन एवं मुफ्त की संस्कृति को पढ़े-लिखे बेरोजगारों ने अपना अपमान समझा। कई बार सरकारों के पास इतने संसाधन नहीं होते कि वे अपने लोगों के अभाव, भूख, बेरोजगारी जैसी विपदाओं से बचा सकें। लेकिन जब उनके पास इन मूलभूत जनसमस्याओं के निदान के लिये धन नहीं होता है तो वे मुफ्त में सुविधाएं कैसे बांटते है? क्यों करोड़ो-अरबो रूपये अपने प्रचार-प्रसार में खर्च करते हैं?

अर्थव्यवस्था और राज्य की माली हालत को ताक पर रखकर लगभग सभी पार्टियों व सरकारों ने गहने, लैपटॉप, टीवी, स्मार्टफोन से लेकर चावल, दूध, घी तक बांटा है या बांटने का वादा किया है। यह मुफ्तखोरी की पराकाष्ठा है। मुफ्त दवा, मुफ्त जाँच, लगभग मुफ्त राशन, मुफ्त शिक्षा, मुफ्त विवाह, मुफ्त जमीन के पट्टे, मुफ्त मकान बनाने के पैसे, बच्चा पैदा करने पर पैसे, बच्चा पैदा नहीं (नसबंदी) करने पर पैसे, स्कूल में खाना मुफ्त, मुफ्त जैसी बिजली 200 रुपए महीना, मुफ्त तीर्थ यात्रा। जन्म से लेकर मृत्यु तक सब मुफ्त। मुफ्त बाँटने की होड़ मची है, फिर कोई काम क्यों करेगा? मुफ्त बांटने की संस्कृति से देश का विकास कैसे होगा? कैसे सरकारों का आर्थिक संतुलन बनेगा? पिछले दस सालों से लेकर आगे बीस सालों में एक ऐसी पूरी पीढ़ी तैयार हो रही है या हमारे नेता बना रहे हैं, जो पूर्णतया मुफ्त खोर होगी। अगर आप उनको काम करने को कहेंगे तो वे गाली देकर कहेंगे, कि सरकार क्या कर रही है? विडम्बना एवं विसंगति की हदें पार हो रही है। ये मुफ्त एवं खैरात कोई भी पार्टी अपने फंड से नहीं देती। टैक्स दाताओं का पैसा इस्तेमाल करती है। हम 'नागरिक नहीं परजीवी' तैयार कर रहे हैं। देश का टैक्स दाता अल्पसंख्यक वर्ग मुफ्त खोर बहुसंख्यक समाज को कब तक पालेगा? जब ये आर्थिक समीकरण फैल होगा तब ये मुफ्त खोर पीढ़ी बीस तीस साल की हो चुकी होगी। जिसने जीवन में कभी मेहनत की रोटी नहीं खाई होगी, वह हमेशा मुफ्त की खायेगा। नहीं मिलने पर, ये पीढ़ी नक्सली बन जाएगी, उग्रवादी बन जाएगी, पर काम नहीं कर पाएगी। यह कैसा समाज निर्मित कर रहे हैं? यह कैसी विसंगतिपूर्ण राजनीति है? राजनीति छोड़कर, गम्भीरता से चिंतन करने की जरूरत है। वर्तमान दौर की सत्ता लालसा की चिंगारी इतनी प्रस्फुटित हो चुकी है, सत्ता के रसोस्वादन के लिए जनता और व्यवस्था को पंगु बनाने की राजनीति चल रही है। राजनीतिक दलों की बही-खाते से सामाजिक सुधार, रोजगार, नये उद्यमों का सृजन, खेती को प्रोत्साहन, ग्रामीण जीवन के पुनरुत्थान की प्राथमिक जिम्मेवारियां नदारद हो चुकी है, बिना मेहंदी लगे ही हाथ पीले करने की फिराक में सभी राजनीतिक दल जुट चुके हैं। जनता को मुफ्तखोरी की लत से बचाने की जगह उसकी गिरफ्त में कर अपना राजनीतिक उल्लू सीधा करने में लगे हैं।

चैत्र नवरात्रि का धार्मिक ही नहीं, है वैज्ञानिक आधार भी

नवरात्रि को हमेशा ही माता की अराधना और भक्तिभाव से जोड़कर देखा जाता है। यह सच है कि नवरात्रि का एक बेहद महत्वपूर्ण धार्मिक आधार है। लेकिन क्या आप इस बात से वाकिफ है कि चैत्र नवरात्रि का अपना एक वैज्ञानिक आधार भी है। अगर चैत्र नवरात्रि के नौ दिन व्रत रखा जाए तो इससे माता तो प्रसन्न होती है ही, साथ ही इसके पीछे के वैज्ञानिक आधार भी होता है। चैत्र शुक्ल पक्ष की प्रतिपदा तिथि भारत वर्ष में सनातन धर्म के नववर्ष के रूप में तो मनाई जाती है ही, साथ ही कहा जाता है कि इस दिन सृष्टि का आरंभ भी हुआ था। माना जाता है कि इस दिन ही बह्मा जी ने भी सृष्टि का आंरभ किया था। यहां से हरियाली का आगमन होता है। यह हरियाली ही खुशहाली का प्रतीक मानी जाती है।

नवरात्रि के दिन नववर्ष के आगमन पर प्रकृति में भी सकारात्मक परिवर्तन आते हैं। इस दौरान मौसम न बहुत अधिक गर्म होता है और न ही ठंडा। साथ ही इस समय फसल पकने लग जाती है। इससे जीवन में खुशहाली आती है। जिससे मन प्रसन्न रहता है। यूं तो लोग जनवरी को नववर्ष के रूप में मनाते हैं, लेकिन वास्तव में इसमें कई तरह के नकारात्मक पक्ष होते हैं। जैसे इस दिन लोग मदिरा, मांस धूम्रपान व नशे में डूबे रहते हैं, साथ ही अंग्रेजी तिथि के अनुसार मनाया जाने वाला नववर्ष आधी रात को मनाया जाता है, जो भूतों का समय माना जाता है। लेकिन नवरात्रि की शुरूआत से मनाया जाने वाला नववर्ष सकारात्मक तरीके से शुरू किया जाता है। इस दौरान माता की अराधना होती है, लोग पूजा?पाठ करते हैं।

साथ ही अपने वितेचारों व आहार को सात्विक रखते हैं, जिससे स्वास्थ्य भी सकारात्मक तरीके से प्रभावित होता है। कहते हैं न कि जैसा खाएंगे अन्न, वैसा होगा मन। नवरात्रि के व्रत स्वास्थ्य के लिए बेहद लाभदायक माना जाता है। दरअसल, जब मौसम बदल रहा होता है तो शारीरिक बीमारियां बढ़ने की संभावना काफी बढ़ जाती है। ऐसे में स्वस्थ रहने के लिए जरूरी है कि शरीर को भीतर से स्वच्छ बनाया जाए, इसके लिए नवरात्रि व्रत रखना उत्तम माना जाता है। व्रत के दौरान व्यक्ति के मन के भाव अच्छे होते हैं, जिनसे विचारों की शुद्धि होती है। वहीं व्रत के दौरान खानपान का संयम बरतने से शरीर के विषाक्त पदार्थ भी बाहर निकल जाते हैं।

31 अगस्त की महत्त्वपूर्ण घटनाएँ

1860 पहली बार मनुष्य की आवाज़ का अंकन किया गया।
1965 कच्छ के रन में भारत-पाक में युद्ध छिड़ा।
1988 ली पेंग चीन के प्रधानमंत्री बने।
1989 एशिया की पहली सम्पूर्ण भूमिगत संजय जलविद्युत परियोजना शुरू की गयी।
1998 सऊदी अरब में मीना के पास भगदड़ में 150 से अधिक यात्रियों की मृत्यु।
1999 नाइजर के राष्ट्रपति इब्राहिम बारे मैनसारा की हत्या, खालसा पंथ की त्रिशती पर विशेष डाक टिकट जारी।
2002 बहरीन में निगम चुनाव में महिलाओं को भी भाग लेने की छूट मिली।
2003 स्टीव वॉ सर्वाधिक टेस्ट (157) खेलने वाले खिलाड़ी बने।
2005 ब्रिटेन के युवराज चार्ल्स का विवाह कैमिला के साथ सम्पन्न।
2006 यूरेनस ग्रह के चारों ओर शनि जैसा वलय होने की पुष्टि। पाकिस्तान के राष्ट्रपति जनरल परवेज मुशर्रफ़ ने 2007 के चुनावों के बाद भी अपने पद बने रहने की घोषणा की।
2008 उत्तर प्रदेश सरकार ने दलिया व कॉपियों समेत डेढ़ दर्जन वस्तुओं को वैट से मुक्त किया। राष्ट्रीय कृषि एवं ग्रामीण विकास बैंक (नाबार्ड) ने वर्ष 2007-08 में अपने कारोबार में पिछले वित्त वर्ष की तुलना में 21% की वृद्धि की। नेपाल में बहुप्रतीक्षित संविधान सभा के लिए मतदान शुरू हुआ।

जलवायु संकट और स्वास्थ्य

विचार बिन्दु

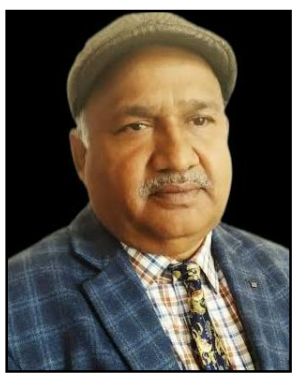

विजय गर्ग

बेहतर परिवहन, भोजन और ऊर्जा-उपयोग विकल्पों के माध्यम से ग्रीनहाउस गैसों के उत्सर्जन को कम करने से स्वास्थ्य में सुधार हो सकता है,

जलवायु परिवर्तन स्वास्थ्य के सामाजिक और पर्यावरणीय निर्धारकों को प्रभावित करता है - स्वच्छ हवा, सुरक्षित पेयजल, पर्याप्त भोजन और सुरक्षित आश्रय। 2030 और 2050 के बीच, जलवायु परिवर्तन से कुपोषण, मलेरिया, डायरिया और गर्मी के तनाव से प्रति वर्ष लगभग 250 000 अतिरिक्त मौतों का कारण बनने की उम्मीद है। स्वास्थ्य के लिए प्रत्यक्ष क्षति लागत (अर्थात कृषि और पानी और स्वच्छता जैसे स्वास्थ्य-निर्धारण क्षेत्रों में लागत को छोड़कर), 2030 तक प्रति वर्ष 2-4 बिलियन अमरीकी डालर के बीच होने का अनुमान है। कमजोर स्वास्थ्य बुनियादी ढांचे वाले क्षेत्र - ज्यादातर विकासशील देशों में - तैयारी और प्रतिक्रिया के लिए सहायता के बिना सामना करने में सबसे कम सक्षम होंगे।

बेहतर परिवहन, भोजन और ऊर्जा-उपयोग विकल्पों के माध्यम से ग्रीनहाउस गैसों के उत्सर्जन को कम करने से स्वास्थ्य में सुधार हो सकता है, खासकर वायु प्रदूषण में कमी के माध्यम से। जलवायु परिवर्तन मानवता के सामने सबसे बड़ा स्वास्थ्य खतरा है, और दुनिया भर में स्वास्थ्य पेशेवर पहले से ही इस सामने आए संकट के कारण होने वाले स्वास्थ्य नुकसान का जवाब दे रहे हैं। इंटरगवर्नमेंटल पैनल ऑन क्लाइमेट चेंज (आईपीसीसी) ने निष्कर्ष निकाला है कि विनाशकारी स्वास्थ्य प्रभावों को रोकने और लाखों जलवायु परिवर्तन से संबंधित मौतों को रोकने के लिए, दुनिया को तापमान वृद्धि को 1.5 डिग्री सेल्सियस तक सीमित करना चाहिए। पिछले उत्सर्जन ने पहले ही वैश्विक तापमान वृद्धि और जलवायु में अन्य परिवर्तनों के एक निश्चित स्तर को अपरिहार्य बना दिया है। हालांकि, 1.5 डिग्री सेल्सियस के वैश्विक तापन को सुरक्षित नहीं माना जाता है; गर्मी का हर अतिरिक्त दसवां हिस्सा लोगों के जीवन और स्वास्थ्य पर गंभीर असर डालेगा। हालांकि इन जोखिमों से कोई भी सुरक्षित नहीं है, लेकिन जिन लोगों के स्वास्थ्य को सबसे पहले और सबसे खराब जलवायु संकट से नुकसान हो रहा है, वे लोग हैं जो इसके कारणों में कम से कम योगदान करते हैं, और जो इसके खिलाफ अपनी और अपने परिवार की रक्षा करने में सबसे कम सक्षम हैं - कम आबादी वाले लोग -आय और वंचित देशों और समुदायों। जलवायु संकट ने विकास, वैश्विक स्वास्थ्य और गरीबी में कमी में पिछले पचास वर्षों की प्रगति को पूर्ववत करने और आबादी के बीच और भीतर मौजूदा स्वास्थ्य असमानताओं को और व्यापक बनाने की धमकी दी है। यह विभिन्न तरीकों से सार्वभौमिक स्वास्थ्य कवरेज (यूएचसी) की प्राप्ति को गंभीर रूप से खतरे में डालता है - जिसमें बीमारी के मौजूदा बोझ को कम करना और स्वास्थ्य सेवाओं तक पहुंचने में मौजूदा बाधाओं को तेज करना शामिल है, अक्सर ऐसे समय में जब उनकी सबसे अधिक आवश्यकता होती है। 930 मिलियन से अधिक लोग - दुनिया की आबादी का लगभग 12% - अपने घरेलू बजट का कम से कम 10% स्वास्थ्य देखभाल के लिए खर्च करते हैं। सबसे गरीब लोगों के बड़े पैमाने पर बीमाकृत नहीं होने के कारण, स्वास्थ्य संबंधी झटके और तनाव पहले से ही हर साल लगभग 100 मिलियन लोगों को गरीबी में धकेलते हैं, जलवायु परिवर्तन के प्रभाव से यह प्रवृत्ति बिगड़ती जा रही है। जलवायु परिवर्तन पहले से ही स्वास्थ्य को असंख्य तरीकों से प्रभावित कर रहा है, जिसमें गर्मी की लहरें, तूफान और बाढ़, खाद्य प्रणालियों में व्यवधान, जूनोज और भोजन में वृद्धि- पानी- और वेक्टर जनित रोग, और मानसिक स्वास्थ्य के मुद्दे। इसके अलावा, जलवायु परिवर्तन अच्छे स्वास्थ्य के लिए कई सामाजिक निर्धारकों को कमजोर कर रहा है, जैसे आजीविका, समानता और स्वास्थ्य देखभाल और सामाजिक समर्थन संरचनाओं तक पहुंच। इन जलवायु-संवेदनशील स्वास्थ्य जोखिमों को महिलाओं, बच्चों, जातीय अल्पसंख्यकों, गरीब समुदायों, प्रवासियों या विस्थापित व्यक्तियों, वृद्ध आबादी, और अंतर्निहित स्वास्थ्य स्थितियों वाले लोगों सहित सबसे कमजोर और वंचितों द्वारा असमान रूप से महसूस किया जाता है। चित्रः जलवायु-संवेदनशील स्वास्थ्य जोखिमों, उनके जोखिम मार्ग और भेद्यता कारकों का एक सिंहावलोकन। जलवायु परिवर्तन प्रत्यक्ष और अप्रत्यक्ष रूप से स्वास्थ्य को प्रभावित करता है, और पर्यावरण, सामाजिक और सार्वजनिक स्वास्थ्य निर्धारकों द्वारा दृढ़ता से मध्यस्थता की जाती है। हालांकि यह स्पष्ट नहीं है कि जलवायु परिवर्तन मानव स्वास्थ्य को प्रभावित करता है, लेकिन कई जलवायु-संवेदनशील स्वास्थ्य जोखिमों के पैमाने और प्रभाव का सटीक अनुमान लगाना चुनौतीपूर्ण बना हुआ है।

वायरल फीवर से राहत पाने के घरेलू उपचार

मौसम के बदलने के समय वायरल फीवर होता है। जब भी मौसम बदलता है तब तापमान के उतार-चढ़ाव के कारण शरीर का इम्यून सिस्टम थोड़ा कमजोर हो जाता है। इस फीवर से बचने और निजात पाने के लिए दवाईयों के अलावा कई घरेलू उपाय हैं, जिससे जल्द राहत मिल जाती है।

सूखे अदरक का मिश्रण

अदरक के अनगिनत स्वास्थ्य संबंधी गुण होते हैं। इसका एन्टी- इन्फ्लैमटोरी और एन्टी-ऑक्सिडेंट गुण बुखार के लक्षणों से राहत दिलाने में सहायता करते हैं। सूखा अदरक, एक छोटा चम्मच हल्दी और एक छोटा चम्मच काली मिर्च का पावडर और थोड़ा-सा चीनी एक कप पानी में डालकर तब तक उबालें जब तक कि सुखकर आधा न हो जाये। दिन में चार बार इस काढ़े को पीने से बुखार से राहत मिलता है।

तुलसी- तुलसी का एन्टी बायोटीक और एन्टी बैक्टिरीअल गुण वायरल फीवर के लक्षणों से राहत दिलाने में बहुत मदद करते हैं। बीस ताजा तुलसी के पत्तों को एक लीटर पानी में एक चम्मच लौंग पावडर डालकर तब तक उबालें जब तक कि वह सुख कर आधा न हो जाये। उसके बाद उसको छानकर हल्का ठंडा करके दो घंटा के अंतराल में पीयें।

मेथी का जल- मेथी में बहुत सारे औषधिय गुण होते हैं जो वायरल फीवर के कष्टों से राहत दिलाने में सहायता करते हैं। एक कप पानी में एक बड़ा चम्मच मेथी के दाने रात भर भिगोकर रखें। अगले दिन सुबह इसको छानकर निश्चित अंतराल में इसका सेवन करें। सुबह मेथी के दाने, नींबू का रस और शहद के मिश्रण का सेवन करने से भी कुछ हद तक बुखार से राहत मिलता है।

धनिया चाय- धनिया में फाइटोनूट्रीअन्ट और विटामिन होता है जो प्रतिरक्षी तंत्र को उन्नत करने में बहुत सहायता करता है। धनिया प्राकृतिक तरीके से वायरल फीवर से लड़ने में मदद करता है। एक गिलास पानी में एक बड़ा चम्मच धनिया के दाने डालें और उसको थोड़ा उबाल लें। उसके बाद कप में छानकर स्वाद के अनुसार थोड़ा-सा दूध और चीनी डालकर पीने से बुखार से राहत मिलता है।

सोआ का काढ़ा- यह शरीर के प्रतिरक्षी तंत्र को तो उन्नत करता ही है साथ ही बुखार को कम करने में भी सहायता करता है। फल्वेनॉयड और मोनोटर्पीन के गुण होने के कारण यह फीवर से राहत दिलाने में मदद कर पाता है। एक कप पानी में एक बड़ा चम्मच सोआ के दाने, एक छोटा चम्मच काली मिर्च और एक छोटा चम्मच कलौंजी डालकर दस मिनट तक उबालें। उबालने के बाद एक कप में छान लें और उसमें एक चुटकी दालचीनी का पावडर डालकर अच्छी तरह से मिला लें। काढ़ा को पीने से बुखार से राहत मिलेगी।

राइस स्टार्च- उपचार का यह तरीका बहुत पुराना है। यह शरीर से विषाक्त पदार्थ को निकालने में बहुत मदद करता है। जिससे प्रतिरक्षी तंत्र को वायरस से लड़ने में शक्ति मिलती है। राइस स्टार्च पौष्टिकता से भरपूर होता है इसलिए इसके सेवन से रोगी को शक्ति मिलती है।

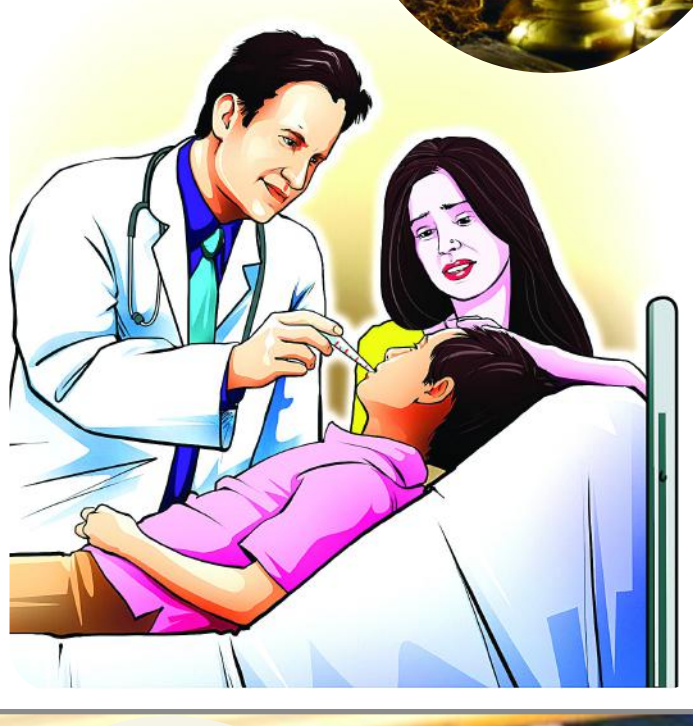

फिटनेस या वेट लॉस

सेहत और लुक्स दोनों को लेकर दुनिया में जागरूकता दिन ब दिन बढ़ रही है। ऐसे में वजन बढ़ने की समस्या को लेकर चिंतित होना लाजिमी है। वजन के चलते आप एक दिन भी अपनी मॉर्निंग वॉक या जिम क्लास को मिस नहीं करना चाहते। लेकिन क्या सिर्फ वजन घटाना काफी है? बढ़ते हुए वजन को कम करने में जुटा हर इंसान रोज एक बात जरूर सोचता है कि कैसे एक्सट्रा वजन कम किया जाए। हो सकता है आपने वजन कम कर लिया हो और स्लिम बॉडी भी हासिल कर ली हो, लेकिन क्या आप चुस्त-तंदुरुस्त भी हैं? वजन घटाने के साथ-साथ फिटनेस होना भी बेहद जरूरी है। सिर्फ स्लिम होने का मतलब फिट होना नहीं होता। फिटनेस का मतलब है पूरी तरह से अच्छी सेहत और ये सिर्फ अच्छे खानपान और वर्जिश से ही हासिल की जा सकती है। ये जानना बेहद जरूरी है कि फिटनेस का मतलब वजन घटाना होता है, लेकिन सिर्फ वजन घटाने का मतलब फिट होना नहीं होता। अब अस्वस्थ तरीके से भी वजन घटा सकते हैं। फिटनेस के लिये अच्छा खाना, अच्छा आराम, अच्छी एक्सरसाइज सबकुछ बेहद जरूरी है। वजन घटाने के चक्कर में अक्सर आपका पाचन तंत्र बिगड़ जाता है। डाइट में हुए परिवर्तन से बिगड़े पाचन तंत्र को एक्सरसाइज के जरिये ठीक किया जा सकता है। इसके लिये ठीक से सांस लेना, चलना और दूसरी शारीरिक गतिविधियों की मदद भी ली जा सकती है। फिटनेस आपकी स्किन को भी हेल्दी बनाती है। जबकि सिर्फ वजन घटाने से आपका श्वसन तंत्र प्रभावित हो सकता है। फिट रहने से आपका हृदय में स्मूद ब्लड और ऑक्सीजन सर्कुलेशन, स्वस्थ फेफड़े, कॉर्डियोवेस्कुलर सिस्टम भी सुधरता है। शारीरिक फिटनेस का मतलब सिर्फ शरीर की मजबूती नहीं बल्कि मानसिक मजबूती से भी है। सभी शारीरिक गतिविधियां आपको मानसिक तौर पर भी मजबूत बनाती है। वजन घटाने की जल्दी आपको मानसिक दबाव का शिकार बना सकती है। एक्सरसाइज करने से आपके मसल्स में सुधार होगा और आपकी पूरी पर्सनैलिटी निखरेगी। तो खुश रहने के लिये अब सिर्फ वजन मत घटाइये बल्कि फिटनेस पर ध्यान दीजिये।

बच्चों के खाने को इंट्रेस्टिंग बनाना है जरूरी

हेल्दी फूड का नाम सुनकर बच्चे अकसर मुंह बनाकर पीछे हट जाते हैं। उन्हें खाना खिलाना मां के लिए एक बड़ी चुनौती की तरह होता है। हेल्दी खाना वह खाते नहीं और जंक फूड उनकी सेहत के लिए ठीक नहीं। ऐसे में पेरेंट्स को चाहिए खाने को एक इंट्रेस्टिंग स्टाइल में बच्चों के सामने पेश करें। कुछ खास बातों को जान लें और बच्चों को खिलाएं उनके हेल्थ के लिए जरूरी खाना।

कार्टून कैरेक्टर्स का उदाहरण दें

अगर बच्चे कार्टून पसंद करते हैं तो उनके फेवरेट कैरेक्टर के बारे में खाते वक्त जान के बताएं कि वह कार्टून कैरेक्टर भी यही खाना खाता है। बच्चे अगर खाने से दूर भागते हैं तो वक्त-वक्त पर उन्हें खाने और कार्टून कैरेक्टर के जुड़ाव के बारेमें बताते रहें।

संजीवनी टुडे

रंगों का रखें ख्याल

बच्चों को रंग बहुत पसंद होते हैं, खासतौर से ब्राइट शेड्स। इसलिए कोशिश करें कि उन्हें रंगों सेभरा खाना दें। यानी खानेमें वह फल-सब्जी दें जिनका रंग ब्राइट हो। जैसे ऑरेंज, टमाटर, कैपसिकम, गाजर आदि। इस तरह के रंगों की सब्जी और फल उनकी प्लेट पर सजाएं। अगर खाने की प्लेट रंगीन दिखेगी, वह जरूर चखेंगे। ऐसे ही टिफिन भी हमेशा अलग- अलग रंगों की सब्जी से सजा होना जरूरी है।

Other tricks: डिफरेंट शेप में परोसें, नाम बदल दें, फूड सिलेक्शन में रखें साथ, कार्टून कैरेक्टर्स का उदाहरण दें।

डिफरेंट शेप में परोसें

बच्चों के खाने को हमेशा डिफरेंट शेप में परोसना चाहिए। क्योंकि वे शक्ल देखकर खाना खाते हैं। इसलिए अपने पास वेजिटबल और फरूट कटर जरूर रखें। इस कटर से आप खाने को डिफरेंट शेप आसानी से दे सकती हैं। जैसे रोटी को त्रिकोण बना दिया और ब्रेड स्लाइस को स्टार। ऐसे ही ग्रेवी वाली सब्जियों को प्लेट में डालते वक्त उनसे कोई शेप बना लें, जैसे सूर्य, चांद आदि। इस तरह की प्रेजेंटेशन देकखर बच्चे आसानी से खाना खा सकते हैं।

नाम बदल दें

बच्चों के सामने सब्जियों के नाम अलग लें। जैसेमटर को ग्रीन मार्बल्स कहें, ब्रॉकली को बेबी ट्री। ऐसा करने से बच्चों के दिमाग में उन सब्जियों की अच्छी छवि बनेगी। जिससे उन सब्जियों को खिलाना आसान हो जाएगा। उनसे बात करते वक्त आप खुद से कुछ अलग नाम फल-सब्जी को दे सकती हैं।

फूड सिलेक्शन में रखें साथ

कभी खाना पकाते वक्त तो कभी फल-सब्जी खरीदते वक्त उन्हें साथ रखें। बच्चों को इन सभी चीजों में बड़ी दिलचस्पी होती है, तो उनकी इस दिलचस्पी को आप इस्तेमाल करें। बच्चे अपने सामने कुछ होते देखते हैं तो उसका हिस्सा जरूर बनना चाहते हैं। उनके सामने खाना खेल के तरीके से बनाएंगी तो वह खाना जरूर चखेंगे।

सूर्यास्त के आसपास भोजन करने के हैं फायदे

सेहत के दृष्टिकोण से रात का भोजन जल्दी कर लेने के कई फायदे हैं। हालांकि, आजकल की व्यस्त जिंदगी में लोग रात का भोजन देर से करते हैं, जिसका सेहत पर दुष्प्रभाव पड़ता है। आहार विशेषज्ञों के अनुसार, रात का खाना जल्दी खाना चाहिए या सोने के दो घंटे पूर्व खाएं। हमेशा हल्का व सात्विक भोजन लेना चाहिए। कोशिश यह करनी चाहिए कि सूर्यास्त के आसपास हमें रात का भोजन ग्रहण कर लेना चाहिए। बताया जाता है कि सूर्यास्त के साथ शरीर की फैट जलाने की शक्ति गायब हो जाती है। इसलिए अक्सर बड़े बुजुर्ग भी कहते हैं कि सुबह का नाश्ता जमकर, दोपहर का भोजन उससे कम व रात का भोजन बिलकुल कम लें। आयुर्वेद के अनुसार, प्रकृति और सूर्य की रोशनी से हमारे भोजन चक्र का गहरा संबंध है। यदि रात का भोजन जल्दी ग्रहण कर लिया जाए तो कई बीमारियों से बचा जा सकता है।

मोटापे से बचाव

डिनर (रात का भोजन) अक्सर दिनभर का अंतिम भोजन होता है। दिन ढलते ही शरीर की प्रक्रिया और मेटाबोलिज्म धीमा हो जाता है। यदि आप देर से खाते हैं, तो वह भोजन ऊर्जा में पूरी तरह तब्दील नहीं होता है। देर से किया भोजन फैट को बढ़ाता है, जिससे वजन बढ़ने लगता है।

गैस्ट्रोइन्टेस्टाइनल समस्या में कमी

जो व्यक्ति देर से भोजन करते हैं, उनमें पाचनतंत्र की समस्या जैसे एसिडिटी, छाती में जलन आदि उत्पन्न होते हैं। जब आप देर से सोने जाते हैं तो पेट का अम्ल बढ़ता है और यह समस्या को बढ़ाता है। जल्दी भोजन कर लेने से पाचन तंत्र दुरुस्त रहता है।

बेहतर नींद

देर से भोजन के चलते खराब पाचन की क्रिया होती है, जिसका सीधा असर नींद पर पड़ता है।

शरीर के तंत्र में नवऊर्जा

रात का भोजन समय पर कर लेने से ब्रेन और दूसरे अंगों को फिर से स्फूर्तिदायक होने में मदद मिलती है। शरीर का सूर्योदय और सूर्यास्त से सीधा संबंध होता है। जब आप अपने शरीर को इसके अनुकूल काम करने देते हैं

नसों की कमजोरी से दिल के रोगों का खतरा

नसों की कमजोरी (इरेक्टाइल डिस्फंक्शन) दुनिया के 10 करोड़ से ज्यादा पुरुषों में पाई जाती है। इनमें से 50 प्रतिशत की उम्र 40 से 70 साल के बीच है। इस रोग से सबसे ज्यादा पीड़ित विकासशील देशों में से होने का अनुमान है। इस रोग के कारण हैं- बढ़ता तनाव, अस्वस्थ जीवनशैली और दिल के रोग। यहां के एडवांस फर्टीलिटी एंड गायनिकोलॉजिकल सेंटर की डायरेक्टर व आईवीएफ एंड इनफर्टिलिटी स्पेशलिस्ट डॉ. काबेरी बनर्जी ने बताया कि इरेक्टाइल डिस्फंक्शन और दिल के रोगों में अंतर-संबंध पाया गया है। दोनों एक साथ हो सकते हैं और दोनों के ही अपने-अपने खतरे हैं। दोनों के ही पैथोलॉजिकल आधार एक जैसे हैं, क्योंकि दोनों मामलों में तंतुओं की कार्यप्रणाली पर प्रतिकूल प्रभाव पड़ता है। उन्होंने कहा कि यह जानना बेहद अहम है कि जब नसों की कमजोरी 60 साल से कम उम्र के पुरुषों में होती है तो यह भविष्य में होने वाले दिल के रोगों के बढ़े हुए खतरे का संकेत भी होती है, जबकि इससे ज्यादा उम्र के लोगों के लिए यह समस्या किसी बड़े खतरे के संकेत वाली नहीं होती। डॉ. काबेरी का कहना है कि दिल के रोग जैसे कि रक्त धमनियों का सख्त होना, हाइपरटेंशन और हाई कॉलेस्टरॉल जैसे 70 प्रतिशत शारीरिक कारण नसों की कमजोरी की वजह हो सकते हैं। इन समस्याओं की वजह से दिल, दिमाग और लिंग की ओर रक्त के बहाव में बाधा पैदा हो जाती है। 60 साल की उम्र से ज्यादा के पुरुषों में नसों की कमजोरी की 50 से 60 प्रतिशत वजह केवल रक्त धमनियों का सख्त होना होता है। उन्होंने कहा कि कई शोधों में यह बात सामने आई है कि नसों की कमजोरी रक्त धमनियों की बीमारी का संकेत होती है, जिससे दिल के प्रतिकूल प्रभाव पड़ने के मामले और मृत्यु होने की संभावना बढ़ जाती है। हम नसों की कमजोरी वाले मरीज की कलर डोपलर अल्ट्रासाउंड के साथ लिंग की ओर रक्त बहाव की जांच करते हैं, जिन्हें दिल के रोगों का खतरा होता है। डॉ. काबेरी ने कहा कि इस बारे में भी जानकारी होनी चाहिए कि ऐसी हालत में यौन संबंध बनाने के दौरान या तुरंत बाद दिल का दौरा पड़ने की हल्की सी आशंका हो सकती है। दिल के रोग से पीड़ित मरीज के यौन संबंध बनाने के दौरान मायोकार्डियल एस्केमिया के खतरे की जांच के लिए एक्सरसाइज टेस्ट की सलाह दी जाती है। लोगों को नसों की कमजोरी और उससे होने वाले दिल के रोग से बचने के लिए जीवनशैली में आवश्यक बदलाव करने की भी सलाह दी जाती है। मैसाचुसेट्स मेल एजिंग स्टडी के अनुसार, दिल के रोग से पीड़ितों में नसों की कमजोरी की आशंका 39 प्रतिशत तक होती और तंबाकू का सेवन करने वालों में इसकी आशंका डेढ़ से दोगुना तक हो जाती है। इसलिए बांझपन के विशेषज्ञों के लिए यह बात जाननी अहम है कि दिल के रोग और पुरुषों में नसों की कमजोरी ऐसी आम बीमारी है जो एक साथ होती है और नसों की कमजोरी पुरुषों में दिल के रोगों का संकेत हो सकती है। बकौल डॉ. काबेरी, अन्य बीमारियां जिनका संबंध नसों की कमजोरी से होता है, उनमें डॉयबिटीज, किडनी की बीमारी, न्यूरोलॉजिकल बीमारी और प्रोस्टेट कैंसर शामिल हैं। डायबिटीज जीवनशैली से जुड़ी ऐसी बीमारी है, जिससे नसें और रक्त धमनियां क्षतिग्रस्त हो सकती हैं और पुरुष के यौन अंग में तनाव आने में रुकावट बन सकती है।

फॉर्म अस्थायी है, लेकिन क्लास स्थायी है : मुदस्सर

नई दिल्ली। अक्षय कुमार की लगातार फ्लॉप हो रही फिल्मों के बारे में कई बार अक्षय से भी सवाल किया जा चुका है। अब 'खेल खेल में' के डायरेक्टर ने अक्षय की फ्लॉप हो रही फिल्मों के बारे में प्रतिक्रिया दी है। उन्होंने कहा कि उन्हें भरोसा है कि अक्षय कुमार जल्द ही अपना रास्ता ढूंढ लेंगे। 'मैं फिल्म जर्नी में इतना जूनियर हूं कि अक्षय कुमार जैसे बड़े व्यक्ति पर टिप्पणी नहीं कर सकता। उनके पीछे 33 सालों का मनोरंजन है। वो हर रोज अपनी योग्यता और स्टारडम को साबित करने के लिए बाहर निकलते हैं। उनका दिमाग बहुत सोच समझकर काम करने वाला है। मुझे यकीन है वह कर रहे हैं। इसीलिए मैं कहता हूं कि फॉर्म अस्थायी है, लेकिन क्लास स्थायी है।'

लाइफ Style

जूही चावला

एंटरटेनमेंट इंडस्ट्री की सबसे अमीर महिला

एजेंसी ▶▶ नई दिल्ली

2024 की हुरुन इंडिया की अमीर लोगों की लिस्ट आ गई है। इस लिस्ट में एंटरटेनमेंट इंडस्ट्री की पांच हस्तियों ने भी जगह बनाई है। ये चारों हस्तियां बॉलीवुड से हैं। इस लिस्ट में शाहरुख खान टॉप पर रहे हैं। दूसरे नंबर पर जूही चावला हैं। तीसरे पर ऋतिक रोशन, चौथे नंबर अमिताभ बच्चन और पांचवें पर करण जौहर ने जगह बनाई है। इस लिस्ट में एंटरटेनमेंट इंडस्ट्री से एकमात्र महिला जूही चावला हैं।

दिलचस्प यह है कि इन दिनों वह फिल्मों में ज्यादा एक्टिव नहीं हैं, लेकिन शाहरुख खान के साथ आईपीएल टीम कोलकाता नाइट राइडर्स का मालिक बनना उनके लिए फायदे का सौदा रहा है। इस लिस्ट में जूही चावला और उनकी परिवार की नेट वर्थ चार हजार छह सौ करोड़ रुपए बताई गई है। इस लिस्ट में टॉप रहकर शाहरुख खान एंटरटेनमेंट इंडस्ट्री रईस स्टार बन गए हैं।

इस फैक्ट पर हुरुन की रिपोर्ट ने अपनी मुहर भी लगा दी है। हुरुन इंडिया रिच लिस्ट 2024 में शाहरुख खान और उनके परिवार की नेट वर्थ सात हजार तीन सौ करोड़ रुपए बताई गई है। किंग खान की कमाई का बड़ा हिस्सा उनकी कंपनी रेड चिलीज एंटरटेनमेंट और कोलकाता नाइट राइडर्स से है। फिर 58 साल के शाहरुख खान ने बैक टू बैक तीन हिट फिल्में पठान, जवान और डंकी भी दी हैं। जिन्होंने बॉक्स ऑफिस पर लगभग दो हजार छह सौ करोड़ रुपए कमाए थे। हुरुन की लिस्ट में तीसरा नाम ऋतिक रोशन का है। ऋतिक रोशन की नेटवर्थ दो हजार करोड़ रुपये है। जिसकी वजह ऋतिक रोशन का फेमस फिटनेस ब्रांड एचआरएक्स है। ऋतिक रोशन की फिल्मों की बात करें तो 2024 में फाइटर रिलीज हुई थी जिसने बॉक्स ऑफिस पर 337 करोड़ रुपए का कलेक्शन किया. उनकी अगली फिल्म वॉर 2 है।

हॉलीवुड मसाला

इस साल इन गानों ने मचाया धमाल

लॉस एंजिल्स। इस साल म्यूजिक इंडस्ट्री में कुछ ऐसे गाने सामने आए, जिन्होंने बिलबोर्ड हॉट 100 सिंगल चार्ट में पहले पायदान पर पहुंचकर श्रोताओं के दिलों में अपनी खास जगह बनाई। तमाम गानों में से चार गाने- पोस्ट मेलोन का आई हैड सम हेल्प, मेट्रो बूमिन का लाइक दैट, शबूजी का ए बार सॉन्ग और जैक हार्लो का लविन ऑन मी को लोगों ने काफी ज्यादा पसंद किया। पोस्ट मेलोन का गाना आई हैड सम हेल्प छह हफ्तों तक पहले पायदान पर रहा। इसे वॉलन ने भी गाया है। इस गाने ने हॉट 100 सिंगल चार्ट में जमकर जलवा बिखेरा।

'जुरासिक वर्ल्ड रीबर्थ' की पहली झलक आई सामने

लॉस एंजिल्स। यूनिवर्सल पिक्चर्स और एम्बलिन एंटरटेनमेंट की नई जुरासिक वर्ल्ड फिल्म के मेकर्स ने गुरुवार सुबह इसके टाइटल का खुलासा कर दिया है। इसके साथ ही फिल्म की पहली झलक भी सामने आ गई है। इस फिल्म का नाम 'जुरासिक वर्ल्ड रीबर्थ' है। अगले साल 2 जुलाई को ये सिनेमाघरों में रिलीज होगी। जोनाथन बेली और महरशला अली स्टारर जुरासिक वर्ल्ड रीबर्थ में एक टीम जमीन, समुद्र और हवा में तीन सबसे विशाल जीवों से डीएनए नमूनों को सुरक्षित करने के लिए दौड़ती हुई दिखाई देती है। जुरासिक वर्ल्ड डोमिनियन की घटनाओं के पांच वर्ष बाद प्लानेट की पारिस्थिति डायनासोर के लिए काफी हद तक अमानवीय साबित होती है। इस दौरान जो बचे हैं, वो अलग-अलग वातावरण में रहते हैं। जीवमंडल के भीतर तीन सबसे विशाल जीव एक ऐसी दवा की कुंजी रखते हैं, जो मानव जाति को चमत्कारिक जीवन रक्षक लाभ पहुंचाएगी।

50 करोड़ रुपए का मांगा हर्जाना

मुंबई। अभिनेत्री रिमी सेन ने अपनी लग्जरी कार में खराबी निकलने पर कंपनी के खिलाफ केस दर्ज करा दिया है। रिमी ने कंपनी पर लापरवाही और मानसिक उत्पीड़न का आरोप लगाया है। इसके साथ-साथ उन्होंने 50 करोड़ रुपए का हर्जाना भी मांगा है। गरम मसाला, थैंक्यू, संकट सिटी, धूम, दे ताली, जॉनी गद्दार, क्योंकि, गोलमाल और हंगामा समेत कई फिल्मों में काम कर चुकीं रिमी सेन का कहना है कि कार में कमी आने और उसे ठीक करने के कंपनी के तरीके से वो मानसिक रूप से पीड़ित हुई हैं और यही वजह है कि उन्हें यह कदम उठाना पड़ा। रिमी हर्जाने तौर पर 50 करोड़ तो मांग ही रही हैं। इसके अलावा कानूनी खर्चे के लिए भी 10 लाख रुपए की मांग की हैं। मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक, रिमी सेन की लैंड रोवर में सनरूफ, साउंड सिस्टम और रियर-एंड कैमरा में कुछ खामियां थी।

सप्ताह में तीन बार कर रही हैं उपवास

मुंबई। रुबीना दिलैक ने बताया कि अनियमित दिनचर्या, लगातार यात्रा और असंतुलित खान-पान जैसी चुनौतियों ने उनके लिए फिटनेस की यात्रा को ठीक से जारी रखना मुश्किल बना दिया। इसके बावजूद, वह अपनी दिनचर्या में इंटरमिटेंट फास्टिंग को शामिल करने में सफल रही हैं। टेलीविजन अभिनेत्री ने बताया कि वह लगातार सप्ताह में तीन बार उपवास कर रही हैं। उन्होंने आगे कहा, 'मैं वापस लौटना चाहती हूं और मैं लगातार कोशिश कर रही हूं।' रुबीना दिलैक ने उपवास और योग का अभ्यास जारी रखने की अपने प्लान्स को साझा करते हुए एक स्वस्थ जीवन शैली के साथ, रुबीना ने दूसरों को भी अपने जीवन में कुछ सकारात्मक बदलाव अपनाने के लिए प्रेरित करने की उम्मीद की। बता दें कि रुबीना दिलैक राजपाल यादव के साथ 'हम तुम मकतूब' नामक एक प्रोजेक्ट पर काम करने में व्यस्त हैं।

टीवी मसाला

टीआरपी की रेस में 'अनुपमा' ने फिर से सबको पछाड़ा

नई दिल्ली। 34वें हफ्ते के लिए बार्क की रेटिंग का इंतजार खत्म हो गया। टीवी शो के दर्शकों को ये जानने में बड़ी दिलचस्पी रहती है कि कौन-सा शो किस पायदान पर रहा और किसे कितनी रेटिंग मिली। तमाम टीवी शो के प्रदर्शन के हिसाब से 34वें हफ्ते में भी 'अनुपमा' का जलवा देखने को मिला है। रूपाली गांगुली और गौरव खन्ना की मुख्य भूमिका वाला शो 'अनुपमा' का टीआरपी में दबदबा कायम है और यह पहले पायदान पर काबिज है। इसे 2.4 मिलियन (24 लाख) इंप्रेशन मिले हैं। 'गुम है किसी के प्यार में' दूसरे स्थान पर रहा। इसकी रेटिंग 2.2 रही। इसमें भाविका शर्मा और हितेश भारद्वाज लीड रोल में करते हैं। 2.2 रेटिंग के साथ हिबा नवाब और कृशाल आहूजा की मुख्य भूमिका वाला शो 'झनक' तीसरे स्थान पर और 2.1 रेटिंग के साथ कंवर ढिल्लन और नेहा हरसोरा का शो 'उड़ने की आशा' चौथे स्थान पर है। लोकप्रिय शो 'ये रिश्ता क्या कहलाता है' 2.1 रेटिंग के साथ टॉप पांच में जगह बनाने में कामयाब रहा। टीआरपी के मामले में छठे स्थान पर 'एडवोकेट अंजलि अवस्थी' रहा। वहीं, रोहित शेट्टी द्वारा होस्ट किए जाने वाला स्टंट रिएलिटी शो 'खतरों के खिलाड़ी 14' सातवें स्थान पर रहा, 'लाफ्टर शेफ्स' आठवें, तारक मेहता का उल्टा चश्मा नौवें और कुंडली भाग्य दसवें पायदान पर रहा।

बैंक अकाउंट में थे 260 रुपए 'केबीसी' ने बना दिया लखपति

नई दिल्ली। अमिताभ बच्चन का क्विज शो 'कौन बनेगा करोड़पति 16' सुर्खियों में छाया हुआ है। अब तक शो के इस सीजन में कई लोग लखपति बन चुके हैं, लेकिन बहुत जल्द शो को पहला करोड़पति मिल सकता है। इस बीच मेकर्स ने 'केबीसी 16' का एक प्रोमो शेयर किया है, जिसमें मध्य प्रदेश के बंटी वादिवा हॉट सीट पर बैठकर गेम खेलते हुए नजर आ रहे हैं। वह 'केबीसी 16' में 1 करोड़ रुपए के सवाल तक पहुंच चुके हैं। सोनी टीवी के ऑफिशियल इंस्टाग्राम हैंडल पर 'केबीसी 16' का नया प्रोमो शेयर किया गया है। वीडियो में देखा जा सकता है कि हॉट सीट पर बंटी वादिवा नजर आ रहे हैं। वह कहते हैं, 'मुझे गर्व है कि मैं पहला आदिवासी हूं, जो हॉट सीट पर बैठा है। शो में आने से पहले मेरे बैंक अकाउंट में मात्र 260 रुपए थे, लेकिन अब मैं लखपति बन गया हूं।' 'कौन बनेगा करोड़पति 16' शो में बंटी 50 लाख रुपए की धनराशि जीत चुके हैं और अब वह करोड़पति बनने से सिर्फ एक कदम की दूरी पर हैं।

अब ओटीटी पर धमाल मचाने आई 'बैड न्यूज'

नई दिल्ली। बैड न्यूज हाल ही में रिलीज हुई बॉलीवुड कॉमेडी ड्रामा है, जिसमें एनिमल फेम तृप्ति डिमरी, विक्की कौशल और एमी विर्क मुख्य भूमिकाओं में हैं। आनंद तिवारी द्वारा निर्देशित यह फिल्म फिर से सुर्खियां बटोर रही है। यह फिल्म 19 जुलाई को सिनेमाघरों में रिलीज हुई थी। इसके बाद अब यह फिल्म ओटीटी पर धमाल मचाने आ गई है। सिनेमाघर में फिल्म देखने से चूके दर्शकों के लिए यह अच्छी खबर है कि अब ओटीटी पर इस फिल्म का लुक उठा सकते हैं। प्रशंसकों के लिए अच्छी खबर है कि बेड न्यूज अब हिंदी में अमेजन प्राइम वीडियो पर स्ट्रीमिंग के लिए उपलब्ध है। हालांकि, इसमें एक पेंच है। यह फिल्म मुफ्त में ओटीटी पर उपलब्ध नहीं है, बल्कि दर्शकों को इसे देखने के लिए किराया चुकाना पड़ेगा। ओटीटी प्लेटफार्म पर बैड न्यूज को स्ट्रीम करने के लिए दर्शकों को यह फिल्म किराए पर लेनी होगी, जो लोग इसे सिनेमाघर में नहीं देख पाए हैं और अब ओटीटी पर देखना चाहते हैं, उन्हें 349 रुपए किराए पर देने होंगे। यह फिल्म गुड न्यूज का सीक्वल है, जिसे धर्मा प्रोडक्शंस, लियो मीडिया कलेक्टिव और अमेजन प्राइम ने मिलकर प्रोड्यूस किया है।

दो सप्ताह से टस से मस नहीं हुई 'स्त्री 2'

नई दिल्ली। राजकुमार राव और श्रद्धा कपूर स्टारर हॉरर कॉमेडी फिल्म 'स्त्री 2' इस वक्त काफी चर्चा में बनी हुई है। 15 अगस्त के रिलीज हुई फिल्म का बॉक्स ऑफिस पर बोलबाला है। अमर कौशिक के निर्देशन में बनी 'स्त्री 2' ने ओपनिंग डे पर बम्पर कमाई की थी। इसने कई हिट फिल्मों के रिकॉर्ड तक को ब्रेक कर दिया है। शुक्रवार को 'स्त्री 2' को रिलीज हुए आधा महीना यानी 16 हो गए हैं। 'स्त्री 2' ने ओपनिंग डे पर 51.8 करोड़ रुपए का कलेक्शन किया था। इसके ओपनिंग डे कलेक्शन ने कई फिल्मों को कमाई के मामले में पीछे कर दिया। फिल्म के टोटल कलेक्शन की बात करें तो इसने अब तक 435.66 करोड़ रुपए कमा लिए हैं।

मिर्जापुर 3 का बोनस एपिसोड देख निराश हुए दर्शक

मुंबई। मिर्जापुर 3 के बोनस एपिसोड के एलान और उसमें मुन्ना भैया की वापसी की खबर कुछ इस अंदाज में दी गई कि दर्शकों की खुशी का ठिकाना नहीं रहा। प्राइम वीडियो की इस सीरीज के तीसरे सीजन का बोनस एपिसोड रिलीज कर दिया गया है। लेकिन, इसे देखते ही फैंस की सारी खुशी हवा हो गई। यूजर्स प्राइम वीडियो और सीरीज के मेकर्स पर भड़क रहे हैं। दरअसल, बोनस एपिसोड में मुन्ना भैया यानी एक्टर दिव्येंदु लौटे तो हैं, लेकिन उनका कोई किरदार नहीं है। रिलीज किया गया बोनस एपिसोड सीरीज के तीसरे सीजन के सारे एपिसोड के डिलीट सीन का मिश्रण है। मुन्ना भैया इसकी नैरेशन करते नजर आए हैं। फैंस जहां ये ख्वाब पाल बैठे थे कि मुन्ना भैया अपना भौकाल दिखाएंगे, सीरीज में नजर आएंगे, वहीं सारे ख्वाब अधूरे रह गए हैं। यूजर्स का मन ऐसा किरकिरा हुआ है कि अब उनका गुस्सा सोशल मीडिया पर फूट रहा है।

भक्ति में लीन सितारे धूमधाम से गणेश चतुर्थी मनाते नजर आए

इन फिल्मों में दिखा गणपति के प्रति प्रेम

मुंबई। गणेश चतुर्थी के दिन बाप्पा जल्द ही घर-घर में विराजमान होने वाले हैं। ऐसे में आपको ले चलते है बॉलीवुड की उन फिल्मों की ओर, जिनमें गणपति के प्रति प्रेम और बप्पा की भक्ति में लीन सितारे यह त्योहार धूम-धाम से मनाते नजर आए।

डॉन 2

1978 की फिल्म 'डॉन' के रीमेक ने किंग खान को इस फिल्म में उनका पहला गणेश सॉन्ग दिया। यह गाना दर्शकों के बीच काफी लोकप्रिय हुआ और उत्सव के गानों की लिस्ट में तुरंत शामिल हो गया। इस फिल्म में शाहरुख खान का इंट्रोडक्शन गाने के तौर पर दिखाया गया है।

अग्निपथ

'अग्निपथ' जैसी एक्शन-ड्रामा फिल्म के रीमेक में, गणेश चतुर्थी के सीक्वेंस में मुख्य किरदार 'विजय दीनानाथ चौहान' की असलियत का दर्शकों को पता चलता है। इस पूरे गाने का पिक्चराइजेशन बेहद ही खूबसूरत है। इसमें एक भाई-बहन का प्यार और बप्पा की भक्ति साफ नजर आती है। ऋतिक रोशन और प्रियंका चोपड़ा पर फिल्माए गए इस गाने को दर्शक आज भी देखना पसंद करते हैं।

वांटेड

'वांटेड' एक भारतीय हिन्दी फिल्म है, जिसका निर्देशन प्रभु देवा ने और निर्माण बोनी कपूर ने किया है। इस फिल्म में सलमान खान, आयशा टाकिया मुख्य भूमिका में नजर आए थे। फिल्म में एक डांस सीक्वेंस है, जिसमें खासतौर गणेश चतुर्थी का त्योहार दिखाया गया है। इस गाने पर सलमान खान ने जबर्दस्त डांस किया है।

जुड़वा

'जुड़वा' में वरुण धवन ने गणेश चतुर्थी के मौके पर धमाकेदार डांस सीक्वेंस किया है। उनका यह गाना आज भी गणेश चतुर्थी के अवसर पर बजाया जाता है।

अतिथि तुम कब जाओगे

मुंबई में बसे एक जोड़े पर आधारित यह कहानी, जिनके जीवन में एक बड़ा मोड़ तब आता है, जब एक दूर का रिश्तेदार अचानक उनके घर आता है और उनके व्यक्तिगत और व्यावसायिक जीवन में इंटरफेयर करना शुरू कर देता है। गणेश चतुर्थी ने इस फिल्म की कहानी को एक अलग और नया मोड़ देकर इस फिल्म को और दिलचस्प बना दिया था।

सत्या

'सत्या' एक गैंगस्टर ड्रामा फिल्म है, जिसमें गणेश चतुर्थी क्लाइमेक्स का अहम हिस्सा है। इसमें गणपति विसर्जन के लिए बड़ी संख्या में उमड़ी भीड़ का इस्तेमाल करते हुए, सत्या सब कुछ छोड़ने का फैसला करने से पहले एक गैंगस्टर के रूप में एक आखिरी काम करने की कोशिश करता है।

खबर संक्षेप

आरबीआई ने यूको बैंक पर लगाया जुर्माना

मुंबई। आरबीआई ने चालू खाता खोलने, जमा पर ब्याज दर और धोखाधड़ी वर्गीकरण सहित कुछ प्रावधानों के उल्लंघन के लिए यूको बैंक पर 2.68 करोड़ रुपये का जुर्माना लगाया है। 'अपने ग्राहक को जानो' (केवाईसी) निर्देशों के कुछ प्रावधानों का अनुपालन न करने पर सेंट बैंक होम फाइनेंस लिमिटेड पर भी 2.1 लाख रुपये का जुर्माना लगाया है।

एलआईसी को 606 करोड़ की जीएसटी मांग नोटिस

नई दिल्ली। भारतीय जीवन बीमा निगम (एलआईसी) को कर अधिकारियों से वित्त वर्ष 2019-20 के लिए माल एवं सेवा कर (जीएसटी) का कम भुगतान करने पर लगभग 605.58 करोड़ रुपये की मांग को लेकर नोटिस मिला है। एलआईसी ने कहा कि उसे महाराष्ट्र जीएसटी प्राधिकरण से कर समेत ब्याज और जुर्माने के लिए नोटिस मिला है।

जिलेट इंडिया का लाभ बढ़कर 116 करोड़ रुपए

नई दिल्ली। जिलेट इंडिया लिमिटेड का शुद्ध लाभ जून तिमाही में 26.4 प्रतिशत बढ़कर 115.97 करोड़ रुपये रहा। कंपनी ने एक साल पहले इसी तिमाही में 91.75 करोड़ रुपये का लाभ अर्जित किया था। कंपनी वित्त वर्ष जुलाई-जून का अनुपालन करती है। आलोच्य तिमाही के दौरान परिचालन आय 4.17 प्रतिशत बढ़कर 645.33 करोड़ रुपये हो गयी।

टोयोटा का वाहन ऋण के लिए यूनियन बैंक से करार

नई दिल्ली। टोयोटा किर्लोस्कर मोटर ने शुक्रवार को कहा कि उसने वाहन वित्तपोषण समाधान के लिए यूनियन बैंक ऑफ इंडिया के साथ एक समझौता ज्ञापन (एमओयू) पर हस्ताक्षर किए हैं। कंपनी ने एक बयान में कहा कि इस साझेदारी के तहत ग्राहक निजी इस्तेमाल के लिए खरीदे गए किसी भी टोयोटा वाहन की कीमत पर 90 प्रतिशत तक का वित्तपोषण पा सकते हैं।

सोना 100 रुपए मजबूत हुआ, चांदी स्थिर

नई दिल्ली। स्थानीय आभूषण विक्रेताओं की ताजा मांग से दिल्ली सराफा बाजार में शुक्रवार को सोने का भाव 100 रुपये की तेजी के साथ 74,350 रुपये प्रति 10 ग्राम पर पहुंच गया। अखिल भारतीय सराफा संघ ने यह जानकारी दी। इससे पिछले कारोबारी सत्र में 99.9 प्रतिशत शुद्धता वाला सोना 74,250 रुपये प्रति 10 ग्राम पर बंद हुआ था।

डीजीसीए ने स्पाइसजेट को निगरानी के दायरे में रखा

नई दिल्ली। विमानन नियामक डीजीसीए ने संकटग्रस्त स्पाइसजेट को अधिक निगरानी के दायरे में रखने का फैसला किया। इसके तहत एयरलाइन के परिचालन की सुरक्षा सुनिश्चित करने के लिए मौके पर जांच और रात्रि निगरानी बढ़ाई जाएगी। उड़ानें रद्द किए जाने और वित्तीय दिक्कतों का सामना किए जाने की रिपोर्टों के आधार पर, डीजीसीए ने कहा कि उसने सात और आठ अगस्त को एयरलाइन की इंजीनियरिंग सुविधाओं का विशेष ऑडिट किया और ऑडिट के दौरान कुछ कमियां पाई गईं।

विस्तारा 11 नवंबर को अपने ब्रांड के तहत अंतिम उड़ान करेगी संचालित

एजेंसी ▶▶ नयी दिल्ली/सिंगापुर

सरकार ने एयर इंडिया समूह में सिंगापुर एयरलाइंस (एसआईए) के 2,058.5 करोड़ रुपये के प्रत्यक्ष विदेशी निवेश (एफडीआई) को मंजूरी दे दी है। विस्तारा के एयर इंडिया के साथ विलय के तहत यह मंजूरी दी गई है।

- सौदे से दुनिया के सबसे बड़े एयरलाइन समूहों में से एक होगी

इस सौदे से दुनिया के सबसे बड़े एयरलाइन समूहों में से एक का गठन होगा। टाटा समूह और सिंगापुर एयरलाइंस के बीच संयुक्त उद्यम (जेवी) विस्तारा विलय सौदे के तहत 11 नवंबर को बंद हो जाएगी। विलय पूरा होने के बाद सिंगापुर की इस विमानन कंपनी के पास एयर इंडिया समूह में 25.1 प्रतिशत हिस्सेदारी होगी।

सरकार ने एसआईए के प्रत्यक्ष विदेशी निवेश को दी मंजूरी

वर्ष अंत तक विलय पूरा होने की उम्मीद

विमानन कंपनी ने बताया कि विलय का पूरा होना, संबंधित पक्षों द्वारा लागू भारतीय कानूनों के अनुपालन के अधीन है। इसके अगले कुछ महीनों में पूरा होने की उम्मीद है। कंपनी सूचना के अनुसार, " प्रस्तावित विलय के 2024 के अंत तक पूरा होने की उम्मीद है।" एसआईए के 2,058.5 करोड़ रुपये के एफडीआई के लिए सरकार की मंजूरी विलय का अंतिम बड़ा पड़ाव था।

विस्तारा के बेड़े में 70 विमान

विस्तारा अभी घाटे में है और उसके पास 70 विमानों का बेड़ा है। यह 50 गंतव्यों के लिए उड़ान भरती है। कंपनी 11 नवंबर को अपने ब्रांड के तहत अंतिम उड़ान भरेगी। जुलाई में इसकी घरेलू बाजार हिस्सेदारी 10 प्रतिशत थी। तीन सितंबर 2024 से ग्राहक 12 नवंबर 2024 को या उसके बाद की यात्रा के लिए विस्तारा की उड़ान के लिए बुकिंग नहीं कर पाएंगे।"

सिंगापुर ने एक्सचेंज को दी सूचना : सिंगापुर एयरलाइंस (एसआईए) ने शुक्रवार को सिंगापुर स्टॉक एक्सचेंज को दी सूचना में बताया, एयर इंडिया के साथ विस्तारा के प्रस्तावित विलय के हिस्से के रूप में प्रत्यक्ष विदेशी निवेश (एफडीआई) के लिए भारत सरकार से उसे मंजूरी मिल गई है।

एयर इंडिया में 12 नवंबर को होगी शामिल

एसआईए ने एक बयान में कहा, यह मंजूरी विलय की दिशा में एक महत्वपूर्ण प्रगति है। विलय के इस वर्ष के अंत तक पूरा होने की उम्मीद है। मंजूरी मिलने के बाद एयर इंडिया के मुख्य कार्यपालक अधिकारी (सीईओ) और प्रबंध निदेशक (एमडी) कैम्पबेल विल्सन ने शुक्रवार को कर्मचारियों को बताया कि विस्तारा के विमान और चालक दल को एयर इंडिया में शामिल करने की तारीख 12 नवंबर तय की गई है।

सिंगापुर एयरलाइंस के बीच 51:49 का होगा अनुपात : इसके बाद, विस्तारा के विमानों का परिचालन एयर इंडिया द्वारा किया जाएगा और इन विमानों द्वारा संचालित मार्गों के लिए बुकिंग एयर इंडिया की वेबसाइट पर पुनः निर्देशित की जाएगी। एयर इंडिया का स्वामित्व टाटा समूह के पास है और विस्तारा टाटा तथा सिंगापुर एयरलाइंस के बीच 51:49 अनुपात वाला संयुक्त उद्यम है।

कृषि और सेवा क्षेत्रों के खराब प्रदर्शन से पड़ा असर

पहली तिमाही में आर्थिक वृद्धि दर घटकर 6.7 प्रतिशत पर, 15 माह का निचला स्तर

एजेंसी ▶▶ नई दिल्ली

भारत की आर्थिक वृद्धि दर चालू वित्त वर्ष 2024-25 की पहली अप्रैल-जून तिमाही में घटकर 15 महीने के निचले स्तर 6.7 प्रतिशत पर आ गई। शुक्रवार को जारी सरकारी आंकड़ों के मुताबिक मुख्य रूप से कृषि और सेवा क्षेत्रों के खराब प्रदर्शन के चलते वृद्धि दर घटी है। एक साल पहले वित्त वर्ष 2023-24 की अप्रैल-जून तिमाही में सकल घरेलू उत्पाद (जीडीपी) की वृद्धि दर 8.2 प्रतिशत रही थी।

भारत दुनिया की सबसे तेजी से बढ़ने वाली प्रमुख वैश्विक अर्थव्यवस्था बना हुआ है। गौरतलब है कि अप्रैल-जून तिमाही में चीन की जीडीपी वृद्धि दर 4.7 प्रतिशत रही है।

राष्ट्रीय सांख्यिकी कार्यालय (एनएसओ) ने शुक्रवार को जारी आंकड़ों में बताया कि समीक्षाधीन तिमाही के दौरान कृषि क्षेत्र की वृद्धि दर दो प्रतिशत रही। बीते वित्त वर्ष 2023-24 की अप्रैल-जून तिमाही में यह आंकड़ा 3.7 प्रतिशत था। दूसरी ओर विनिर्माण क्षेत्र की वृद्धि सालाना आधार पर पांच प्रतिशत से बढ़कर चालू वित्त वर्ष की पहली तिमाही में सात प्रतिशत हो गई।

- एक साल पहले समान अवधि में जीडीपी 8 .2 फीसदी रही
- भारत दुनिया की सबसे तेजी से बढ़ने वाली अर्थव्यवस्था
- अप्रैल-जून तिमाही में चीन की जीडीपी वृद्धि दर 4 .7 प्रतिशत रही

अनुमान के हिसाब से वृद्धि धीमी

इक्रा की मुख्य अर्थशास्त्री अदिति नायर ने कहा, "भारत की जीडीपी वृद्धि अनुमान के मुताबिक वित्त वर्ष 2023-24 की चौथी तिमाही के मुकाबले वित्त वर्ष 2024-25 की पहली तिमाही में धीमी हो गई (7.8 प्रतिशत से घटकर पांच तिमाही के निचले स्तर 6.7 प्रतिशत पर)। हालांकि, इन तिमाहियों के बीच जीवीए वृद्धि आश्चर्यजनक रूप से तेज हो गई (6.3 प्रतिशत से 6.8 प्रतिशत तक)।"

कृषि क्षेत्र की जीवीए वृद्धि घटकर दो फीसदी : नायर ने बताया कि इस विरोधाभास की वजह शुद्ध अप्रत्यक्ष करों की वृद्धि में सामान्यीकरण है और ऐसे में हमारा मानना है कि जीडीपी वृद्धि में कमी चिंता का कारण नहीं है।राष्ट्रीय सांख्यिकी कार्यालय (एनएसओ) के आंकड़ों के मुताबिक, कृषि क्षेत्र में जीवीए (सकल मूल्य वर्धन) वृद्धि 3.7 प्रतिशत से घटकर दो प्रतिशत रह गई।

खनन क्षेत्र में रही वृद्धि

आंकड़ों के अनुसार, 'खनन और संबद्ध' क्षेत्र में उत्पादन (जीवीए) सालाना आधार पर सात प्रतिशत से बढ़कर 7.2 प्रतिशत हो गया। बिजली, गैस, जलापूर्ति और अन्य उपयोगिता सेवा खंड 3.2 प्रतिशत से बढ़कर 10.4 प्रतिशत पर पहुंच गया। निर्माण खंड में भी वृद्धि दर सालाना आधार पर 8.6 प्रतिशत से बढ़कर 10.5 प्रतिशत हो गई।

व्यापार, होटल और परिवहन सेवाओं की गति धीमी रही

व्यापार, होटल, परिवहन, संचार और प्रसारण से संबंधित सेवाओं की गति सालाना आधार पर 9.7 प्रतिशत से धीमी होकर 5.7 प्रतिशत रह गई। नायर ने कहा कि निर्माण जीवीए वृद्धि में तेजी, जो 8.5 प्रतिशत से बढ़कर 11.6 प्रतिशत हो गई, विशेष रूप से आश्चर्यजनक है। ऐसा इसलिए है क्योंकि निर्माण से संबंधित संकेतकों, जैसे सीमेंट और इस्पात उत्पादन में इन तिमाहियों के बीच वृद्धि धीमी हो गई थी।

सेबी ने 39 शेयर और सात जिंस ब्रोकर का पंजीकरण किया रद्द

- पंजीकरण अनिवार्यता पूरी करने में रहे असफल

एजेंसी ▶▶ नई दिल्ली

भारतीय प्रतिभूति एवं विनिमय बोर्ड (सेबी) ने शुक्रवार को 39 शेयर ब्रोकर और सात जिंस ब्रोकर का पंजीकरण रद्द कर दिया। पंजीकरण अनिवार्यताएं पूरी करने में विफल रहने पर इन ब्रोकर का पंजीकरण रद्द किया गया है।

- 22 'डिपॉजिटरी' प्रतिभागियों का पंजीकरण भी रद्द

नियामक ने उन 22 'डिपॉजिटरी' प्रतिभागियों का पंजीकरण भी रद्द कर दिया, जो अब किसी भी 'डिपॉजिटरी' से संबद्ध नहीं हैं। सेबी ने तीन अलग-अलग आदेशों में कहा, इन इकाइयों के पंजीकरण प्रमाणपत्र को रद्द करने का मुख्य कारण उन्हें 'डिपॉजिटरी' का सक्रिय भागीदार या मान्यता प्राप्त स्टॉक एक्सचेंज का सदस्य बने बिना अपने सेबी पंजीकरण का दुरुपयोग करने से रोकना है, जिससे 'अनजान' निवेशकों की सुरक्षा हो सके। वे सेबी को देय किसी भी बकाया शुल्क, बकाया तथा ब्याज का भुगतान करने के लिए भी जिम्मेदार हैं। सेबी ने अपने आदेश में कहा कि 39 शेयर ब्रोकर और सात जिंस ब्रोकर को कुछ शर्तों के तहत पंजीकरण प्रदान किया गया था।

जिन 39 शेयर ब्रोकर का पंजीकरण रद्द किया गया है उनमें बेजल स्टॉक ब्रोकर्स, रिफ्लेक्शन इन्वेस्टमेंट्स, सम्पूर्ण पोर्टफोलियो, विनीत सिक्योरिटीज, क्वॉन्टम ग्लोबल सिक्योरिटीज, वेलिंडिया सिक्योरिटीज, ब्राइज सिक्योरिटीज, क्रेडेंशियल स्टॉक ब्रोकर्स, आन्या कमोडिटीज, एम्बर सॉल्यूशंस, आर्केडिया शेयर एंड स्टॉक ब्रोकर्स और सी.एम. गोयनका स्टॉक ब्रोकर्स, डेस्टिनी सिक्योरिटीज शामिल हैं।

अटलांटा शेयर शॉपी का पंजीकरण रद्द

इंटिग्रेटेड स्टॉक ब्रोकिंग सर्विसेज, मूंगिपा इन्वेस्टमेंट्स, एएसएल कैपिटल होल्डिंग्स, अटलांटा शेयर शॉपी, वेल्थ मंत्रा, पंजाब एंड महाराष्ट्र को-ऑपरेटिव बैंक, मैक्स प्लानवेल्थ सिक्योरिटीज, ब्राइट शेयर्स एंड स्टॉक उन 22 संस्थाओं में शामिल हैं जिनका 'डिपॉजिटरी' प्रतिभागियों के रूप में पंजीकरण रद्द कर दिया गया है।

मजबूत वैश्विक रुख से सेंसेक्स और निफ्टी पहुंचे नए शिखर पर

एजेंसी ▶▶ मुंबई

वैश्विक बाजारों में मजबूती के रुख और विदेशी कोषों की लिवाली के चलते शुक्रवार को प्रमुख शेयर सूचकांक सेंसेक्स और निफ्टी अपने नए सर्वकालिक उच्चस्तर पर पहुंच गए। सूचकांक में बड़ी हिस्सेदारी रखने वाली कंपनियों भारती एयरटेल, आईसीआईसीआई बैंक और इन्फोसिस के शेयरों में खरीदारी से भी बाजार धारणा को बल मिला।

- बाजार में विदेशी निवेशक व संस्थानों की रही खरीदारी
- एयरटेल, आईसीआईसीआई बैंक व इंफोसिस में रही तेजी

लगातार 9वें कारोबारी सत्र में तेजी के साथ, 30 शेयरों वाला बीएसई सेंसेक्स 231.16 अंक चढ़कर 82,365.77 अंक के सर्वकालिक उच्चस्तर पर बंद हुआ। दिन के कारोबार में यह 502.42 अंक या 0.61 प्रतिशत उछला। बीएसई पर कुल 2,228 शेयरों में तेजी आई, जबकि 1,701 में गिरावट आई और 116 शेयरों के भाव में कोई बदलाव नहीं हुआ। नेशनल स्टॉक एक्सचेंज का निफ्टी 83.95 अंक या 0.33 प्रतिशत बढ़कर 25,235.90 अंक के नये सर्वकालिक उच्चस्तर पर पहुंच गया।

बजाज फाइनेंस में रही तेजी

सेंसेक्स की 30 कंपनियों में बजाज फाइनेंस, महिंद्रा एंड महिंद्रा, एनटीपीसी, पावर ग्रिड, बजाज फिनसर्व, भारती एयरटेल और टाटा कंसल्टेंसी सर्विसेज में उल्लेखनीय बढ़त हुई।

टाटा मोटर्स में आई गिरावट

दूसरी ओर टाटा मोटर्स, एचडीएफसी बैंक, रिलायंस इंडस्ट्रीज, टेक महिंद्रा और आईटीसी के शेयरों में गिरावट आई। व्यापक बाजारों में बीएसई स्मॉलकैप सूचकांक 0.75 प्रतिशत और मिडकैप 0.53 प्रतिशत चढ़ा।

यूरोप में मुद्रास्फीति घटकर 2.2% पर आई

एजेंसी ▶▶ फ्रैंकफर्ट (जर्मनी)

यूरो का उपयोग करने वाले यूरोपीय संघ (ईयू) के 20 देशों में मुद्रास्फीति अगस्त में तेजी से गिरकर 2.2 प्रतिशत पर आ गई है। इससे यूरोपीय केंद्रीय बैंक (ईसीबी) के लिए ब्याज दरों में कटौती का रास्ता खुल गया है।

ईसीबी और अमेरिकी फेडरल रिजर्व वृद्धि और नौकरियों को समर्थन देने के लिए कर्ज की लागत कम करने की तैयारी कर रहे हैं। अगस्त का आंकड़ा जुलाई के 2.6 प्रतिशत से कम है। अगस्त में ऊर्जा की कीमतों में तीन प्रतिशत की गिरावट आई, जिससे समग्र आंकड़े कम करने में मदद मिली, जबकि यूरो क्षेत्र की सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था जर्मनी में मुद्रास्फीति घटकर दो प्रतिशत पर आ गई है। मासिक आंकड़ा अब ईसीबी के दो प्रतिशत के लक्ष्य के करीब है, जो अर्थव्यवस्था के लिए सबसे अच्छा माना जाने वाला स्तर है। यूरोपीय केंद्रीय बैंक को यूरोपीय संघ की स्थापना करने वाली संधि के तहत स्थिर कीमतें बनाए रखने का काम सौंपा गया है। यूरोपीय संघ के सभी 27 देश यूरो का उपयोग नहीं करते हैं।

- ब्याज दरों में कटौती का रास्ता साफ
- कर्ज की लागत कम करने की तैयारी

ब्याज दर 3.75 फीसदी से 0.25 फीसदी घट सकता है : अर्थशास्त्रियों को उम्मीद है कि ईसीबी 12 सितंबर की बैठक में अपनी प्रमुख ब्याज दर को 3.75 प्रतिशत से 0.25 प्रतिशत तक घटा सकता है, जबकि फेडरल रिजर्व द्वारा 17-18 सितंबर की अपनी नीतिगत बैठक में भी ब्याज दर में कटौती की उम्मीद है। अभी अमेरिका में नीतिगत दर 5.25-5.50 प्रतिशत के 23 साल के उच्चतम स्तर पर है।

सरकार को आईओसी से 5,091 करोड़ रुपये का लाभांश मिला

नई दिल्ली। निवेश और सार्वजनिक संपत्ति प्रबंधन विभाग (दीपम) ने कहा कि सरकार को इंडियन ऑयल कॉरपोरेशन से लाभांश के रूप में लगभग 5,091 करोड़ रुपये मिले हैं। दीपम सचिव तुहिन कांता पांडेय ने सोशल मीडिया मंच 'एक्स'' पर लिखा, ''सरकार को आईओसीएल से लाभांश किस्त के रूप में लगभग 5,091 करोड़ रुपये मिले हैं।" चालू वित्त वर्ष 2024-25 के दौरान अब तक केंद्रीय लोक उपक्रमों से लाभांश के रूप में 10,604.74 करोड़ रुपये प्राप्त हुए हैं। सरकार ने चालू वित्त वर्ष के बजट में सार्वजनिक क्षेत्र के उद्यमों से लाभांश के रूप में 56,260 करोड़ रुपये प्राप्त करने का लक्ष्य रखा है।

देश के विदेशी मुद्रा भंडार में इजाफा

एजेंसी ▶▶ मुंबई

देश का विदेशी मुद्रा भंडार 23 अगस्त को समाप्त सप्ताह में 7.02 अरब डॉलर से अधिक बढ़कर 681.68 अरब डॉलर के नये रिकॉर्ड उच्च स्तर पर पहुंच गया। भारतीय रिजर्व बैंक (आरबीआई) ने शुक्रवार को यह जानकारी दी। इससे पिछले सप्ताह विदेशी मुद्रा भंडार 4.54 अरब डॉलर बढ़कर 674.66 अरब डॉलर रहा था। इससे पहले समग्र मुद्रा भंडार का सर्वकालिक उच्चतम स्तर दो अगस्त को 674.91 अरब डॉलर दर्ज किया गया था। रिजर्व बैंक की ओर से शुक्रवार को जारी आंकड़ों के अनुसार, 23 अगस्त को समाप्त सप्ताह में मुद्रा भंडार का अहम हिस्सा मानी जाने वाली विदेशी मुद्रा आस्तियां 5.98 अरब डॉलर बढ़कर 597.55 अरब डॉलर हो गईं।

- रिकॉर्ड सात अरब डॉलर बढ़कर 681.69 अरब डॉलर

डॉलर के संदर्भ में उल्लेखित विदेशी मुद्रा आस्तियों में विदेशी मुद्रा भंडार में रखे गए यूरो, पाउंड और येन जैसी गैर-अमेरिकी मुद्राओं की घट-बढ़ का प्रभाव शामिल होता है। समीक्षाधीन सप्ताह में स्वर्ण भंडार का मूल्य 89.3 करोड़ डॉलर बढ़कर 60.99 अरब डॉलर हो गया।

जोमैटो को 4.59 करोड़ रुपए की कर मांग नोटिस

नई दिल्ली। ऑनलाइन खाना मंगाने का मंच जोमैटो को तमिलनाडु और पश्चिम बंगाल के जीएसटी प्राधिकरण से जुर्माना और ब्याज समेत 4.59 करोड़ रुपये से अधिक की मांग को लेकर नोटिस मिला है। तमिलनाडु के गुंगमबक्कम खंड के जीएसटी और केंद्रीय उत्पाद शुल्क विभाग में सहायक आयुक्त और पश्चिम बंगाल के राजस्व विभाग के सहायक आयुक्त द्वारा पारित मांग आदेशों के खिलाफ अपील करने की योजना बना रही है। तमिलनाडु कर प्राधिकरण ने केंद्रीय जीएसटी अधिनियम, 2017 और तमिलनाडु माल और सेवा कर अधिनियम, 2017 की धारा 73 के तहत 81,16,518 रुपये के जीएसटी के लिए लागू ब्याज (मात्रा निर्धारित नहीं) और 8,21,290 रुपये के जुर्माने के साथ आदेश पारित किया। इस बीच, पश्चिम बंगाल प्राधिकरण ने केंद्रीय वस्तु एवं सेवा कर अधिनियम, 2017 की धारा 73 और पश्चिम बंगाल वस्तु एवं सेवा कर अधिनियम, 2017 के तहत 1,92,43,792 रुपये के जीएसटी, 1,58,12,070 रुपये के ब्याज और 19,24,379 रुपये के जुर्माने के को लेकर आदेश पारित किया।

ग्रुप ने ग्लोबल ओएसवी ऑपरेटर एस्ट्रो ऑफशोर में खरीदी 80 फीसदी हिस्सेदारी

गौतम अदाणी की झोली में गिरी एक और कंपनी

एजेंसी ▶▶ नई दिल्ली

हिंडनबर्ग रिसर्च के जिन्न से पीछा छूटने के बाद अदाणी ग्रुप ने एक बार फिर तेजी से अपना विस्तार करना शुरू कर दिया है। ग्रुप की कंपनी अदाणी पोर्ट्स एंड स्पेशल इकनॉमिक जोन ने एक और कंपनी को खरीद लिया है। ग्रुप ने आज बताया कि उसने ग्लोबल ओएसवी ऑपरेटर एस्ट्रो ऑफशोर में 80 फीसदी हिस्सेदारी खरीदने के लिए एक डेफिनिटिव एग्रीमेंट किया है।

यह ऑल-कैश डील 185 मिलियन डॉलर में हुई है। एस्ट्रो एक ऑफशोर सप्लाई वेसल ऑपरेटर है जो खाड़ी देशों, भारत, पूर्वी एशिया और अफ्रीका में ऑपरेट करती है। कंपनी के पास 26 जहाजों का बेड़ा है जिसमें एंकर हैंडलिंग टग्स और मल्टीपर्पज सपोर्ट वेसल्स भी शामिल हैं। साथ ही यह वेसल मैनेजमेंट और उससे जुड़ी सेवाएं भी देती है।

यह आल कैश डील 185 मिलियन डॉलर में हुई, कंपनी सप्लाई वेसल ऑपरेटर है

फ्लीट में होंगे कुल 168 वेसल्स

अदाणी पोर्ट के सीईओ अश्वनी गुप्ता ने कहा कि हम दुनिया के सबसे बड़े मरीन ऑपरेटर्स बनना चाहते हैं और एस्ट्रो का अधिग्रहण इसी का हिस्सा है। एस्ट्रो के आने से हमारे बेड़े में इजाफा होगा। अभी हमारे पास 142 टग और ड्रेगर हैं। इस तरह हमारे फ्लीट में कुल 168 वेसल्स हो जाएंगे।

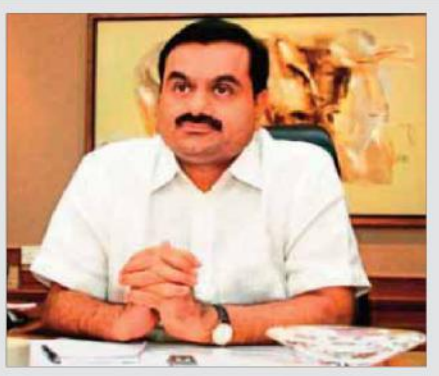

कंपनी का रेवेन्यू 95 मिलियन डॉलर

30 अप्रैल साल के दौरान इस कंपनी का रेवेन्यू 95 मिलियन डॉलर और एबिटा 41 मिलियन डॉलर रहा। एस्ट्रो के ग्राहकों में एनएमडीसी, मैकडरमॉट, कूईस, लार्सन एंड टुब्रो और साईप्रेम शामिल हैं। साथ ही यह ऑफशोर कंस्ट्रक्शन एंड फैब्रिकेशन और ऑफशोर ट्रांसपोर्टेशन मार्केट में भी बड़ी कंपनी है।

एक महीने में पूरी होगी डील

गुप्ता ने कहा कि एस्ट्रो के आने से अरेबियन गल्फ, भारतीय उपमहाद्वीप और सुदूर पूर्व एशिया में हमारी पोजीशन मजबूत होगी। एस्ट्रो ऑफशोर के एमडी मार्क हम्फ्रीज ने कहा कि पिछले 15 साल में कंपनी ने शानदार प्रोग्रेस की है। इस दौरान हमने अपने ओएसवी फ्लीट में निवेश किया और अपनी कस्टमर्स के साथ रिश्ते विकसित किए। अपसेज के साथ पार्टनरशिप हमारे लिए अहम है। दोनों कंपनियां मिलकर अपने बिजनेस को पूरी दुनिया में फैला सकती हैं। अदाणी पोर्ट्स ने कहा कि इस डील के लिए किसी तरह के रेगुलेटरी अप्रूवल की जरूरत नहीं है और इस ट्रांजैक्शन के एक महीने में पूरी होने की उम्मीद है।

एथेनॉल निर्माताओं को मिली चावल बेचने की अनुमति

नई दिल्ली। सरकार ने भारतीय खाद्य निगम (एफसीआई) के भंडार से अनाज आधारित एथनॉल डिस्टिलरी को 23 लाख टन तक चावल बेचने की अनुमति दे दी। इसके साथ ही पिछले साल इस पर लगाई गई रोक हट गई।

एक निर्देश के अनुसार, खाद्य मंत्रालय ने एथनॉल उत्पादकों को खुली बाजार बिक्री योजना (ओएमएसएस) के तहत ई-नीलामी में भाग लेने और अगस्त और अक्टूबर, 2024 के बीच चावल खरीदने की अनुमति दी है।

RAJHIN/2014/56327
संजीवनी टुडे | डाक पंजीयन सं.जयपुर सिटी/003/2017-19

आसमान में गूंजेगी दुनियाभर के फाइटर जेट की गरज, ग्रीक के 4 लड़ाकू जेट भारत पहुंचे

'तरंग शक्ति' का दूसरा चरण आज से 14 सितंबर तक चलेगा

भारतीय वायुसेना के सबसे बड़ी बहुराष्ट्रीय हवाई अभ्यास तरंग शक्ति का दूसरा चरण जोधपुर में शुरू हो गया है। इस अभ्यास में ऑस्ट्रेलिया, अमेरिका, ग्रीस, बांग्लादेश, सिंगापुर और यूएई के लड़ाकू विमान हिस्सा ले रहे हैं।

एजेंसी ▶▶ नई दिल्ली

भारतीय वायु सेना की मेजबानी में पहली बार हो रहे बहुराष्ट्रीय हवाई अभ्यास 'तरंग शक्ति' के दूसरे चरण की औपचारिक शुरुआत शुक्रवार से राजस्थान के जोधपुर में हो गई है। इसमें शामिल होने के लिए बांग्लादेश के अलावा अमेरिका, ऑस्ट्रेलिया, ग्रीस, सिंगापुर और यूएई की वायु सेनाएं रेगिस्तानी इलाके में पहुंचीं हैं। यह पहला मौका है जब हेलेनिक वायु सेना भी इस अभ्यास में भाग लेने के लिए चार ग्रीक लड़ाकू जेट के साथ भाग लेने भारत आई है।

70-80 विमान रेगिस्तानी इलाके में पहुंचे

तरंग शक्ति का दूसरा और अंतिम चरण 14 सितंबर तक राजस्थान के जोधपुर में होगा। अभ्यास के दूसरे चरण में हिस्सा लेने के लिए अमेरिका, ऑस्ट्रेलिया, बांग्लादेश, सिंगापुर, यूएई की वायु सेनाओं के लड़ाकू विमान, हेलीकॉप्टर, विशेष ऑपरेशन विमान, मध्य हवा में ईंधन भरने वाले और हवाई चेतावनी और नियंत्रण प्रणाली (अवाक्स) विमान सहित 70-80 विमान रेगिस्तानी इलाके में पहुंचे हैं। इस अभ्यास में अमेरिका अपने एफ-16 और ए-10 विमानों के साथ भाग लेगा। इस चरण में 18 देश पर्यवेक्षकों के रूप में शामिल होंगे। अभ्यास का पहला चरण 6-14 अगस्त तक दक्षिण भारत के सुलूर में हो चुका है, जिसमें जर्मनी, फ्रांस, स्पेन और ब्रिटेन की वायु सेनाओं ने हिस्सा लिया था।

अभ्यास में यूएस, ऑस्ट्रेलिया, ग्रीस, सिंगापुर और यूएई की वायु सेनाएं ले रही हिस्सा

भारत का हेलेनिक सशस्त्र बलों के साथ इसी साल अप्रैल में सैन्य सहयोग पर समझौता होने के बाद इतिहास में पहली बार ग्रीक के चार लड़ाकू जेट 'तरंग शक्ति' अभ्यास में भाग लेने के लिए भारत पहुंचे हैं। वही अभ्यास सत्र में यूएस, ऑस्ट्रेलिया, ग्रीस, सिंगापुर और यूएई की वायु सेनाएं ले रही हैं हिस्सा, इससे पहले 2023 में ग्रीक में हुए बहुराष्ट्रीय अभ्यास 'इनियोचोस' में भारतीय सुखोई-30 ने भाग लिया था। अब हेलेनिक वायु सेना के चार लड़ाकू जेट एफ-16 भारत की मेजबानी में हो रहे हवाई अभ्यास में हिस्सा लेंगे, जिसमें हवाई युद्ध, रक्षात्मक और आक्रामक अभियान, जमीनी प्रतिष्ठानों और सतही लक्ष्यों पर हमला करना और विदेशी सेनाओं के साथ सहयोग शामिल है। ग्रीक के विमान पहले तमिलनाडु के सुलूर एयरबेस पर पहुंचे, जहां उन्हें ईंधन दिया गया।

ये देश अपने फाइटर जेट के साथ हुए शामिल

- ऑस्ट्रेलिया – एफ-18
- ग्रीस- एफ-16
- यूएई - एफ 16
- अमेरिका- ए-10, एफ-16
- भारत- तेजस, रफाल, सुखोई-30, मिराज, जगुवार, मिग-29, प्रचंड हेलिकॉप्टर आदि।

पाकिस्तान को लेकर विदेश मंत्री का बड़ा बयान

जयशंकर ने दिल्ली में एक पुस्तक विमोचन कार्यक्रम में कहा

पाकिस्तान के साथ बातचीत का दौर खत्म, हम चुप बैठने वालों में से नहीं

विदेश मंत्री एस जयशंकर ने पाकिस्तान के साथ बातचीत के दौर का अंत बताया है। उन्होंने कहा कि धारा 370 खत्म होने के बाद अब नए रिश्तों की कल्पना की जा सकती है। उन्होंने यह भी कहा कि भारत चुप नहीं बैठेगा और हर स्थिति पर प्रतिक्रिया देगा।

एजेंसी ▶▶ नई दिल्ली

विदेश मंत्री एस जयशंकर ने पाकिस्तान को लेकर बड़ा बयान दिया है। उन्होंने कहा है कि पाकिस्तान के साथ बातचीत का दौर खत्म हो गया है। अब पड़ोसी के साथ कैसे रिश्तों का कल्पना करें। उन्होंने कहा कि हर एक्शन का रिएक्शन होता है। भारत निष्क्रिय नहीं है। विदेश मंत्री ने दिल्ली में एक पुस्तक विमोचन कार्यक्रम में कहा कि हम जरुरत पड़ने पर प्रतिक्रिया देंगे।

हम हर घटनाक्रम पर प्रतिक्रिया देंगे

विदेश मंत्री डॉ. एस. जयशंकर ने कहा कि पाकिस्तान के साथ निर्बाध बातचीत का दौर ख़त्म हो गया है...जहां तक जम्मू-कश्मीर का सवाल है, धारा 370 खत्म हो गई है तो मुद्दा यह है कि हम पाकिस्तान के साथ किस तरह के रिश्ते पर विचार कर सकते हैं। ऐसे में अब सवाल ये है कि हम पाकिस्तान के साथ कैसे रिश्ते चाहते हैं? जयशंकर ने आगे कहा कि हम चुप नहीं बैठेंगे। घटनाक्रम चाहे अच्छा हो या बुरा, हम उस पर प्रतिक्रिया देंगे।

सबकी पड़ोसियों के साथ चुनौतियां

जयशंकर ने पड़ोसी देशों के बीच की उलझनों के बारे में भी बताया। उन्होंने कहा कि दो देशों के बीच राजनयिक संबंध, खासकर जब वे भौगोलिक रूप से जुड़े हों, चुनौतीपूर्ण हो सकते हैं। उन्होंने पूछा, 'पड़ोसी हमेशा एक पहेली होते हैं...मुझे बताइए कि ऐसा कौन सा देश है जिसके पड़ोसियों के साथ चुनौतियां नहीं हैं।

→ पाकिस्तान घाटी में शांति भंग करता है

कश्मीर नई दिल्ली का एकतरफा मामला

पाकिस्तान पर जयशंकर के ताजा बयान भारत द्वारा अपने पड़ोसी देश के साथ कूटनीतिक संबंधों को लेकर एक बड़े बदलाव का संकेत देते हैं। भारत ने 5 अगस्त, 2019 को जम्मू-कश्मीर राज्य को विशेष दर्जा देने वाले संविधान के अनुच्छेद 370 को रद्द कर दिया था। उस समय पाकिस्तान के शीर्ष नेतृत्व ने इस कदम के लिए भारत की आलोचना की थी। भारत जहां कहता है कि कश्मीर भारतीय उपमहाद्वीप का अभिन्न अंग है, वहीं पाकिस्तान कुछ और ही दावा करता है। भारत वर्षों से कहता रहा है कि कश्मीर नई दिल्ली का एकतरफा मामला है। पाकिस्तान पर आरोप है कि वह उन आतंकवादियों को फंडिंग करता है जो घाटी में शांति भंग करने के लिए अवैध रूप से भारतीय सीमा में घुसपैठ करते हैं।

→ किसी भी अस्थिरता का मजबूती से जवाब देंगे

आतंकवाद के खिलाफ सख्त रवैया

जयशंकर ने पाकिस्तान के साथ भारत के भविष्य संबंधों को पाकिस्तान के कार्यों पर निर्भर बताया। उन्होंने कहा कि पाकिस्तान के हर सकारात्मक या नकारात्मक कदम का जवाब दिया जाएगा और आतंकवाद से संबंधित मुद्दों पर भारत की नीति पूरी तरह स्पष्ट है। इस बात पर जोर देते हुए कि आतंकवाद और बातचीत एक साथ नहीं चल सकते, उन्होंने पाकिस्तान को चेतावनी दी कि भारत चुप नहीं बैठेगा और किसी भी अस्थिरता का जवाब मजबूती से देगा।

विदेशी सांसद ने की पीएम मोदी की जमकर तारीफ

भारत उभरती शक्ति, रूस-यूक्रेन संघर्ष को हल करने में अहम भूमिका

हंगरी के प्रधानमंत्री के राजनीतिक निदेशक और संसद सदस्य बालाज ओर्बन ने कहा कि भारत एक उभरती शक्ति है और रूस और यूक्रेन के बीच चल रहे संघर्ष को हल करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभा रहा है।

एजेंसी ▶▶ नई दिल्ली

हंगरी प्रधानमंत्री के राजनीतिक निदेशक और संसद सदस्य बालाज ओर्बन ने कहा कि भारत एक उभरती शक्ति है और रूस और यूक्रेन के बीच चल रहे संघर्ष को हल करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभा रहा है। उन्होंने वैश्विक मंच पर भारत का प्रतिनिधित्व करने के विदेश मंत्री डॉ. एस. जयशंकर के तरीके की भी सराहना की हैं।

भारत एक सभ्यता

पीएम नरेंद्र मोदी की हालिया यूक्रेन यात्रा पर बोलते हुए कहा कि इस तरह की पहल बहुत महत्वपूर्ण है। भारत-हंगरी संबंधों को रेखांकित करते हुए कहा कि ऐसे कई बिंदु हैं, जहां दोनों देश समान दृष्टिकोण साझा करते हैं। भारत एक सभ्यता है और इस आधुनिक काल में भी केवल वही देश सफल हो सकता है, जो अपनी विदेश और घरेलू नीति का निर्माण सांस्कृतिक और ऐतिहासिक मूल्यों पर कर रहे हैं।

अच्छा काम कर रहे एस जयशंकर

बालाज ओर्बन ने कहा कि आपके विदेश मंत्री जयशंकर बहुत अच्छा काम कर रहे हैं। वह विश्व मंच पर बहुत सशक्त तरीके से भारत का प्रतिनिधित्व कर रहे हैं। उन्होंने इस बात पर भी जोर दिया कि हंगरी भी उसी पक्ष में है और युद्ध का शांतिपूर्ण समाधान चाहता है।

कमला राष्ट्रपति बनीं तो एक विपक्षी को मंत्री बनाएंगी

वॉशिंगटन। अमेरिकी उपराष्ट्रपति कमला हैरिस ने डेमोक्रेटिक पार्टी की तरफ से राष्ट्रपति उम्मीदवार बनने के बाद शुक्रवार को पहला टीवी इंटरव्यू दिया। उनका यह इंटरव्यू राष्ट्रपति जो बाइडेन और पूर्व राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के बीच डिबेट कराने वाली पत्रकार ने इंटरव्यू लिया। हैरिस ने कहा कि वे अपने परिवार के साथ पैनकेक बना रही थी और बेकन तल रही थी, तभी बाइडेन का फोन आया। कमला ने कहा कि राष्ट्रपति उम्मीदवार बनने के बाद भी किसी मुद्दे पर उनके विचार नहीं बदले हैं। उन्होंने कहा कि अगर वे राष्ट्रपति बनती हैं तो अपनी कैबिनेट में विपक्षी पार्टी (रिपब्लिकन) के नेता को शामिल करेंगी। ऐसा करना अमेरिकी जनता के लिए अच्छा होगा।

खबर संक्षेप

ब्रूनेई और सिंगापुर की यात्रा करेंगे पीएम मोदी

नई दिल्ली। पीएम नरेंद्र मोदी सितंबर के पहले सप्ताह में ब्रूनेई और सिंगापुर की यात्रा करेंगे। विदेश मंत्रालय ने शुक्रवार को यह जानकारी दी। विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता रणधीर जायसवाल ने पत्रकार वार्ता में घोषणा की कि प्रधानमंत्री मोदी तीन और चार सितंबर को ब्रूनेई की यात्रा करेंगे। यह किसी भारतीय प्रधानमंत्री की ब्रूनेई की पहली द्विपक्षीय यात्रा होगी। यात्रा भारत और ब्रूनेई के कूटनीतिक संबंधों की शुरुआत के 40 वर्ष पूरे होने के मौके पर हो रही है।

हम सत्ता में आए तो पीएसए हटा देंगे : पूर्व सीएम उमर

श्रीनगर। विधानसभा चुनाव को लेकर जम्मू-कश्मीर का सियासी पारा हाई है।

जनता को अपने पक्ष में करने के लिए पार्टियां तमाम वादे और दावे कर रही हैं। इसी कड़ी में नेशनल कॉन्फ्रेंस (एनसी) के नेता उमर अब्दुल्ला ने एक वादा किया है। उन्होंने कहा है, अगर वो सत्ता में आए तो पीएसए (सार्वजनिक सुरक्षा अधिनियम) हटा देंगे। उमर ने कांग्रेस के साथ गठबंधन पर भी रिएक्शन दिया है। जम्मू-कश्मीर के पूर्व सीएम उमर अब्दुल्ला ने पीएसए का जिक्र करते हुए उमर ने कहा, लोगों को कई समस्याओं का सामना करना पड़ा है। कुछ लोग जेलों में सड़ रहे हैं।

प्रत्यर्पण का खतरा मंडराया

भारत आए हसीना को हो गए 20 दिन, राजनयिक पासपोर्ट भी रद्द

एजेंसी ▶▶ नई दिल्ली

बांग्लादेश की पूर्व प्रधानमंत्री शेख हसीना लगभग तीन सप्ताह से भारत में ही हैं। इस बीच पूर्व प्रधानमंत्री के अगले कदम के बारे में अटकलें लगाई जा रही हैं। हालांकि बांग्लादेश की अंतरिम सरकार द्वारा हसीना का राजनयिक पासपोर्ट रद्द करने से उनके भारत में रहने की संभावना कम हो गई है। बांग्लादेश की अंतरिम सरकार ने अपदस्थ प्रधानमंत्री शेख हसीना के साथ-साथ पूर्व मंत्रिमंडल के सभी सदस्यों का राजनयिक पासपोर्ट रद्द कर दिया है। देश के गृह मंत्रालय के सुरक्षा सेवा प्रभाग ने घोषणा करते हुए कहा है कि शेख हसीना, उनके सलाहकारों, पूर्व कैबिनेट सदस्यों और हाल ही में भंग की गई 12वीं जातीय संसद के सभी सदस्यों और उनके जीवनसाथियों का राजनयिक पासपोर्ट तत्काल प्रभाव से रद्द कर दिया जाएगा। अंतरिम सरकार ने यह कदम विद्यार्थियों के नेतृत्व में हुए विरोध प्रदर्शन के बाद तत्कालीन प्रधानमंत्री शेख हसीना द्वारा इस्तीफा देने और भारत चले जाने के लगभग दो सप्ताह बाद उठाया है। पासपोर्टों को रद्द करने का प्रावधान उन राजनयिक अधिकारियों पर भी लागू होता है।

उपराष्ट्रपति ने सत्र को संबोधित किया

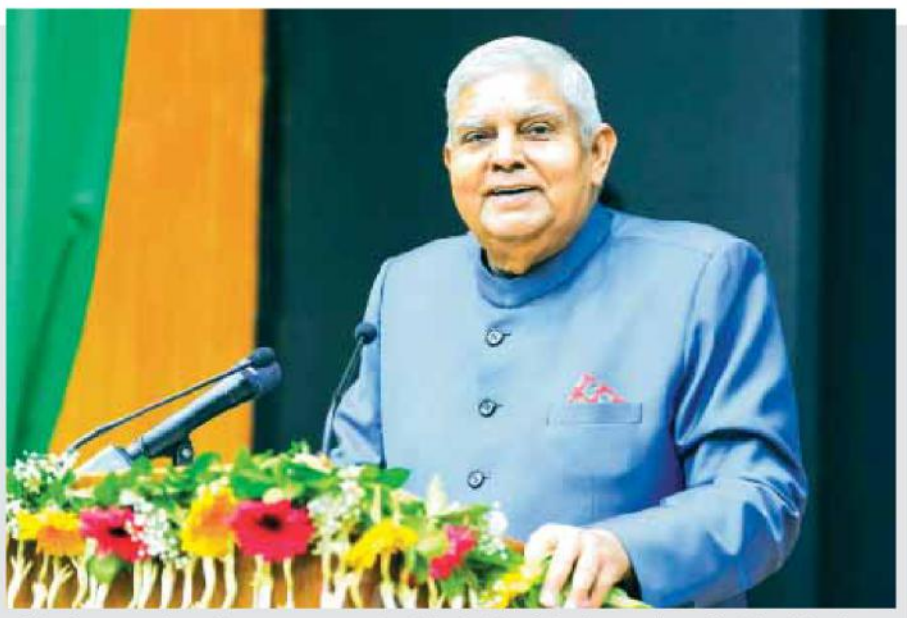

नई दिल्ली। उपराष्ट्रपति जगदीप धनखड़ शुक्रवार को नई दिल्ली में दिल्ली विश्वविद्यालय के भारती कॉलेज में विकसित भारत में महिलाओं की भूमिका पर एक सत्र को संबोधित करते हुए।

सम्मेलन में डोभाल ने श्रीलंका के राष्ट्रपति से मुलाकात की

समुद्री सुरक्षा, आतंकवाद-निरोध और साइबर सुरक्षा मुद्दों पर हुई चर्चा

एजेंसी ▶▶ नई दिल्ली

राष्ट्रीय सुरक्षा सलाहकार अजीत डोभाल कोलंबो सुरक्षा सम्मेलन में भाग लेने के लिए श्रीलंका की राजधानी पहुंचे। जानकारी के अनुसार भारत के राष्ट्रीय सुरक्षा सलाहकार श्रीलंका के राष्ट्रपति रानिल विक्रमसिंघे से मुलाकात की। सम्मेलन अपने कोलंबो सचिवालय के साथ भारत, श्रीलंका, मालदीव और मॉरीशस के राष्ट्रीय सुरक्षा सलाहकारों तथा उप राष्ट्रीय सुरक्षा सलाहकारों को एक मंच पर लाता है। सम्मेलन में बांग्लादेश और सेशेल्स को पर्यवेक्षक का दर्जा प्राप्त है। इस सम्मेलन में समुद्री सुरक्षा, आतंकवाद-निरोध और साइबर सुरक्षा से संबंधित मुद्दों पर चर्चा हुई।

ईरान ने यूरेनियम भंडार बढ़ाया

संयुक्त राष्ट्र परमाणु निगरानी संस्था के मुताबिक ईरान ने अपने समृद्ध यूरेनियम भंडार को और बढ़ाया है। जानकारी के मुताबिक ईरान का यूरेनियम भंडार हथियार-श्रेणी स्तर के करीब तक पहुंच चुका है।

---

6 सितंबर को अंतरराष्ट्रीय स्पेस स्टेशन से बाहर निकलेगा!

सुनीता को लेकर गया स्पेसक्राफ्ट जल्द ही लौटेगा धरती पर

एजेंसी ▶▶ वॉशिंगटन

भारतीय मूल की अंतरिक्ष यात्री सुनीता विलियम्स को लेकर आईएसएस इंटरनेशनल स्पेस स्टेशन पर गया बोइंग का स्टारलाइनर अब धरती पर लौटने वाला है। अमेरिकी अंतरिक्ष एजेंसी नासा ने इसकी डेट कन्फर्म की है। मिली जानकारी के अनुसार स्टारलाइनर स्पेसक्राफ्ट अगले शुक्रवार यानी 6 सितंबर को अंतरराष्ट्रीय स्पेस स्टेशन (आईएसएस) से बाहर निकल सकता है। अगर कोई मौसमी दिक्कत आई या तकनीकी समस्या रिपोर्ट हुई, तब उसके लौटने में देरी हो सकती है। अगर सबकुछ प्लान के अनुसार हुआ, तो स्टारलाइनर कैप्सूल, अमेरिकी समय के अनुसार 6 सितंबर की शाम आईएसएस के डॉक से बाहर आ जाएगा और करीब 6 घंटे का सफर करके न्यू मैक्सिको के वाइट सैंड्स स्पेस हार्बर में लैंडिंग का प्रयास करेगा।

नासा ने बताई स्पेसक्राफ्ट की वापसी की तारीख

इंटरनेशनल स्पेस स्टेशन पर फंसा बोइंग का स्टारलाइनर धरती पर लौटने वाला है। अमेरिकी अंतरिक्ष एजेंसी नासा ने गुरुवार को उसकी वापसी की तारीख बताई। नासा के मुताबिक स्टारलाइनर स्पेसक्राफ्ट 6 सितंबर को अंतरराष्ट्रीय स्पेस स्टेशन (आईएसएस)से बाहर निकल सकता है। अंतरिक्ष एजेंसी का कहना है कि अगर कोई मौसम से जुड़ी परेशानी सामने नहीं आई या कोई तकनीकी दिक्कत नहीं आई तो स्टारलाइनर वहां से वापसी की उड़ान शुरू कर सकता है।

स्पेसक्राफ्ट को 5 जून को लॉन्च किया था

स्टारलाइनर स्पेसक्राफ्ट को 5 जून को लॉन्च किया गया था। यह बोइंग का पहला मानव मिशन था। स्पेसक्राफ्ट में दो अंतरिक्ष यात्री- सुनीता विलियम्स और बुच विल्मोर सवार हुए थे और आईएसएस पर पहुंचे थे। लॉन्च के अगले दिन स्टारलाइनर कैप्सूल ने सफलतापूर्वक आईएसएस पर डॉक किया था। उसके बाद परेशानियां शुरू हो गईं। स्पेसक्राफ्ट में हीलियम लीक हुआ और फिर उसे पांच कंट्रोल सिस्टम थ्रस्टर्स फेल हो गए। स्टारलाइन का मिशन सिर्फ 10 दिनों के प्रस्तावित था, लेकिन स्पेसक्राफ्ट में आई गड़बड़ी ने मिशन को वापस ना लौटने वाली सिचुएशन में ला दिया।

नॉर्वे के चर्च में आज होगा विवाह

राजकुमारी लुइस और तांत्रिक ड्यूरेक शादी के बंधन में बंधेंगे

एजेंसी ▶▶ वॉशिंगटन

नॉर्वे की राजकुमारी मार्था लुइस अमेरिका के तांत्रिक ड्युरेक वेरेट से शादी कर रही हैं। दोनों शनिवार को नॉर्वे के ऐलेसंड शहर के एक चर्च में शादी के बंधन में बंध जाएंगे। शादी के बाद मेहमानों के लिए नावों पर खाना परोसा जाएगा।

जानकारी के मुताबिक समारोह में शामिल होने वाले मेहमानों से कहा गया है कि वे इस दौरान मोबाइल फोन या कैमरे का इस्तेमाल न करें और सोशल मीडिया पर शादी से जुड़ा कुछ भी पोस्ट न करें। 52 साल की राजकुमारी की शादी में स्वीडेन के शाही परिवार के अलावा कई मीडिया इंफ्लुएंसर्स और टीवी सेलेब्रिटीज शामिल होंगे। ड्युरेक वेरेट को नॉर्वे की मीडिया में ठग कहा जाता है। दोनों ने शादी की स्पेशल कवरेज के लिए 'हेलो!' मैगजीन से करार किया है। इसका मतलब है कि उनकी शादी को कवर करने के लिए बाकी मीडिया को इजाजत नहीं मिली है। दोनों ने नेटफ्लिक्स के साथ भी करार किया है जो पिछले 1 साल से उनकी गतिविधियों को रिकॉर्ड कर रहा है। नेटफ्लिक्स मार्था की कहानी पर एक डॉक्यूमेंट्री बनाने वाला है।

स्वत्वाधिकारी, प्रकाशक, मुद्रक राजेश मीणा द्वारा अम्बर ऑफसेट प्रा. लि., डी एल टॉवर, 3-ए, विद्याआश्रम संस्थानिक क्षेत्र, जेएलएन मार्ग, जयपुर से मुद्रित एवं बी-66, कुसुम विहार, जगतपुरा, मालवीया नगर, जयपुर से प्रकाशित।
सम्पादक-राजेश मीणा, Email : sanjeevnitoday@gmail.com मो: 8094811115, (पीआरबी एक्ट के तहत खबरों के चयन के लिए उत्तरदायी)